राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

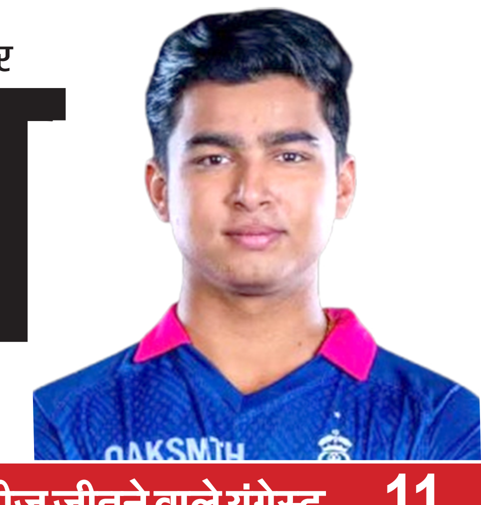

12 गुरु केवल शिक्षा नही, जीवन को दिशा भी देते है....

वैभव सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 95 | नई दिल्ली, मंगलवार, 28 जुलाई, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 40.0°C

न्यूनतम तापमान 29.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	80%
नहीं	20%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,44,690
चांदी	2,40,000
सेंसेक्स	76,391.39
निफ्टी	23,869.60

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति मुर्मु ने रजत पदक जीतने पर राजा मुथुपांडी को दी बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में रजत पदक जीतने पर राजा मुथुपांडी को हार्दिक बधाई दी। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 65 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतने पर राजा मुथुपांडी को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि देश को आपकी इस उपलब्धि पर गर्व है। भविष्य के प्रयासों के लिए आपको मेरी शुभकामनाएं। उल्लेखनीय है कि भारतीय भारोत्तोलक मुथुपांडी ने राष्ट्रमंडल खेल में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष 65 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता है। शनिवार को खेले गए मुकाबले में मुथुपांडी ने कुल 286 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहते हुए भारत को खेलों का दूसरा रजत पदक दिलाया।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नईदिल्ली, । श्री गोवर्धन विद्या निकेतन विद्यालय में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 11वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय में दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर महान वैज्ञानिक और प्रेरणास्रोत डॉ. कलाम को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधक विष्णु दत्त शर्मा, मुख्य अतिथि के. डी. पाठक, प्रधानाचार्या संगीता रानी, शिक्षकगण तथा विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके आदर्शों को स्मरण किया। मुख्य अतिथि के. डी. पाठक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में जन्मे डॉ. कलाम ने भारत के अंतरिक्ष एवं प्रक्षेपास्त्र कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

सीआरपीएफ स्थापना दिवस पर जवानों और उनके परिवारों को नमन, राष्ट्र सुरक्षा में अतुलनीय योगदान: प्रधानमंत्री

प्रात: किरण, एजेंसी

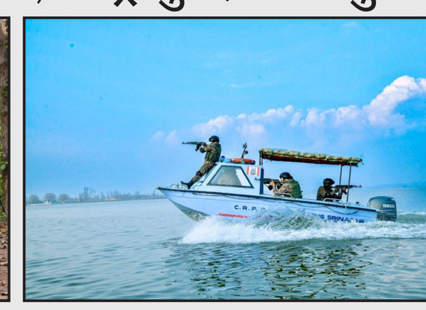

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीआरपीएफ के सभी जवानों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्थापना के बाद से सीआरपीएफ ने भारत की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनेक गौरवपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और हर चुनौती का साहसपूर्वक सामना किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई हो या देश की शांति, सुरक्षा और विकास की रक्षा का दायित्व, सीआरपीएफ ने हर मोर्चे पर राष्ट्र की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अदम्य साहस और समर्पण का परिचय दिया है। उन्होंने अपने संदेश में कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले सीआरपीएफ के वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्र उनके अद्वितीय साहस, त्याग और समर्पण को सदैव याद रखेगा। प्रधानमंत्री ने देश की सुरक्षा में सीआरपीएफ के अमूल्य योगदान को नमन करते हुए सभी जवानों के उज्ज्वल भविष्य और सुरक्षित सेवा की कामना की।

चैंपियनशिप 2026 का मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया शुभारंभ, 2 अगस्त तक चलेगी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता की आधिकारिक ट्रोफी का अनावरण भी किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न देशों से आए खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं प्रतिनिधिमंडलों का दिल्ली की ओर से स्वागत करते हुए प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा एवं खेल मंत्री आशीष सूद भी मौजूद रहे। 2 अगस्त तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में दर्शकों के लिए निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था है मुख्यमंत्री की बात मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के लिए यह गौरव की बात है कि उसे इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिला है। खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विभिन्न देशों, संस्कृतियों और समाजों को जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम हैं। ऐसे आयोजन युवाओं को उत्कृष्टता, अनुशासन, समर्पण और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित करते हैं। इसके उपरांत खिलाड़ियों द्वारा खेल भावना, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और अनुशासन की शपथ ली गई। मुख्यमंत्री ने टेबल टेनिस रैकेट से प्रतीकात्मक ह्यसेरेमोनियल फर्स्ट स्ट्रोकह्व खेलकर प्रतियोगिता का औपचारिक आगाज किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम उद्घाटन समारोह में विद्यार्थियों एवं कलाकारों द्वारा भारतीय संस्कृति, एकता और विविधता पर आधारित भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत खेलों के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। देश में विश्वस्तरीय खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण है। दिल्ली सरकार भी इसी संकल्प के साथ राजधानी में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने और युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा और खेल इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा एवं खेल मंत्री आशीष सूद ने कहा कि शिक्षा और खेल एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां कक्षा विद्यार्थियों को ज्ञान और सोचने की क्षमता प्रदान करती है, वहीं खेल का मैदान उन्हें टीम भावना, धैर्य, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, संघर्षशीलता और दूसरों के प्रति सम्मान जैसे जीवन मूल्यों का पाठ पढ़ाता है। 22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 में कॉमनवेल्थ के 25 सदस्य देशों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

'पेपर लीक बिल' पर चर्चा न होने देना दुर्भाग्यपूर्ण:रिजिजू

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि देशभर के छात्रों की मांगों और हाल में हुए छात्र आंदोलन को ध्यान में रखते हुए सरकार परीक्षा में पेपर लीक और अनुचित साधनों पर रोक लगाने के लिए आज एक बेहद महत्वपूर्ण विधेयक संसद में लेकर आई है। उन्होंने कहा कि यदि इतने बड़े छात्र आंदोलन के बाद भी इस मुद्दे पर संसद में चर्चा नहीं हो पाती, तो यह न संसद के लिए अच्छा है और न ही लोकतंत्र के लिए। ससंद बहस और चर्चा का सर्वोच्च मंच है, इसलिए ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर यहीं सार्थक चर्चा होनी चाहिए। रिजिजू ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि कांग्रेस और कुछ विपक्षी दल इस विधेयक पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं तथा नारेबाजी, काले कार्ड दिखाकर और अन्य तरीकों से सदन की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस और विपक्षी दलों से अपील की कि वे देश के छात्रों की भावनाओं को समझें और हंगामा करने के बजाय इस महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा में भाग लें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए बड़ा निर्णय लिया है और इसके लिए एक टास्क फोर्स का गठन भी किया गया है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक विधेयक पेपर लीक रोकने के लिए सख्त और समयबद्ध प्रावधानों के साथ-साथ दोषियों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान करता है, जिससे छात्रों का भविष्य अधिक सुरक्षित होगा। उन्होंने सभी दलों से छात्रों के हित को सर्वोपरि रखते हुए विधेयक पर गंभीर और सकारात्मक चर्चा करने की अपील की।

सोनम वांगचुक अस्पताल से डिस्चार्ज होकर राजघाट पहुंचे

बापू को श्रद्धांजलि दी; बोले- हिंसा से मामला बिगड़ता, इसलिए समय से पहले अनशन खत्म किया

प्रात: किरण, एजेंसी

गुरुग्राम। के मेदांता अस्पताल में भर्ती सामाजिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक सोमवार को डिस्चार्ज हो गए। दोपहर 1:45 बजे अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह अपनी पत्नी डॉ. गीतांजलि के साथ दिल्ली के राजघाट जाकर पहुंचे और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। मीडिया से बातचीत में सोनम वांगचुक ने कहा, ़मैं देश को बताना चाहता हूं कि बापू का दिखाया रास्ता आज भी उतना ही सही और प्रासंगिक है, जितना 100 साल पहले था। शांतिपूर्ण आंदोलन के कारण हमारी जीत हुई है। हिंसा होती तो मामला बिगड़ सकता था। इसलिए मैंने समय से पहले अनशन खत्म किया। वांगचुक लद्दाख से जुड़े मुद्दों और ठएएळ पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर 26 दिनों तक अनशन पर बैठे थे। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस ने उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के बाद गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया था।

छात्रों पर पुलिसिया लाठीचार्ज को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। देश भर में छात्र आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना नागरिकों का मौलिक संवैधानिक अधिकार है और पुलिस की ज्यादती को किसी भी कीमत पर जायज नहीं ठहराया जा सकता। शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार मौलिक और संवैधानिक भारत के मुख्य न्यायाधीश (उखक) की अगुवाई वाली बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि आंदोलन होने मात्र से पुलिस को बल प्रयोग करने की अनुमति नहीं मिल जाती। हालांकि, कोर्ट ने प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमलों की घटनाओं पर भी चिंता जताई और राज्य प्रशासन से पर्याप्त सुरक्षा उपायों को लेकर जवाब तलब किया है। राष्ट्रव्यापी प्रोटोकॉल और नीट परीक्षा पर विचार सुप्रीम कोर्ट ने देश भर में शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के लिए एक एकसमान प्रोटोकॉल और गाइडलाइन तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। इसके साथ ही, कोर्ट ने नीट परीक्षा को ऑनलाइन मोड में शिफ्ट करने को लेकर नंदन नीलेकणि की अगुवाई वाली टास्क फोर्स के सुझावों और साइबर सुरक्षा व्यवस्थाओं पर भी गौर करने की बात कही है।

जंतर-मंतर छात्र प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई को लेकर लोकसभा में चर्चा की मांग

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के कन्याकुमारी से सांसद विजय वसंत ने लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस देकर 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों और संसद की ओर मार्च के दौरान पुलिस द्वारा कथित अत्यधिक बल प्रयोग के मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग की है। स्थगन प्रस्ताव में श्री वसंत ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर सुरक्षा बलों ने लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले और पैलेट गन का इस्तेमाल किया, जिससे कई छात्र गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कथित मारपीट तथा सादे कपड़ों में मौजूद कर्मियों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस सांसद ने इस पूरे घटनाक्रम में बल प्रयोग की अनुमति किस स्तर पर दी गई, इसके लिए जवाबदेही तय करने और मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने घायल छात्रों को तत्काल चिकित्सा सहायता और उचित मुआवजा देने की भी मांग की। श्री वसंत ने अपने प्रस्ताव में कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार की रक्षा करने की मांग की।

मोदी ने नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में परीक्षा सुधार के लिए उच्च स्तरीय समिति बनाने का ऐलान किया

प्रात: किरण, एजेंसी

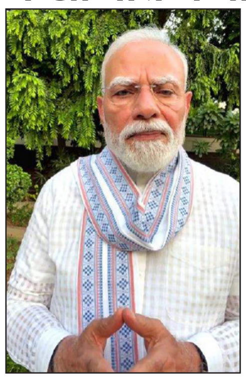

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परीक्षा सुधारों के लिए नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति बनाने का ऐलान किया है। श्री मोदी ने आज शाम एक वीडियो संदेश में कहा कि विश्व प्रसिद्ध तकनीक विशेषज्ञ नंदन नीलेकणि के नेतृत्व में एक हाई-पावर टास्क समिति बनाने का निर्णय लिया गया है, जो परीक्षा सुधारों पर ध्यान केंद्रित करेगी और आने वाली परीक्षाओं की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने संबंधी रिपोर्ट देगी, जिसपर काम किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लसरकार फास्ट ट्रैक कोर्ट बना चुकी है और हम कल संसद में कठोर प्रावधानों के साथ एक नया कानून बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन हमें भविष्य के लिए सोचना है। हमारी परीक्षा पद्धति विश्वस्त हो, पारदर्शी हो और उसमें अधिक से अधिक तकनीक का इस्तेमाल हो।ह्व श्री मोदी ने एक वीडियो संदेश में कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य के लिए भारत सरकार लगातार कदम उठा रही है। जिन लोगों ने विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, वे जेलों में सड़ रहे हैं।

पीएम मोदी ने मीराबाई चानू को बधाई दी, उन्हें देश के लिए प्रेरणा बताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू की तारीफ की। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के 48 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में गोल्ड मेडल जीता है। पीएम ने कहा कि उनकी इस कामयाबी ने ह्लभारतीय वेटलिफ्टिंग में एक और शानदार अध्यायह्व जोड़ा है और लाखों भारतीयों के लिए प्रेरणा के तौर पर उनकी पहचान को और मजबूत किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बधाई देते हुए, प्रधानमंत्री ने कॉमनवेल्थ मंच पर चानू के शानदार प्रदर्शन और दबदबे की सराहना की। मोदी ने लिखा, ह्लभारतीय वेटलिफ्टिंग में एक और शानदार अध्याय!ह्व उन्होंने कहा, ह्लप्रतिभाशाली मीराबाई चानू ने एक बार फिर कॉमनवेल्थ गेम्स में 48 किग्रा कैटेगरी में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता और अपनी काबिलियत साबित की। लगातार कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने और कुल मिलाकर चौथा राष्ट्रमंडल खेल मेडल अपने नाम करने के साथ, वह हर भारतीय के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं। उन्हें बधाई! भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ। यह हालिया जीत चानू के शानदार करियर में एक और उपलब्धि है। यह उनका लगातार तीसरा कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडल है और इन खेलों में उनके कुल पदकों की संख्या चार हो गई है। यह उपलब्धि भारत की बेहतरीन वेटलिफ्टर्स में से एक और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों में से एक के तौर पर उनकी पहचान को और मजबूत करती है। पीएम मोदी का बधाई संदेश ऐसे समय में आया है जब भारत कॉमनवेल्थ गेम्स में एक और बड़ी उपलब्धि का जश्न मना रहा है। चानू के गोल्ड मेडल ने वेटलिफ्टिंग में देश के शानदार रिकॉर्ड को और मजबूत किया है और खेल उपलब्धियों की बढ़ती सूची में एक और नाम जोड़ा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच एकमात्र लंबित मुद्दा पीओजेके को वापस लेना है: डॉ. जितेंद्र सिंह

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली, । विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान के केंद्रीय राज्य मंत्री मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को भारत के विभाजन को ह्लइतिहास की सबसे बड़ी भूलह्व करार दिया और कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) को वापस लेना ही भारत और पाकिस्तान के बीच एकमात्र लंबित मुद्दा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का सुरक्षा परिदृश्य एक निर्णायक बदलाव से गुजरा है और बाहरी आक्रमण के खिलाफ केवल प्रतिक्रियात्मक दृष्टिकोण से निर्णायक एवं सक्रिय जवाबी कार्रवाई वाले दृष्टिकोण में परिवर्तित हुआ है। डॉ. जितेंद्र सिंह नई दिल्ली के कश्मीरी सांस्कृतिक केंद्र में ह्यजम्मू-कश्मीर पीपल्स फोरमह्व और ह्यपीओजेके यूथ फोरमह्व (जो मीरपुर बलिदान भवन समिति की एक इकाई है) के सहयोग से आयोजित 27वें कारगिल विजय दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। सांसद सुश्री बांसुरी स्वराज इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं जबकि कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिक कर्नल के.के. शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम का आयोजन जम्मू-कश्मीर पीपल्स फोरम के संयोजक महिंदर मेहता और पीओजेके यूथ फोरम की अगुवाई में किया गया ताकि 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जा सके। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कारगिल विजय दिवस को याद करने और देश के लिए नए संकल्प का दिन बताते हुए कहा कि यह जीत भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और भारत की एकता, संप्रभुता एवं अखंडता की रक्षा के प्रति देश की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कारगिल से मिली सीख आज भी प्रासंगिक है क्योंकि देश के सामने आने वाली चुनौतियों के लिए लगातार सतर्क रहने और राष्ट्रीय एकता कायम रखने की आवश्यकता बनी हुई है। कारगिल युद्ध के ऐतिहासिक संदर्भ की बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 1999 की घटनाओं को अलग-थलग करके नहीं देखा जा सकता बल्कि इन्हें बंटवारे के समय से शुरू हुए घटनाक्रमों की एक लंबी कड़ी के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। देश के विभाजन को ह्लइतिहास की सबसे बड़ी भूलह्व बताते हुए उन्होंने कहा कि इस निर्णय से लोगों को बहुत तकलीफें झेलनी पड़ीं, लाखों लोग बेघर हो गए और दशकों तक चलने वाली दुश्मनी की नींव पड़ी। इस दुश्मनी में 1947, 1965, 1971 और कारगिल की लड़ाइयां, साथ ही लगातार सीमा-पार आतंकवाद और छद्म युद्ध शामिल हैं। उन्होंने आजाद भारत में कश्मीरी पंडितों के विस्थापन को भी सबसे गंभीर मानवीय त्रासदियों में से एक करार दिया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले दशक में भारत ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की सोच में बुनियादी बदलाव किया है।

गडकरी बोले-पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में मेरा कोई रोल नहीं

नई दिल्ली। दरअसल मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल पर एथेनॉल मामले में गडकरी के कई सारे एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो वायरल हो रहे हैं। गडकरी ने याचिका में कहा है कि इन वीडियो में उन्हें एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम और ई20 पहल से गलत तरीके से जोड़ा गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को डिजिटल कंटेंट के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी है। अब गडकरी मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल कंपनी के खिलाफ सिविल सुट दायर कर सकते हैं। भारत में क्यों हो रहा है ई20 पेट्रोल का विरोध? भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण (ई20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं।

भारत बना मेडिकल टूरिज्म का हब

16 साल में विदेशी मरीज 4.5 गुना बढ़े; 1.5 लाख करोड़ का होगा बाजार

नई दिल्ली।भारत अब सिर्फ सस्ते इलाज का ठिकाना नहीं, बल्कि मेडिकल टूरिज्म का बड़ा वैश्विक केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है। 2009 में जहां 1.12 लाख विदेशी मरीज इलाज के लिए भारत आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 5.07 लाख हो गई। यानी 16 साल में विदेशी मरीजों की संख्या करीब 4.5 गुना बढ़ी। इनमें बांग्लादेश इराक, उज्बेकिस्तान, सोमालिया, ओमान और केन्या से बड़ी संख्या में मरीज भारत पहुंचे। भारत का मेडिकल टूरिज्म बाजार 2025 में 84 हजार करोड़ रुपए का था। अनुमान है कि 2030 तक यह बढ़कर 1.56 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। भारत में विशेषज्ञ डॉक्टर्स का जल्दी मिल जाना इस बढ़त की वजह सिर्फ कम खर्च नहीं है। इसकी बड़ी वजह भारत में विशेषज्ञ डॉक्टर्स का जल्दी मिल जाना है। इसके अलावा जांच रिपोर्ट्स का तुरंत आना और इलाज का खर्च पहले से तय हो जाना भी विदेशी मरीजों को लुभा रहा है। अमेरिका में जिस इलाज पर 15 हजार रुपए खर्च होते हैं, वही भारत में 1,000 से 2,000 रुपए में संभव है।

प्रदर्शन की अगुवाई कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने की।

मकर द्वार पर विपक्ष का प्रदर्शन, 20 जुलाई की घटना पर गृहमंत्री से जवाबदेही की मांग

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मकर द्वार पर आज सुबह विपक्षी सांसदों ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर सीजेपी के नेतृत्व वाले छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर गृहमंत्री अमित शाह से जवाबदेही की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अगुवाई कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने की। इस दौरान सांसदों ने नारेबाजी भी की। विपक्ष ने कहा कि छात्रों पर हुई बर्बरता के लिए गृहमंत्री सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं और संसद में इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया जाएगा। इससे पहले राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दफ्तर में इंडी गठबंधन के नेताओं की बैठक हुई। बैठक में राहुल गांधी, खरगे, प्रमोद तिवारी, सैयद नसीर हुसैन, केसी वेणुगोपाल, गौरव गोगोई, जयराम रमेश समेत तमाम नेता मौजूद रहे। बैठक में तय किया गया कि संसद के भीतर और बाहर छात्रों के मुद्दे को लगातार उठाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 20 जुलाई को सीजेपी के नेतृत्व में छात्रों ने संसद मार्च निकाला था। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के गोले छोड़े और कथित तौर पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया। इस झड़प में 100 से अधिक छात्र और कई पुलिसकर्मी घायल हुए। इसके बाद से विपक्ष लगातार छात्रों के समर्थन में खड़ा है और सरकार पर दबाव बना रहा है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 28 जुलाई, 2026

संक्षिप्त समाचार

लालढांग में हाथियों ने बढ़ाई मुश्किलें, धान और गन्ने की फसलें बरबाद

लालढांग, एजेंसी। लालढांग क्षेत्र के नयागांव और रसूलपुर गोठ में हाथियों की दहशत लगातार बढ़ रही है। हाथियों ने नयागांव में किसानों की धान की पौध रौंद दी, जबकि रसूलपुर गोठ में गन्ने की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया। इससे किसानों में दहशत और नाराजगी है। नयागांव के किसान वसीम शाह, संदीप रावत, गोला और अब्दुल रहीम ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से हाथी रोज गांव में आकर धान की पौध नष्ट कर रहे हैं जिससे दोबारा रोपाई के लिए पौध की कमी हो गई है। वहीं, रसूलपुर गोठ के किसान महबूब, सुदामा, याकूब, अय्यूब, नवीन बडोला और नसीम ने बताया कि राजाजी टाइगर रिजर्व की सीमा से सटे होने के कारण जंगली हाथियों का मूवमेंट लगातार बना रहता है। शाम ढलते ही हाथी खेतों में पहुंच जाते हैं, जिससे किसान फसलों की रखवाली भी नहीं कर पा रहे हैं। किसानों का आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद वन विभाग ने गश्त बढ़ाने या हाथियों को आबादी और खेतों में आने से रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने वन विभाग से तत्काल सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

एक बारिश भी नहीं झेल पाया पैचवर्क

रुड़की, एजेंसी। शहर के मैथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज के पास हाल ही में गड्ढे की मरम्मत के लिए किया गया पैचवर्क पहली ही बारिश में जवाब दे गया। सड़क पर बिछाई गई बजरी उखड़कर फैल गई है जिससे ये रास्ता जोखिम भरा हो गया है। सड़क पर फैली बजरी के कारण कई बाइक सवार फिसलकर चोटिल हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गड्ढे को भरने के बाद किए गए पैचवर्क में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया। कुछ दिन पूर्व पहली ही बारिश में सड़क की परत उखड़ने लगी जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। राहगीरों और वाहन चालकों को हर समय दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। आसपास के दुकानदारों ने भी निर्माण कार्य पर नाराजगी जताई है। व्यापारी संजय कुमार, अंगद सिंह और आफताब खान ने बताया कि सड़क मरम्मत में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। उनका कहना है कि यदि कार्य मानकों के अनुरूप किया गया होता तो पहली बारिश में सड़क की यह स्थिति नहीं होती। उन्होंने संबंधित विभाग से सड़क की दोबारा गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कराने और सड़क पर फैली बजरी को तत्काल हटाने की मांग की है ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लग सके।

नंदी चढ़ा दुकान की छत पर, लोगों ने बनाए वीडियो

ऋषिकेश, एजेंसी। मीरा नगर गली नंबर-20 में एक नंदी अचानक दुकान की छत पर पहुंच गया। करीब चार से पांच घंटे तक छत पर बैठे नंदी को देखने के लिए आसपास के लोगों की भीड़ जुटी रही। लोगों ने मोबाइल से वीडियो बनाए और इस अनोखे घटनाक्रम का आनंद लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गली में सड़क निर्माण कार्य चल रहा था। निर्माण सामग्री और मिक्सर मशीन के कारण रास्ता बाधित था। इसी दौरान पीछे की ढलान से आया नंदी संतुलन बनाते हुए पास की दुकान की छत पर पहुंच गया और वहीं बैठ गया। सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों ने नंदी को सुरक्षित नीचे उतारने के लिए काफी मशक्कत की। कई घंटे की कोशिश के बाद उसे सकुशल नीचे उतार लिया गया। गनीमत रही कि इस दौरान किसी प्रकार की जनहानि या नुकसान नहीं हुआ। स्थानीय निवासी प्रमोद प्रसाद, राहुल, राजकुमार और दिनेश ने बताया कि मीरा नगर की सड़क लंबे समय से क्षतिग्रस्त थी और वर्तमान में नगर निगम की ओर से इसका निर्माण कार्य कराया जा रहा है। निर्माण के दौरान रास्ता संकरा होने के कारण यह अनोखी घटना सामने आई।

सहायक निदेशक ने संस्कृत कॉलेजों का किया निरीक्षण

ऋषिकेश, एजेंसी। सहायक निदेशक शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा डॉ. चंडी प्रसाद घिल्डियाल ने ऋषिकेश के संस्कृत इंटरमीडिएट एवं डिग्री कॉलेजों का निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को छात्र संख्या बढ़ाने, शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने तथा विद्यालयों में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को सहायक निदेशक संस्कृत शिक्षा चंडी प्रसाद घिल्डियाल ने पंजाब सिंध क्षेत्र संस्कृत डिग्री कॉलेज, अखंड वेदांत संस्कृत विद्यालय और बाबा काली कमली संस्कृत विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान घिल्डियाल ने कहा कि संस्कृत भारतीय शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ है और ऋषिकेश जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगर में संस्कृत शिक्षा का विशेष महत्व है। डॉ. घिल्डियाल ने विद्यालयों में अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव, छात्र संख्या बढ़ाने, बरसात में परिसर की झाड़ियों की सफाई कराने तथा जर्जर भवनों में कक्षाएं संचालित नहीं करने के निर्देश दिए। साथ ही संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए भी प्रभावी प्रयास करने पर जोर दिया।

इस महीने अब तक सामान्य से आठ प्रतिशत अधिक हो चुकी बारिश, भूस्खलन से 56 मार्ग बंद

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश में भूस्खलन समेत अन्य कारण से 56 मार्ग बंद हैं। इसमें सबसे अधिक ग्रामीण 47 मार्ग बंद है। सबसे ज्यादा पिथौरागढ़ जिला प्रभावित है। इस महीने राज्य में सामान्य से आठ प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। राज्य में एक से 26 जुलाई तक सामान्य 354.3 एमएम की तुलना में 372.6 एमएम बरसात हुई है। प्रदेश में सबसे अधिक बारिश बागेश्वर जिले में हुई। यहां पर सामान्य से 188 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। चमोली में भी सामान्य से 62 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है।

विधानसभा चुनाव 2027 से पहले बीजेपी की नई बिसात, 'दलित वोट' साधने की कोशिश

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने अपने सबसे अहम सामाजिक और राजनीतिक मिशन की शुरुआत करने का फैसला किया है. जिसके तहत बीजेपी ने उत्तराखंड में दलित वोट बैंक तक पहुंच बढ़ाने के लिए संत रविदास की 650वीं जयंती को केंद्र में रखकर 'समरसता संकल्प अभियान' शुरू करने की रणनीति बनाई है. पार्टी का लक्ष्य प्रदेश के करीब 17 फीसदी दलित वोट बैंक में अपनी पकड़ को और मजबूत करना है. इसके लिए अगले साल फरवरी में संत रविदास की 650वीं जयंती को केंद्र में रखते हुए पूरे देश के साथ उत्तराखंड में भी समरसता संकल्प अभियान चलाया जाएगा. बीजेपी इस अभियान को सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक जागरण का कार्यक्रम बता रही है. जबकि, विपक्ष इसे दलित वोटों को साधने की चुनावी रणनीति करार दे रहा है. राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो यह अभियान केवल धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि 2027 के चुनाव से पहले सामाजिक समीकरणों को अपने पक्ष में करने की बड़ी राजनीतिक कवायद भी है. 107 रविदास मंदिर बनेंगे अभियान का केंद्र, बूथ स्तर तक पहुंचेगी बीजेपीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में

जालंधर से संत रविदास एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई थी. जिसके बाद अब बीजेपी राष्ट्रीय स्तर पर संत रविदास की 650वीं जयंती तक 'समरसता संकल्प अभियान' चलाने जा रही है. अभियान की शुरुआत 29 जुलाई को गुरु पर्व पर दीप प्रज्ज्वलन से होगी और 20 फरवरी 2027 तक देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. खास बात ये है कि इसमें चुनावी राज्यों को विशेष फोकस में रखा गया है, जिनमें उत्तराखंड भी शामिल है. प्रदेश में संत रविदास के 107 मंदिरों को अभियान का केंद्र बनाया गया है. वाराणसी स्थित सीर गोवर्धनपुर से संत रविदास की जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी के कलश उत्तराखंड समेत कई राज्यों में पहुंचेंगे. इसके बाद कलश यात्राएं, सामाजिक संवाद, संगोष्ठियां और बूथ स्तर तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. पार्टी का उद्देश्य दलित समाज के बीच सामाजिक समरसता का संदेश पहुंचाने के साथ-साथ अपने संगठनात्मक आधार को भी मजबूत करना है. बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता मथुरा दत्त जोशी ने कहा कि, कांग्रेस का हमला, बोली- 'समरसता नहीं, चुनावी स्टंट है अभियान': बीजेपी के अभियान पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता प्रतिमा सिंह ने इसे दलित समाज को प्रभावित करने का चुनावी स्टंट बताया. उनका कहना है कि जिस पार्टी पर संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों की उपेक्षा करने और संविधान की भावना को कमजोर करने के आरोप लगते रहे हों, वो समरसता की बात कैसे कर सकती है कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता प्रतिमा सिंह ने कहा कि, लोहिया के गैर कांग्रेसवाद की उपज लालू-मुलायम जैसे बड़े नेताः राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तराखंड की सामाजिक और राजनीतिक संरचना उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से काफी अलग है. यहां दलित समाज का अपना सामाजिक इतिहास, स्थानीय नेतृत्व और अलग राजनीतिक व्यवहार रहा है. वरिष्ठ राजनीतिक वि लेषक रविंद्र नाथ कौशिक बताते हैं कि, भारतीय राजनीति में जातीय समीकरण कोई नई बात नहींः रविंद्र नाथ कौशिक बताते हैं कि भारतीय राजनीति में जातीय समीकरण कोई नई बात नहीं है. डॉ. राम मनोहर लोहिया के गैर-कांग्रेसवाद आंदोलन ने पिछड़े वर्ग की राजनीति को नई दिशा दी, जिससे आगे चलकर लालू प्रसाद यादव और मुलायम सिंह यादव जैसे नेता उभरे. उनका कहना है कि बीजेपी भी समय-समय पर सामाजिक प्रतिनिधित्व के जरिए राजनीतिक संदेश देती रही है. हाल ही में बाल कल्याण समिति में बबीता सहोत्रा को जिम्मेदारी दिया जाना भी इसी व्यापक सामाजिक रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है. उनके अनुसार अभी से अभियान शुरू करने का उद्देश्य यह भी है कि चुनाव तक यह संदेश लगातार समाज के बीच बना रहे. हरिद्वार और तराई में सबसे ज्यादा नजर, भीम आर्मी और बसपा भी चुनौतीः वरिष्ठ पत्रकार भगीरथ शर्मा का मानना है कि उत्तराखंड में बीजेपी की यह पूरी रणनीति हरिद्वार और तराई क्षेत्र को ध्यान में रखकर बनाई गई है. उनके अनुसार पिछले विधानसभा चुनाव में हरिद्वार जिले में बीजेपी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी. साल 2022 के चुनाव में जिले की 11 विधानसभा सीटों में से बीजेपी केवल तीन सीटों हरिद्वार, रुड़की और बीएचईएल रानीपुर पर ही जीत दर्ज कर सकी थी. जबकि, बाकी सीटों पर कांग्रेस, बसपा और निर्दलीय उम्मीदवार सफल रहे थे. इनमें अधिकांश क्षेत्रों में दलित मतदाताओं की निर्णायक भूमिका रही. वरिष्ठ पत्रकार भगीरथ शर्मा का कहना है कि, कई विधानसभा सीटों पर चुनावी परिणामों को प्रभावित करने की स्थिति में दलित मतदाताः भगीरथ शर्मा के मुताबिक केवल हरिद्वार ही नहीं, बल्कि देहरादून का पछ्वादून क्षेत्र, डोईवाला, ऋषिकेश, उधम सिंह नगर और नैनीताल जिले की कई विधानसभा सीटों पर भी दलित मतदाता चुनावी परिणामों को प्रभावित करने की स्थिति में हैं।

पीएम राहत योजनाः राज्य में अभी तक सड़क हादसों में घायल केवल सात लोग लाभान्वित

देहरादून, एजेंसी। पीएम राहत योजना के तहत राज्य में अभी तक सड़क हादसों में घायल केवल सात लोग लाभान्वित हुए हैं। योजना फरवरी में लागू हुई थी। 17 के इलाज के लिए प्रक्रिया हो सकी।

उत्तराखंड में अभी तक सड़क हादसों में घायल केवल सात लोगों को पीएम राहत योजना का लाभ मिल सका है, जबकि इसी वर्ष मार्च से जून में सड़क हादसों में 406 घायल हुए हैं। इसी वर्ष फरवरी में पीएम राहत योजना शुरू हुई थी। इसके तहत अगर कोई व्यक्ति सड़क हादसे में घायल होता है, तो उसका आयुष्मान जैसी योजनाओं से जुड़े नामित अस्पताल में सात दिन तक डेढ़ लाख तक का इलाज निशुल्क किया जाएगा।

अगर अस्पताल नामित नहीं है तो घायल व्यक्ति को भर्ती कराया जाता है तो वह 48 घंटे तक उसको स्टेबल कर योजना से जुड़े नामित अस्पताल में शिफ्ट करेगा। पुलिस भी सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की तस्दीक करेगी। इस सबके लिए एक प्रक्रिया बनाई गई है।

वहीं, परिवहन विभाग के अनुसार उत्तराखंड में इस वर्ष मार्च से जून के बीच 514 सड़क दुर्घटनाएं हुई, इनमें 406 लोग घायल हुए, जबकि 281 लोगों की मृत्यु हुई। पर पीएम राहत योजना के तहत केवल 17 लोगों की प्रक्रिया हुई। इनमें से पुलिस ने सात घायलों के मामलों में आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा नहीं किया, जिससे कार्यवाही आगे नहीं बढ़ पाई। तीन लोग घायल श्रेणी में शामिल ही नहीं हो पाए, शेष सात घायलों का ऊधम सिंह नगर, देहरादून और चमोली जिले के अस्पतालों में योजना के तहत इलाज हुआ।

जलवायु परिवर्तन की मार से कराह रहा हिमालय, सूख रहे जलस्रोत, बढ़ रहा पलायन, रिपोर्ट चिंताजनक

देहरादून, एजेंसी। हिमालय में बदलता मौसम अब केवल वैज्ञानिकों की चिंता नहीं, बल्कि पहाड़ों में रहने वाले लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का बड़ा संकट बन चुका है। जलस्रोतों के सूखने, खेती के प्रभावित होने और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाओं ने मध्य हिमालयी क्षेत्र के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालिया शोध इन चुनौतियों की भयावह तस्वीर सामने लाता है। मध्य हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव अब स्पष्ट और चिंताजनक रूप में सामने आने लगे हैं। हालिया अध्ययन के अनुसार यह बदलाव न केवल पर्यावरण बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन को भी गहराई तक प्रभावित कर रहे हैं। यह बात मूल रूप से चमोली जिले के निवासी मिजोरम विश्वविद्यालय के प्रो. विश्वंभर प्रसाद सती के अध्ययन में सामने आई है। उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों के कारण कृषि और बागवानी उत्पादन में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। इसका सीधा असर ग्रामीण

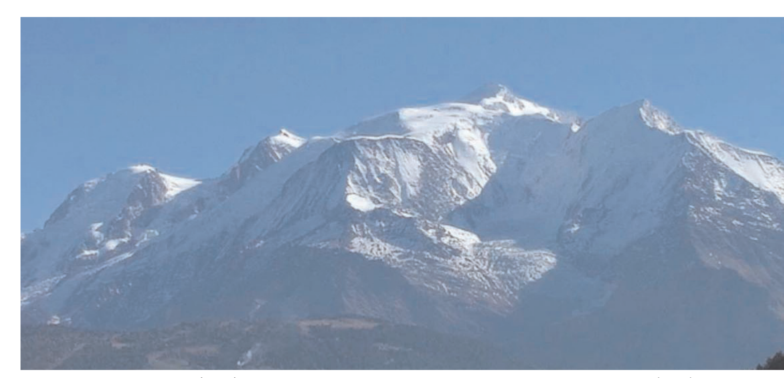

अर्थव्यवस्था पर पड़ा है और रोजगार की कमी के चलते बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ा है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों से 20 प्रतिशत से अधिक आबादी पलायन कर चुकी है और 1700 से अधिक गांव भुतहा बन चुके हैं। इसके साथ ही पारंपरिक जलस्रोत भी तेजी से सूख रहे हैं। भूमि बंजर होने की वजह से वर्षा जल का जमीन में समावेश कम हो रहा है, जिससे भूजल स्तर में गिरावट आई है और कई क्षेत्रों में जल संकट गहराता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन का असर फसलों पर भी साफ दिख रहा है। कई पारंपरिक फसलें विलुप्त हो चुकी हैं, जबकि कुछ विलुप्ति की कगार पर हैं। सेब और खट्टे फलों की खेती जो पहले निचले क्षेत्रों में होती थी, अब वहां लगभग समाप्त हो चुकी है। मोटे अनाज की खेती में भी गिरावट आई है, जिससे खाद्य सुरक्षा पर खतरा बढ़ रहा है।

रुद्रपुर गैंगरेप मामलाः ग्राउंड जीरो पर पहुंची फॉरेंसिक टीम, जुटाए जा रहे साक्ष्य, आरोपियों की तलाश में ताबड़तोड़ छापे

रुद्रपुर, एजेंसी। युवती के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है. फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का स्थलीय निरीक्षण किया गया है और पीड़िता द्वारा बताए गए स्थान की डायरेक्टिंग कराकर अहम साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं. पुलिस का दावा है कि जांच में कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और संदिग्ध आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी हैं. रुद्रपुर गैंगरेप मामले की जांचः शहर में एक युवती के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने जांच जोर शोर से चल रही है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन शनिवार पूरी रात सक्रिय रहा और कई पुलिस टीमों ने युवती की तलाश के साथ-साथ आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर दबिश दी. अब पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ वैज्ञानिक तरीके से जांच में जुटी हुई है. पीड़िता द्वारा बताए गए घटनास्थल का स्थलीय

निरीक्षण किया गया है और उसकी निशानदेही पर डायरेक्टिंग कराकर घटनाक्रम को समझने का प्रयास किया गया. मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य भी एकत्र किए गए हैं. तीन बाइक सवारों पर है गैंगरेप का आरोपः जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि एक युवती का तीन बाइक सवार युवकों ने कथित रूप से अपहरण कर लिया है. सूचना मिलते ही पुलिस के कई दस्ते तत्काल सक्रिय हो गए और संभावित स्थानों पर युवती की तलाश शुरू कर दी गई. कुछ समय बाद युवती पुलिस को मिल गई, लेकिन तब तक आरोपी मौके से फरार हो चुके थे. युवती ने अपने साथ सामूहिक दुष्कर्म होने का आरोप लगाया, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी. फॉरेंसिक जांच भी शुरूः मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी (सीओ) विभव सैनी, कोतवाल प्रकाश सिंह दानू, रम्पुरा चौकी प्रभारी दीपक कौशिक, दिनेशपुर थाना प्रभारी पंकज कुमार तथा बाजार चौकी प्रभारी प्रदीप कुमार अपनी-अपनी पुलिस टीमों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस अधिकारियों ने फॉरेंसिक टीम के साथ मौके का बारीकी से निरीक्षण किया. पीड़िता द्वारा बताए गए स्थान की डायरेक्टिंग कराई गई ताकि घटनाक्रम की पुष्टि की जा सके और घटनास्थल से जुड़े सभी पहलुओं की जांच हो सके. टीम ने मौके से विभिन्न प्रकार के भौतिक साक्ष्य एकत्र किए हैं, जिन्हें जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है. पुलिस ने दर्ज किया मुकदमाः पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज कर लिए हैं तथा मेडिकल परीक्षण सहित अन्य कानूनी प्रक्रियाएं भी पूरी की जा रही हैं. इसके अलावा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, तकनीकी साक्ष्य, मोबाइल लोकेशन और अन्य डिजिटल माध्यमों की भी जांच की जा रही है।

बोल्डर और मलबा आने से थल-बेरीनाग मार्ग बंद, एक जेसीबी मशीन के भरोसे सड़क खोलने के इंतजाम

देहरादून, एजेंसी। थल-उडियारी बैंड-बेरीनाग मोटर मार्ग पर चुनी पातल के पास नहर क्षतिग्रस्त होने से पहाड़ी का हिस्सा दरक गया. जिससे मलबा और बोल्डर आने से मार्ग बंद हो गया. लोक निर्माण विभाग ने करीब एक घंटे के बाद मार्ग खोलने के लिए एक जेसीबी मशीन भेजी, लेकिन कुछ सड़क से बोल्डर हटाने के बाद यह जेसीबी मशीन भी खराब हो गई. जिसको लेकर मौके पर मौजूद वाहन चालकों और सवारियों में आक्रोश फैल गया.

सड़क पर आए बड़े-बड़े बोल्डर और मलबा एक मशीन से हटाने में काफी ज्यादा समय लगने को लेकर भी लोगों ने सवाल खड़े किए. लोनिवि की ओर से सड़क खोलने का काम तो किया जा रहा है, लेकिन मौके पर कोई जिम्मेदार अधिकारी नजर नहीं आया. मार्ग पर दिल्ली, हल्द्वानी, बागेश्वर, अल्मोड़ा, डीडीहाट, मुनस्यारी, धारचूला, बेरीनाग और पिथौरागढ़ को जाने वाली बसें समेत सैकड़ों टैक्सी वाहन फंस गए. गर्मी और उमस में बसों और टैक्सी में सवार यात्री भूखे-प्यासे पांच घंटे तक इंतजार करते रहे. इस दौरान शव यात्रा को लेकर थल जा रहे वाहन भी फंसे रहे.

व्यापार संघ अध्यक्ष बबलू सामंत और सामाजिक कार्यकर्ता मुन्ना जंगपागी ने बताया कि मार्ग बंद होते ही विभागीय और स्थानीय अधिकारियों को सूचना कर दी थी, लेकिन उसके बाद भी मार्ग को खोलने के लिए सिर्फ एक मशीन लगाई गई है. ऐसे में धीमी गति से सड़क खोलने का काम किया जा रहा है. जिसके चलते मार्ग को सुचारू करने में देरी हो रही है. उन्होंने आपदा काल को देखते हुए अतिरिक्त जेसीबी मशीनों को तैनात कर मार्ग खोलने की मांग की है. खबर लिखे जाने तक भी सड़क नहीं खुली थी।

पेंशनभोगी के पेंशन कटौती मामले में सुनवाई, रिकवरी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नैनीताल, एजेंसी। एक मामले में सुनवाई करते हुए नैनीताल हाईकोर्ट ने कहा कि अगर किसी पेंशनभोगी को बिना कटे पेंशन की पूरी राशि मिलती रहती है, तो यह पेंशनभोगी की जिम्मेदारी है कि वो अधिकारियों को सूचित करें, कि उसके पेंशन में से कोई मासिक कटौती नहीं हो रही है. कोर्ट ने आगे कहा कि पेंशनभोगी ऐसी प्रशासनिक गलती के कारण गलत तरीके से मिली राशि को अपने पास नहीं रख सकता. जब पेंशन नियमावली में ही मासिक कटौती का स्पष्ट उल्लेख हो. पूरे मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में हुई.

क्या है मामला दरअसल, याचिका में सीनियर ट्रेजरी ऑफिसर के उस आदेश को चुनौती दी गई, जिसमें मासिक कटौती किए बिना उसे पेंशन का पूरा भुगतान कर दिया गया और अब उससे ज्यादा किए गए भुगतान

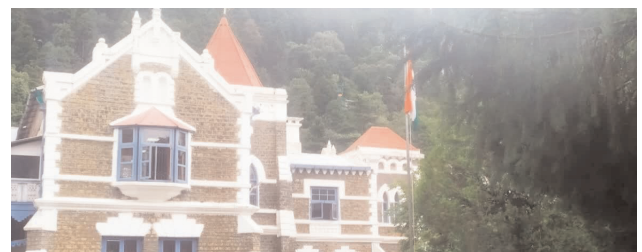

की रिकवरी की जा रही है. याचिकाकर्ता ने सेवानिवृत होने के दौरान पेंशन के कम्यूटेशन का विकल्प चुना था और 18,99,697 रुपए की एकमुश्त राशि प्राप्त की.

पेंशन आदेश के अनुसार, उनकी मासिक कटौती नवंबर 2017 से शुरू होकर अगस्त 2025 तक जारी रहनी थी, लेकिन विभाग की गलती के कारण उनकी पेंशन से कोई कटौती नहीं की गई और याचिकाकर्ता को पूरी पेंशन मिलती रही. ऑडिट होने के बाद विभाग को इसका पता चला. जिसके बाद अधिकारियों ने कटौती की जाने वाली राशि की रिकवरी आदेश जारी कर दिया और उनको मिलने वाली पेंशन में से 20,000 रुपए प्रति माह की अतिरिक्त कटौती करने का भी आदेश दिया.

याचिकाकर्ता का कहना था कि गलती पूरी तरह से विभाग की थी, इसलिए उससे कोई रिकवरी नहीं की जा सकती. ये भी तर्क दिया गया कि एक रिटायर कर्मचारी होने के नाते याचिकाकर्ता अपनी आजीविका के लिए पेंशन पर निर्भर रहता है और मासिक रिकवरी की राशि बहुत ज्यादा है. इसलिए इस पर रोक लगाई जाए. सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता की भी जिम्मेदारी थी कि वो उस गलती के बारे मे विभाग को बताए, लेकिन उसने विभाग को इसके बारे में कोई सूचना नहीं दी गई.

कोर्ट ने कहा कि जब अनजाने में याचिकाकर्ता को मासिक कटौती किए बिना पेंशन की पूरी राशि का भुगतान किया गया. जबकि, पेंशन पेमेंट ऑर्डर में ऐसा प्रावधान था, तो यह याचिकाकर्ता का भी कर्तव्य था कि वो विभाग को उस गलती के बारे में बताएं. आखिर में कोर्ट ने रिकवरी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया. ट्रेजरी विभाग की ओर से शुरू की गई रिकवरी की कार्रवाई में दखल देने से इनकार किया. वहीं, 20,000 रुपए प्रति माह उसके पेंशन से रिकवर करने के आदेश को भी सही ठहराया।

सड़क पर हुए दलदल में गिरकर चोटिल हो रहे लोग

ऋषिकेश, एजेंसी। शैल विहार में सीवर लाइन बिछाने के बाद जल निगम ऋषिकेश का ठेकेदार आधी अधूरी सड़क बनाकर चलता बना। आधी सड़क पर मिट्टी पड़े होने से दलदल में गिरकर ऊर्जा निगम के कर्मचारी और बिल जमा करने, शिकायत लेकर आने वाले उपभोक्ता चोटिल हो रहे हैं।

करीब पांच माह पहले जल निगम ऋषिकेश की ओर से जर्मन बैंक की सहायता से शैल विहार क्षेत्र में सीवर लाइन बिछाई गई थी। सीवर लाइन बिछाने के बाद जल निगम ने सड़क वैसी छोड़ दी थी। करीब एक माह पहले जल निगम ने शैल विहार स्थित ऊर्जा निगम कार्यालय के बाहर से 15 मीटर सड़क पर सीसी डाली थी। बाकी आगे करीब 150 मीटर कच्ची सड़क पर दलदल हुआ है।

ऊर्जा निगम के कार्यालय में आने वाले कर्मचारी, बिजली का बिल जमा करने व शिकायत दर्ज कराने आने वाले उपभोक्ता के वाहन दलदल में फिसलकर गिर रहे हैं। ऊर्जा निगम के अधिकारियों की ओर से जल निगम के अधिकारियों से इस सड़क को जल्द ही पक्का करने की मांग की गई थी लेकिन जल निगम की ओर से कोई सुनवाई नहीं हुई।

एक अगस्त को दिल्ली में नेशनल टाउनहॉल अगेंस्ट ई-20 का आयोजन करेगी आम आदमी पार्टी: केजरीवाल

● कांस्टीट्यूशन क्लब में दोपहर 11:30 बजे शुरू हो रहे टाउनहॉल में लोग फिजिकली या ऑनलाइन जुड़ सकते हैं: केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने ई-20 पेट्रोल के मुद्दे पर देश भर के लोगों को एकजुट करने की कवायद तेज कर दी है। इसी उद्देश्य से पार्टी आगामी एक अगस्त यानि शनिवार को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में दोपहर 11:30 बजे नेशनल टाउनहॉल अगेंस्ट ई-20 का आयोजन करने जा रही है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जानकारी दी कि इस टाउनहॉल में लोग फिजिकली या ऑनलाइन मोड से जुड़ सकते हैं। ऑनलाइन जुड़ने के लिए 8588833212 नंबर पर शुक्रवार तक वाट्सएप करना होगा और भेजे गए लिंक को खोल कर शनिवार को 11:30 के बाद किसी भी समय प्रोग्राम से जुड़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि टॉउन हॉल में विशेषज्ञ, वाहन मालिक और ई-20 में रूचि रखने वाले लोग अपने विचार रखेंगे और आगे की रणनीति बनाएंगे। सोमवार को आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर अरविंद केजरीवाल ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर देश के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि देश के युवाओं ने एक अहंकारी सरकार को झुका दिया और धर्मेंद्र प्रधान को जनता के सामने इस्तीफा देना पड़ा। अब प्रधानमंत्री से निवेदन है कि लगे हाथों ई-20 का भी मामला हल कर दें। लोग बहुत ज्यादा परेशान हैं। लोगों की गाड़ियां और माइलेज खराब हो रही है। इसीलिए प्रधानमंत्री से निवेदन है कि इससे पहले कि यह मुद्दा भी बड़ा बने, वे खुद आगे बढ़कर इसको हल कर दें। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि ई-20 के मुद्दे पर देश के सभी लोगों को एक साथ लाने के लिए इस शनिवार को हम नेशनल टाउन हॉल अगेंस्ट ई-20 एक कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि इसमें हजारों लोग हिस्सा लेंगे। यह दोपहर 12:00 बजे दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन में शुरू होगा। जो लोग दिल्ली और आसपास के शहरों के हैं और खुद आ सकते हैं, वे कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में सुबह 11:30 बजे तक पहुंच जाएं। वहीं, जो लोग दिल्ली के बाहर के हैं और खुद नहीं आ सकते, ऐसे हजारों की संख्या में लोग ऑनलाइन जुड़ेंगे। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि ऑनलाइन जुड़ने के लिए फोन नंबर 8588833212 पर पर व्हाट्सएप करना है। हम शुक्रवार शाम तक आपको एक लिंक भेज देंगे। आप अगले दिन सुबह 11:30 बजे के बाद किसी भी समय उस लिंक पर क्लिक करके ऑनलाइन हमारे साथ जुड़ सकते हैं। इस टाउन हॉल में हमें हम ई-20 के मुद्दे पर दिलचस्पी रखने वाले सभी विशेषज्ञों, ई-20 के सभी पीड़ितों और और जिनकी गाड़ियां खराब हो गई हैं, उन सब लोगों को एक मंच पर लाकर सबको बोलने का मौका देंगे। साथ ही, आगे की रणनीति भी तय करेंगे कि इस मुद्दे पर सरकार को कैसे फोर्स किया जाए कि सरकार इस ई-20 को वापस ले। अरविंद केजरीवाल ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि टाउनहॉल में ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग हिस्सा लें। खुद आना चाहें तो खुद भी आ सकते हैं और वर्चुअली जुड़ना चाहें तो वर्चुअली भी जुड़ सकते हैं।

दिल्ली के गांवों और अनधिकृत कॉलोनियों में 50 फीसद लोगों तक नहीं पहुंचा एसआईआर का एन्यूमरेशन फॉर्म: सौरभ भारद्वाज

● चुनाव आयोग का 99 फीसद से ज्यादा एन्यूमरेशन फॉर्म लोगों में बांटने का दावा जमीनी हकीकत से कोसों दूर: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत गांवों और अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले 50 फीसद लोगों तक एन्यूमरेशन फॉर्म नहीं पहुंचा है। इसके बावजूद चुनाव आयोग दावा कर रहा है कि उसने 99 फीसद से ज्यादा एन्यूमरेशन फॉर्म लोगों में बांट दिए हैं, जो जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाजज ने एसआईआर प्रक्रिया में हो रही घपलेबाजी का खुलासा करते हुए कहा कि जब लोगों को एन्यूमरेशन फॉर्म ही नहीं मिलेगा, तो वे भरकर वापस कैसे देंगे और उनका एसआईआर कैसे होगा? ग्राउंड रिपोर्ट्स के मुताबिक, खासकर गांवों और अनधिकृत कॉलोनियों में बड़ी संख्या में लोगों तक फॉर्म पहुंचे ही नहीं हैं। कई बीएलओ के पास अब भी फॉर्म पड़े हैं, लेकिन उन्हें वितरित नहीं किया जा रहा है। सोमवार को आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में एसआईआर चल रहा है और चुनाव आयोग का कहना है कि 99 फीसद से ज्यादा एन्यूमरेशन फॉर्म बांटे जा चुके हैं। लेकिन ग्राउंड से आ रही रिपोर्ट बता रही है कि यह बात पूरी तरह से झूठ है। मीडिया से अपील है कि वे किसी गांव या अनधिकृत कॉलोनी में जाकर लोगों से पूछें, तो लगभग 50 फीसद लोग यही कहेंगे कि उनके पास एन्यूमरेशन फॉर्म नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा बीएलओ बड़ी मात्रा में फॉर्म अपने पास रखकर बैठे हैं और उन्हें बांट नहीं रहे हैं। कोठियों और डीडीए फ्लैट्स में फॉर्म घर-घर पहुंचे हैं, लेकिन गांव और अनधिकृत कॉलोनियों में, जिनकी आबादी दिल्ली में लगभग 70 फीसद है, वहां एन्यूमरेशन फॉर्म नहीं बांटे गए हैं। उधर, बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने कहा कि एसआईआर के नाम पर इतनी बड़ी संख्या में वोट काटे जा रहे हैं जिसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता। जिन बीएलओ को जिम्मेदारी दी गई है, वे लोगों के पास पहुंच ही नहीं रहे हैं। उन्होंने अपने क्षेत्र बुराड़ी के आंकड़े देते हुए बताया कि बूथ नंबर 64 पर कुल 1670 वोट हैं लेकिन केवल 510 फॉर्म सबमिट हुए हैं, बूथ नंबर 158 पर 1460 वोटों में से सिर्फ 427 फॉर्म और बूथ नंबर 160 पर 1041 वोटों में से केवल 280 फॉर्म ही सबमिट किए गए हैं।

नीट प्रकरण: पहली सुनवाई टली, लोक अभियोजक नियुक्त करने के निर्देश

नई दिल्ली। नीट प्रश्नपत्र प्रकरण की त्वरित न्यायालय में सोमवार को प्रस्तावित पहली सुनवाई केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की ओर से अधिवक्ता उपस्थित नहीं होने के कारण टल गई। न्यायालय ने अब मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निदेशक को निर्देश दिया कि मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी के लिए एक लोक अभियोजक की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आगे किसी कारण से सुनवाई स्थगित न करनी पड़े। नीट प्रश्नपत्र प्रकरण में शीघ्र न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिल्ली उच्च न्यायालय ने विशेष त्वरित न्यायालय का गठन किया था। इसके लिए एक विशेष न्यायाधीश की भी नियुक्ति की गई है। गौरतलब है कि इस प्रकरण में दोषियों के विरुद्ध शीघ्र सुनवाई और समयबद्ध निर्णय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से त्वरित न्यायालय की व्यवस्था की गई है। अब सभी पक्षों की उपस्थिति के साथ मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी।

संक्षिप्त खबरें

एमसीडी को टोल गेट जाम की समस्या को लेकर इंदौर मॉडल का अध्ययन करने का निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को टोल गेट पर यातायात जाम की समस्या को लेकर अधिकारियों को इंदौर मॉडल का अध्ययन करने का निर्देश दिया है, ताकि इसे किसी एक एमसीडी जोन में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लागू किया जा सके। उन्होंने सोमवार को एमसीडी की एक विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इसमें राजधानी में नागरिक सुविधाओं से जुड़ी मुख्य प्राथमिकताओं पर (ठोस कचरे के प्रबंधन, जल-जमाव की रोकथाम और मानसून के दौरान वेक्टर-जनित बीमारियों को रोकने के उपाय) चर्चा हुई। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि बैठक में टोल गेट पर यातायात जाम की समस्या की भी समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इंदौर मॉडल का अध्ययन करें ताकि इसे किसी एक एमसीडी जोन में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लागू किया जा सके।

आंखों पर पट्टी बांधकर मसूरी छोड़ने का आरोप, पुलिस ने शुरू की जांच

नईदिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों को भोजन वितरित करने वाले मोहम्मद जुनैद ने दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि पुलिसकर्मी उन्हें शुक्रवार रात अपने साथ ले गए, आंखों पर पट्टी बांध दी, पूरी रात अंधेरे में रखा और पूछताछ के बाद मसूरी में छोड़ दिया। मोहम्मद जुनैद के अनुसार, वह कुत्ते के काटने के उपचार के बाद राम मनोहर लोहिया अस्पताल से लौट रहे थे। इसी दौरान स्वयं को पुलिसकर्मी बताने वाले कुछ लोगों ने उन्हें और उनके एक साथी को रोककर अपने साथ ले लिया। उनका कहना है कि पूछताछ के दौरान प्रदर्शनकारियों तक भोजन और पेयजल पहुंचाने की व्यवस्था तथा उसके लिए मिलने वाले आर्थिक सहयोग के स्रोत के बारे में सवाल किए गए। मोहम्मद जुनैद ने बताया कि उन्होंने पूछताछ में कहा कि प्रदर्शनकारियों के लिए भोजन और पेयजल दान तथा समर्थकों की ओर से दिए गए आदेशों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अगले दिन उन्हें मसूरी में छोड़ दिया गया, जहां से वह किराये की गाड़ी से दिल्ली लौटे। घटना के बाद प्रदर्शनकारियों से जुड़े विधिक सहायता समूह ने मोहम्मद जुनैद से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली है। मोहम्मद जुनैद ने इस संबंध में अपना पक्ष सामाजिक माध्यमों पर भी साझा किया है। उधर, दिल्ली पुलिस ने मामले में लगाए गए आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

एमसीडी के टोल टेंडर में 500 करोड़ का घोटाला टेंडर रद्द करे भाजपा सरकार: प्रवीण कुमार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने सोमवार को हुई एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी की बैठक के दौरान टोल टैक्स टेंडर में हुए 500 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार का मुद्दा पूरजोर तरीके से उठाया। आप के वरिष्ठ नेता और एमसीडी में सह प्रभारी प्रवीण कुमार व प्रीति डोगरा के साथ कमेटी के सदस्य प्रवीण कुमार राजपूत ने टेंडर देने में सांठगांठ को लेकर भाजपा पर तीखे हमले किए। प्रवीण कुमार ने कहा कि भाजपा सरकार को तुरंत टोल टेंडर को रद्द कर ओपन टेंडर लेना चाहिए ताकि एमसीडी को ज्यादा रेवेन्यू मिल सके। उन्होंने कहा कि टेंडर के लिए आए सात बिड आई थी। लेकिन इनमें से 1100 करोड़ समेत चार सबसे बड़ी बिड को जानबूझ कर स्वीकार नहीं किया गया। टेंडर के नियम भी बदले गए ताकि भाजपा के करीबियों को ही टेंडर मिले। प्रवीण कुमार ने कहा कि स्टैंडिंग कमेटी का चेयरमैन पहले भी भाजपा का था और अभी भी भाजपा का ही बना है। लेकिन भाजपा के राज में घोटालों पर घोटाले हो रहे हैं। भाजपा ने एमसीडी को कमाई का अड्डा बन बना दिया है। उन्होंने बताया कि 5 जून 2026 को भाजपा की एमसीडी सरकार द्वारा टोल टैक्स और ईसीसी कलेक्शन का एक टेंडर निकाला गया, जिसमें 500 करोड़ रुपए का भयंकर घोटाला सामने आया है। अपने सगे-संबंधियों को टेंडर देने की पूरी साजिश के तहत यह कार्रवाई की गई और टेंडर के नियम भी बदले गए ताकि उनके करीबियों को ही टेंडर मिल सके। ईसीसी के टेंडर में सात बिड आई थीं, जिनमें से चार को बाहर कर दिया गया और तीन बिड को स्वीकार कर लिया गया। इसमें 1100 करोड़ रुपए की सबसे बड़ी बिड को जानबूझकर बाहर कर दिया गया और 936 करोड़ रुपए या उससे नीचे की बिड को स्वीकार कर लिया गया। प्रवीण कुमार ने कहा कि यह अपने आप में बहुत बड़ा घोटाला है। जब एमसीडी को 1100 करोड़ का ज्यादा रेवेन्यू मिल सकता था, तो एमसीडी में बैठी भाजपा की सरकार को क्या पड़ी है कि वह 936 करोड़ का रेवेन्यू लेना चाहती है? यह बहुत बड़ी साठगांठ है। साथ ही, फाइनेंसियल बिड में जो तीनों कंपनियां क्वालीफाई हुई हैं, वे तीनों मुंबई की कंपनियां हैं। एक तरह से यह साठगांठ का कार्टेल इन कंपनियों द्वारा चलाया जा रहा है, जिसमें भाजपा भी शामिल है। एमसीडी में इस तरह की लूट पूरी तरह से गलत है और हम इसे बिल्कुल सहन नहीं करेंगे। प्रवीण कुमार ने आगे कहा कि नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने इस मुद्दे पर पहले ही कमिश्नर को चिट्ठी लिख दी है, लेकिन भाजपा की जिद लगातार बनी हुई है। वे अपने सगे-संबंधियों को फायदा पहुंचाने के लिए इस बिड और टेंडर को लगातार जारी रख रहे हैं। हम मांग करते हैं कि इस टेंडर को तुरंत खारिज किया जाए और इसमें से 122 लेन का जो क्लॉज है, उसे हटाया जाए। एक ओपन टेंडर किया जाए जिससे एमसीडी को ज्यादा से ज्यादा रेवेन्यू मिल सके। आज आम आदमी पार्टी के स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों ने मीटिंग में यह मुद्दा पूरी मजबूती से उठाया है। आम आदमी पार्टी इस तरह की लूट को बिल्कुल भी चलने नहीं देगी। वहीं, एमसीडी की सह-प्रभारी प्रीति डोगरा ने कहा कि भाजपा ने यह साबित कर दिया है कि एमसीडी में खरीद-फरोख्त करके उन्होंने सरकार किस लिए बनाई थी। वे एमसीडी में सिर्फ घोटाले पर घोटाले करना चाहते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कथित वसूली के आरोप में दो वकीलों के खिलाफ जांच के आदेश दिए

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में कथित रूप से अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग कर संपत्ति मालिकों से पैसे वसूलने के आरोप में दो वकीलों के आचरण की जांच के लिए दिल्ली बार काउंसिल (बीसीडी) को निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा ने इस मामले में संज्ञान लिया। पुलिस रिपोर्ट में सामने आया कि एक व्यक्ति नरायण कुमार कश्यप का दावा है कि उनकी दो अवमानना याचिकाओं पर जाली हस्ताक्षर बनाए गए। कोर्ट ने कहा कि पुलिस रिपोर्ट से स्पष्ट रूप से विभिन्न व्यक्तियों के बीच गठजोड़ दिखता है, जिसमें अदालत से संपत्ति ध्वस्त करने के आदेश प्राप्त कर उनके मालिकों से पैसे वसूलने के लिए अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग किया जा रहा था। कश्यप ने पुलिस को बताया कि वे पहले यूनिवर्सल ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन नामक एनजीओ के प्रमुख थे। उस समय कुछ वकीलों ने उनसे संपर्क कर अनधिकृत निर्माण के खिलाफ जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करने संबंधी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाए। कश्यप के अनुसार, नरेश चौहान और उनके बेटे अधिवक्ता प्रशांत चौहान ने अधिवक्ता एसके शुक्ला के माध्यम से उनसे संपर्क किया था। उन्होंने नेक नीयत से दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर दिए, लेकिन बाद में दो अवमानना याचिकाओं में उनके हस्ताक्षर पाए गए, जिन्हें वे जाली बताते हैं। 21 जुलाई के आदेश में न्यायमूर्ति पुष्कर्णा ने कहा कि अदालत के सामने बहुत चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं, जो दिखाते हैं कि कुछ लोग अनधिकृत निर्माण वाली संपत्तियों के मालिकों से पैसे वसूलने के लिए याचिकाएं दायर कर एक घोटाला चला रहे हैं। कोर्ट ने इस कथित रैकेट से जुड़े दो वकीलों अधिवक्ता एसके शुक्ला और प्रशांत चौहान को दिल्ली बार काउंसिल को संदर्भित किया है और उनके आचरण की जांच करने का निर्देश दिया है। साथ ही पुलिस को इस मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश भी दिया गया है।

सीजेपी पर कंगना का तीखा प्रहार, प्रदर्शनकारियों की भाषा और व्यवहार पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की सांसद एवं अभिनेत्री कंगना रनौत ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हुए छात्र प्रदर्शनों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की भाषा और व्यवहार पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहे उनके दृश्य देखकर उन्हें बेहद असहज महसूस हुआ। कंगना रनौत ने सोमवार को अपने सामाजिक माध्यम खाते पर साझा किए गए संदेश में प्रदर्शन के दौरान प्रयुक्त भाषा और व्यवहार की आलोचना की। उन्होंने लिखा कि उन्होंने अपने जीवन में एक साथ इतने विवादित और भद्दे दृश्य पहले कभी नहीं देखे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की भाषा पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जा सकता। भाजपा सांसद ने सीजेपी के प्रतीक को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने लिखा कि जो लोग स्वयं को कॉकरोच कहते हैं, उनका व्यवहार भी उसी प्रकार का दिखाई देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे दृश्य समाज के सामने गंदगी और असभ्यता को बढ़ावा देते हैं। कंगना रनौत ने यह भी कहा कि इन दृश्यों को देखकर वह मानसिक रूप से आहत हुई हैं। कंगना रनौत का यह बयान ऐसे समय आया है जब सीजेपी ने हाल ही में सरकार के साथ बातचीत के बाद अपना आंदोलन समाप्त किया था। यह आंदोलन नीट प्रश्नपत्र लीक प्रकरण और प्रतियोगी परीक्षाओं में सुधार की मांग को लेकर आयोजित किया गया था। आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में छात्र जंतर-मंतर पर एकत्र हुए थे। हालांकि आंदोलन समाप्त होने के बाद भी विभिन्न राज्यों में प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध दर्ज मामलों और गिरफ्तारियों को लेकर विवाद जारी है। सीजेपी लगातार आरोप लगा रही है कि सरकार के साथ हुई सहमति के बावजूद प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई जारी है और मामलों की वापसी नहीं की गई है। उधर, कंगना रनौत की टिप्पणी के बाद सामाजिक माध्यमों पर व्यापक बहस शुरू हो गई है। एक पक्ष उनके बयान का समर्थन कर रहा है, जबकि दूसरा पक्ष इसे आंदोलनकारियों के प्रति कठोर और अनुचित बता रहा है। इस बीच प्रदर्शनकारियों की भाषा, विरोध की शैली और प्रतीकों को लेकर भी विभिन्न स्तरों पर चर्चा तेज हो गई है।

जावा येज्दी मोटरसाइकल्स और भारतीय सेना शौर्य विजय यात्रा के लिए एक साथ आए, कारगिल विजय दिवस पर द्रास में हुआ समापन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

द्रास। भारतीय सेना के साथ साझेदारी में आयोजित जावा येज्दी मोटरसाइकल्स की शौर्य विजय यात्रा का समापन कारगिल विजय दिवस के अवसर पर द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पर हुआ। नई दिल्ली के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से शुरू हुई इस 1,900 किमी की यात्रा में सेवारत व सेवानिवृत्त रक्षा कर्मी, वीर नारियां, शहीदों के परिवार और सिविलियन राइडर्स एक साथ आए। इस अभियान ने 1999 के कारगिल युद्ध के नायकों की वीरता, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण क्षण राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से पवित्र मिट्टी को कारगिल युद्ध स्मारक तक ले जाना था, जो प्रतीकात्मक रूप से भारतीय सैनिकों की उन पीढ़ियों को जोड़ता है जिनकी अटूट प्रतिबद्धता देश की स्वतंत्रता की रक्षा करती आ रही है। हिमाचल प्रदेश और लद्दाख के दुर्गम इलाकों से गुजरते हुए, प्रतिभागियों ने द्रास पहुंचने से पहले चंडीमंदिर, रेजांग ला और लेह युद्ध स्मारक सहित प्रमुख सैन्य स्थलों पर श्रद्धांजलि दी। यह यात्रा न केवल एक मेमोरियल राइड थी, बल्कि भारत के सशस्त्र बलों की स्थायी विरासत और उनके द्वारा बनाए रखे गए मूल्यों की याद दिलाने का भी एक जरिया बनी। वर्ष 2021 में अपनी शुरूआत के बाद से, जावा येज्दी मोटरसाइकल्स द्वारा परिकल्पित इस राइड का उद्देश्य भारतीय सैनिकों की कहानियों को सैन्य हलकों से आगे बढ़ाकर जनता की चेतना तक ले जाना रहा है। राइडिंग कम्युनिटी के सदस्यों, सेवारत कर्मियों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और शहीदों के परिवारों को एक साथ लाकर, इस पहल ने एक ऐसे अनूठे नागरिक-सैन्य आंदोलन का रूप ले लिया है जो भावी पीढ़ियों के लिए साहस, कर्तव्य और निःस्वार्थ सेवा की भावना को संजोने के लिए समर्पित है। इस वर्ष के अभियान को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था और इसमें वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक तथा आमंत्रित अतिथि शामिल हुए थे, जो इस पहल के महत्व और सार्वजनिक स्मरण को बढ़ावा देने में इसकी बढ़ती भूमिका को रेखांकित करता है। यह अभियान जावा और येजदी मोटरसाइकिलों के बेड़े पर पूरा किया गया, जिसमें जावा 350, जावा 42, जावा 42 एफजे, येज्दी एडवेंचर और येजदी स्क्रैम्बलर शामिल थीं। ऊंचे पहाड़ी दर्रों, चुनौतीपूर्ण पर्वतीय मार्गों और भारत के कुछ सबसे महत्वपूर्ण सैन्य स्थलों से गुजरते हुए, इन मोटरसाइकिलों ने राइडर्स को इस अवसर की भावना के अनुकूल एक कठिन यात्रा पूरी करने में सक्षम बनाया। क्लासिक लेजेंड्स के सह-संस्थापक अनुपम थरेजा ने कहा, शौर्य विजय यात्रा यह सुनिश्चित करने का हमारा तरीका है कि भारत के वीर सपूतों की कहानियां आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहें।

ताहिर हुसैन समेत दोषियों की सजा पर फैसला 31 जुलाई को

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान आईबी कर्मी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच दोषियों की सजा पर सोमवार को कड़कड़डूमा न्यायालय में सुनवाई हुई। अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया। अब दोषियों की सजा पर निर्णय 31 जुलाई को सुनाया जाएगा। सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक ने न्यायालय से ताहिर हुसैन सहित सभी दोषियों को मृत्युदंड देने की मांग की। उन्होंने कहा कि अंकित शर्मा के शरीर पर 51 घाव पाए गए थे और उनकी अत्यंत निर्ममता से हत्या की गई थी। अभियोजन के अनुसार यह सुनियोजित और अत्यंत जघन्य हत्या का मामला है, जिसे दुर्लभतम श्रेणी का अपराध मानते हुए अधिकतम दंड दिया जाना चाहिए। विशेष लोक अभियोजक ने यह भी कहा कि दोषियों द्वारा प्रस्तुत सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों से जुड़े शपथपत्रों के आधार पर दंड में किसी प्रकार की नरमी बरतने का कोई औचित्य नहीं बनता। उन्होंने न्यायालय से पीड़ित परिवार की पीड़ा और अपराध की गंभीरता को ध्यान में रखने का आग्रह किया। इस मामले में ताहिर हुसैन के अलावा जावेद, अनस, कासिम और नाजिम को दोषी ठहराया गया है। अभियोजन का कहना है कि सभी दोषियों की भूमिका हत्या की घटना में महत्वपूर्ण रही है। वहीं बचाव पक्ष ने मृत्युदंड का विरोध करते हुए न्यायालय से दंड में नरमी बरतने की अपील की। ताहिर हुसैन की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने दलील दी कि यह मामला दुर्लभतम श्रेणी का नहीं है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि ताहिर हुसैन को परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर दोषी ठहराया गया है और उन्हें आपराधिक षड्यंत्र के आरोप से पहले ही दोषमुक्त किया जा चुका है। बचाव पक्ष ने यह भी तर्क दिया कि जब आपराधिक षड्यंत्र का आरोप सिद्ध नहीं हुआ, तो हत्या की पूर्व नियोजित मंशा भी सिद्ध नहीं मानी जा सकती। अधिवक्ताओं ने कहा कि उनके मुवक्किल को भीड़ का हिस्सा होने के आधार पर दोषी ठहराया गया है, इसलिए मृत्युदंड देने का आधार नहीं बनता।

छात्रों को अनुशासन, जिज्ञासा और निरंतर सीखने की आदत विकसित करना जरूरी: किरण बेदी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) में सोमवार को नए दाखिल हुए स्नातक छात्रों के लिए ओरिएंटेशन-कम-इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल और देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी डॉ. किरण बेदी ने छात्रों से समय का सदुपयोग करने, लगातार. 'ि१ल्ल करने और नौकरी तलाशने के बजाय रोजगार देने वाला बनने का आह्वान किया। डॉ. किरण बेदी ने कहा कि इंजीनियरिंग केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान का प्रभावी उपकरण है। छात्रों को अपने ज्ञान का उपयोग नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से समाज में सार्थक बदलाव लाने के लिए करना चाहिए। उन्होंने छात्रों को अनुशासन, जिज्ञासा और निरंतर सीखने की आदत विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि समय सबसे मूल्यवान संपत्ति है और टालमटोल से बचकर अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के अलावा एनएसजी के पूर्व फोर्स कमांडर ब्रिगेडियर डॉ. गौतम गांगुली और प्रवर्तन निदेशालय के पूर्व निदेशक करनाल सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीटीयू के कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा ने की। कुलपति प्रो. शर्मा ने नए छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि डीटीयू में छात्रों को नवाचार, बहुविषयक अध्ययन, शोध और उद्यमिता के लिए बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के मजबूत शैक्षणिक वातावरण, आधुनिक बुनियादी ढांचे, उद्योगों से जुड़ाव और छात्र सहायता सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डीटीयू अपने 85 वर्षों के सफर में शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देता रहा है। छात्रों को उत्कृष्टता, नैतिक आचरण और जिम्मेदार नेतृत्व के जरिए विश्वविद्यालय का नाम ऊंचा रखने का प्रयास करना चाहिए। ब्रिगेडियर डॉ. गौतम गांगुली ने छात्रों से तकनीकी शिक्षा का उपयोग केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए करने को कहा। उन्होंने कहा कि ज्ञान के साथ चरित्र और ईमानदारी भी जरूरी है।

सरकार को सीजेपी का अल्टीमेटम, मामले वापस नहीं हुए तो फिर होगा आंदोलन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सरकार और आंदोलनकारी पक्ष के बीच हुई सहमति के बावजूद प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई जारी रहने का आरोप लगाते हुए कॉकरोच जनता पार्टी ने केंद्र सरकार को कड़ा अल्टीमेटम दिया है। पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा है कि यदि प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध दर्ज सभी मामले वापस नहीं लिए गए और गिरफ्तार छात्रों को तत्काल रिहा नहीं किया गया, तो संगठन दोबारा व्यापक आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगा। आशुतोष रांका ने सामाजिक माध्यम पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार के साथ हुई बातचीत में यह स्पष्ट सहमति बनी थी कि आंदोलन में शामिल किसी भी प्रदर्शनकारी के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई नहीं की जाएगी। उनका आरोप है कि इस सहमति का पालन नहीं किया जा रहा है और विभिन्न राज्यों में छात्रों तथा स्वयंसेवकों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि बिहार और पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में छात्रों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही दिल्ली सहित अन्य राज्यों में प्रदर्शन से जुड़े लोगों की निगरानी की जा रही है और उन्हें विभिन्न माध्यमों से परेशान किया जा रहा है। रांका का यह भी आरोप है कि प्रदर्शनकारियों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाने वाले स्वयंसेवकों को भी हिरासत में लिया गया है। कॉकरोच जनता पार्टी ने अपनी प्रमुख मांगों में प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध दर्ज सभी मामले तत्काल वापस लेने, गिरफ्तार छात्रों को बिना विलंब रिहा करने तथा भविष्य में किसी भी प्रदर्शनकारी के विरुद्ध नया मामला दर्ज नहीं करने की मांग रखी है। संगठन का कहना है कि दिल्ली पुलिस, केंद्रीय जांच एजेंसियां और भाजपा शासित राज्यों की पुलिस को भी समझौते की शर्तों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही संगठन ने मांग की है कि कानूनी मामलों की वापसी को लेकर सरकार और आंदोलनकारी पक्ष के बीच हुई सहमति का लिखित प्रारूप निर्धारित समय के अनुसार अगले दिन तक उपलब्ध कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो।

देशभर के 29 केंद्रों पर सीए के लिए कैंपस प्लेसमेंट होंगे

नई दिल्ली। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने मई में सीए फाइनल परीक्षा पास करने वाले नए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए 65वें कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन करेगा। देशभर के 29 केंद्रों पर अगस्त और सितंबर में साक्षात्कार होंगे। आईसीएआई के अनुसार, मई 2026 में सीए फाइनल परीक्षा पास करने वाले 7931 अभ्यर्थियों में से 6399 ने प्लेसमेंट के लिए पंजीकरण कराया है। कार्यक्रम के पहले चरण में 78 संस्थानों ने भाग लिया है और अब तक 5339 रिक्तियां अधिसूचित की गई हैं। भर्ती के अवसर वित्त, कराधान, ऑडिट, परामर्श, जोखिम प्रबंधन, डेटा विश्लेषण, बैंकिंग, विनिर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध होंगे। दिल्ली में 3 से 7 अगस्त तक साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। मुंबई और पुणे में 4 से 8 अगस्त, कोलकाता में 5 से 10 अगस्त तथा अहमदाबाद, बेंगलुरु और चेन्नई में 10 से 14 अगस्त तक साक्षात्कार होंगे। नोएडा और ठाणे में 21-22 सितंबर को, जबकि अन्य केंद्रों पर 23 से 25 सितंबर के बीच साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। आईसीएआई के अध्यक्ष सीए प्रसन्न कुमार डी ने कहा कि संस्थान नए सीए को प्रमुख कंपनियों से जोड़ने के लिए तकनीक आधारित भर्ती प्रक्रिया, करियर परामर्श, काउंसलिंग, योग्यता आकलन तथा उद्योग केंद्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को मजबूत कर रहा है। इससे पहले अप्रैल-मई 2026 में आयोजित 63वें कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम में 2570 से अधिक सीए का चयन हुआ था। इसमें सर्वाधिक घरेलू पैकेज 27.50 लाख रुपये सालाना और औसत सीटीसी 13 लाख रुपये सालाना रहा था।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 28 जुलाई, 2026

संक्षिप्त खबरें

सीने में दर्द उठने से सड़क पर गिरा मोटरसाइकिल सवार

नई दिल्ली। राजधानी के व्यस्ततम आईटीओ चौराहे पर सोमवार को एक मोटरसाइकिल सवार अचानक सीने में तेज दर्द उठने पर बेहोश होकर सड़क पर गिर पड़ा। ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने तत्काल उनको सीपीआर दिया और गोल्डन आवर्स में सरकारी गाड़ी से पीड़ित को लोकनायक अस्पताल पहुंचाया। इस तरह से उनकी जान बचाई गई। सोमवार सुबह करीब 11:55 बजे आईटीओ के ए-प्वाइंट के पास मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति अचानक नियंत्रण खोकर वाहन समेत जमीन पर गिर गया। ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, मोटरसाइकिल चालक आईपी फ्लाईओवर की ओर से रहा था। प्रारंभिक जानकारी करने पर मालूम हुआ कि सीने में तेज दर्द उठने से वह गिरे। मोटरसाइकिल सवार की पहचान नमनीत के रूप में हुई, जोकि पेशे से वकील हैं। घटनास्थल के पास मौजूद कमला मार्केट यातायात चौकी के प्रभारी इंस्पेक्टर गोपाल और उनकी टीम ने पहले सावधानी से पीड़ित का हेलमेट उतारा, फिर मौके पर ही सीपीआर व प्राथमिक उपचार दिया।

जाकिर हुसैन कॉलेज की नौ मंजिला इमारत छात्रों के लिए खुली

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे पुराने महाविद्यालयों में शामिल जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज के नवनिर्मित बहुमंजिला भवन का गृहप्रवेश और उद्घाटन वैदिक रीति-रिवाजों के साथ हुआ। अब आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नौ मंजिला इमारत छात्रों के लिए खोल दी गई है। सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि, नवग्रह शांति, सरस्वती पूजन और यज्ञ से इसका गृहप्रवेश हुआ। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. नरेंद्र सिंह, प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और वरिष्ठ प्राध्यापकों ने यज्ञ में आहुति दी। इसके बाद मुख्य अतिथि और कॉलेज के चेयरमैन जे.पी. शर्मा ने रिबन काटकर भवन का उद्घाटन किया। नवनिर्मित भवन नौ मंजिला है। इसमें 40 कमरे, 11 प्रैक्टिकल रूम, दो मिनी ऑडिटोरियम, दो मीटिंग रूम और दो मंजिला बेसमेंट पार्किंग की सुविधा है। भवन में डिजिटल बोर्ड और उन्नत ऑडियो-विजुअल सुविधाओं से लैस स्मार्ट कक्षाएं, आधुनिक प्रयोगशालाएं और पुस्तकालय भी बनाया गया है। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए रैंप और लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध है।

पेड़ पर चढ़कर आत्महत्या की कोशिश, पुलिस और दमकल कर्मियों ने सुरक्षित उतारा

नई दिल्ली। मध्य जिला के आईपी इस्टेट इलाके में सोमवार सुबह 51 वर्षीय व्यक्ति ने पेड़ पर चढ़कर फांसी लगाने की कोशिश की। पुलिस और दमकल विभाग ने काफी देर समझा-बुझाकर उसे सीढ़ी की मदद से सुरक्षित नीचे उतार लिया। मध्य जिला डीसीपी रोहित राजवीर सिंह के अनुसार, सुबह करीब 11 बजे सूचना मिली कि एक व्यक्ति पेड़ पर चढ़ा है। क्लब रोड पंजाबी बाग निवासी राम संवाद के पास रस्सी थी और वह फांसी लगाने की धमकी दे रहा था। पुलिस ने उससे बातचीत शुरू की, फिर दमकल कर्मियों की मदद से उसे नीचे उतारा। पूछताछ में राम संवाद ने आरोप लगाया कि डीयूएसआईबी के शेल्टर होम संचालन से जुड़ी सेफ अप्रोच नामक एनजीओ ने उसका बकाया भुगतान नहीं किया, जिससे परेशान होकर उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने एनजीओ प्रतिनिधियों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई उपलब्ध नहीं हो सका।

एनसीसी-एनएसएस प्रमाणपत्रों के अंकों पर आपत्ति का मौका

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने ईसीए दाखिला 2026-27 के तहत एनसीसी और एनएसएस श्रेणी के अभ्यर्थियों को उनके प्रमाणपत्रों पर दिए गए अंकों के संबंध में आपत्ति दर्ज कराने का मौका दिया है। विश्वविद्यालय की ईसीए शिकायत निवारण समिति इन शिकायतों का निस्तारण करेगी। विश्वविद्यालय ने सभी अभ्यर्थियों के एनसीसी और एनएसएस श्रेणीवार स्कोर जारी कर दिए हैं। अभ्यर्थी अपने अपलोड किए गए प्रमाणपत्रों के आधार पर दिए गए अंकों की जांच कर सकेंगे। किसी तरह की आपत्ति होने पर उन्हें 29 जुलाई शाम 4:59 बजे तक शिकायत दर्ज करनी होगी। डीयू ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि शिकायत दर्ज करने से पहले यूजी-सीएसएएस 2026 के बिंदु 22.1.2 में एनसीसी और बिंदु 22.1.3 में एनएसएस प्रमाणपत्रों के लिए निर्धारित अंक योजना को ध्यान से पढ़ लें। एक शिकायत के लिए केवल एक ही फॉर्म भरना होगा। एक ही शिकायत के लिए कई फॉर्म भरने पर संबंधित ईसीए श्रेणी में अभ्यर्थिता रद्द की जा सकती है। विश्वविद्यालय के अनुसार, शिकायतों का जवाब अधिकतम 1 अगस्त तक अभ्यर्थियों के पंजीकृत ईमेल पर भेज दिया जाएगा। यह शिकायत फॉर्म केवल एनसीसी और एनएसएस श्रेणियों के लिए है।

2014 से अब तक गुजरात में दर्जन भर से ज्यादा पेपर लीक होने से लाखों बच्चों का भविष्य बर्बाद हो चुका है: संजय सिंह

- बार-बार पेपर लीक कराने वाली एडुटेस्ट कंपनी को भाजपा शासित राज्यों में पेपर कराने का ठेका दिया जा रहा है: संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। देश भर में पेपर लीक के खिलाफ युवाओं का इतना बड़ा आंदोलन होने के बाद भी भाजपा शासित राज्यों में पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही हैं। अब भाजपा शासित गुजरात आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय में थर्ड ईयर का पेपर लीक होने पर आम आदमी पार्टी ने कड़ी प्रक्रिया दी है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश भर में पेपर लीक के खिलाफ इतना बड़ा आंदोलन हुआ। युवाओं ने इतना अत्याचार सहा। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ। सोमवार को संसद पेपर लीक के खिलाफ एक ह्लसख्तह्व कानून पर चर्चा कर रही है और इसी बीच गुजरात में एक और पेपर लीक हो गया। इससे यही निष्कर्ष निकलता है कि यदि पेपर लीक रोकने हैं तो भाजपा को ही भगाना पड़ेगा। उधर, आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ये पेपर लीकिया सरकारें बन चुकी हैं। पूरे देश में जहां-जहां पर भाजपा है, वहां पर पेपर लीक है। और पेपर लीक इसलिए हो रहा है क्योंकि पेपर लीक कराने वाली कंपनियों के मालिकों से प्रधानमंत्री मोदी और इनके मुख्यमंत्रियों के गहरे रिश्ते हैं। अभी जो ताजा मामला आया है, वह गुजरात आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय का है जहां पर परीक्षाएं चल रही हैं। वहां थर्ड ईयर में शल्य तंत्र-1 का पेपर लीक हो गया। हजारों बच्चे गुजरात के आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय में पढ़ते हैं और थर्ड ईयर के एग्जाम का पेपर पूरे गुजरात के अंदर लीक हो गया। विश्वविद्यालय के जितने कॉलेज हैं, सारी जगह पर पेपर लीक हो गए। 2 अगस्त तक परीक्षाएं चलेंगी, अभी कितने और पेपर लीक होंगे यह कहना मुश्किल है। संजय सिंह ने कहा कि गुजरात के अंदर पेपर लीकिया सरकार चल रही है। गुजरात में पेपर लीक का एक लंबा इतिहास है। गुजरात की भाजपा की सरकार ने लाखों बच्चों का भविष्य बर्बाद किया है। 2014 में रेवेन्यू तलाठी का पेपर लीक हुआ। 2016-17 में फिर एक बार तलाठी की परीक्षा का पेपर लीक हुआ। 2018 में टेट, लोक रक्षक दल और मुख्य सेविका परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। 2019 में सचिवालय के अंदर क्लर्क की भर्ती का पेपर लीक हुआ। 2019-20 में जेएमसी और एई का पेपर लीक हुआ। 2021 में सब ऑडिटर, हेड क्लर्क, एटीडी, पशुधन निरीक्षक और पीएसआई का पेपर लीक हुआ। 2022 में वनरक्षक का पेपर लीक हुआ। 2023 में जूनियर क्लर्क और डमी कांड का पेपर लीक हुआ और 2024 में ऊर्जा कांड का पेपर लीक हुआ। संजय सिंह ने आगे कहा कि रविवार को मैंने प्रधानमंत्री जी का तीसरा फ्रेंड्स वाला वीडियो देखा। आजकल उन्होंने मीडिया का बहिष्कार कर दिया है, क्योंकि वे समझ गए हैं कि अब रात 8:00 बजे लाइव आने से काम नहीं चलेगा। इसलिए रात में 12:00 बजे उठकर वीडियो बना रहे हैं, फिर सुबह और शाम को बना रहे हैं। अभी फिर एक वीडियो आया जिसमें वे कह रहे हैं कि मैं इस देश के छात्रों को बताना चाहता हूं कि जिन लोगों ने पेपर लीक कराया वो जेल में सड़ रहे हैं।

संत रविदास समरसता संकल्प अभियान चलाएगी दिल्ली भाजपा, वाराणसी के लिए 11 सदस्यीय टोली रवाना

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में दिल्ली भाजपा आगामी जन्म जयंती तक संत रविदास समरसता संकल्प अभियान चलाएगी। अभियान के तहत 29 जुलाई को वाराणसी में होने वाले कलश वंदन वितरण कार्यक्रम के लिए 11 सदस्यीय टोली को सोमवार को प्रदेश कार्यालय से रवाना किया गया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने टोली को झंडी दिखाकर विदा किया। इस अवसर पर हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि काशी की पवित्र भूमि पर वर्ष 1377 में जन्मे संत रविदास का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि संत रविदास का प्रसिद्ध वचन मन चंगा तो कठौती में गंगा सामाजिक समरसता और आंतरिक पवित्रता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि रविदास ने बेगमपुरा जैसे समानता आधारित समाज की कल्पना की थी, जहां किसी प्रकार का भेदभाव न हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संत रविदास के विचारों और विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। काशी में गुरु रविदास जन्मस्थली के विकास कार्य तथा हरियाणा के आदमपुर हवाई अड्डे का नाम संत रविदास के नाम पर रखा जाना इसी सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि 31 जुलाई को दिल्ली में भव्य कलश वंदन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने संत रविदास जयंती समारोहों के संचालन के लिए एक समिति का गठन भी किया है। समिति के संयोजक सांसद योगेंद्र चंदोलिया, जबकि दिल्ली सरकार के मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह, प्रदेश महामंत्री मोहनलाल गिहारा, विधायक राजकुमार भाटिया, अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष लाजपत राय, रूपेश मेहरा तथा लीला सिंह इसके प्रमुख सदस्य हैं। समिति आगामी जयंती तक संत रविदास समरसता संकल्प अभियान का संचालन करेगी। अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष लाजपत राय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश संगठन मंत्री पवन राणा, मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह, सांसद योगेंद्र चंदोलिया, प्रदेश महामंत्री मोहनलाल गिहारा, योगिता सिंह, प्रदेश मंत्री राज गौतम सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रदेश महामंत्री मोहनलाल गिहारा ने कहा कि संत रविदास की 650वीं जयंती पर समाज को समरसता, श्रम के सम्मान और सामाजिक समानता का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जाति नहीं, बल्कि कर्म की श्रेष्ठता ही संत रविदास की शिक्षाओं का मूल संदेश है। सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि संत रविदास ने सेवा, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समानता का मार्ग दिखाया।

पांच विषयों में एक वर्षीय पीजी करने का मौका

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) ने चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूपी) पूरा करने वाले विद्यार्थियों के लिए ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू किए हैं। ये पाठ्यक्रम इसी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से उपलब्ध होंगे। एसओएल एक वर्षीय एमए और इस सत्र में कॉमर्स, राजनीति विज्ञान, इतिहास, हिंदी और संस्कृत में एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थी निर्धारित पात्रता मानदंड और नियामकीय प्रावधानों के तहत इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकेंगे। एसओएल में इन कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो ने कहा कि एक वर्षीय मास्टर कार्यक्रम शुरू होने से संस्थान में पहले से संचालित दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि एक वर्षीय मास्टर कार्यक्रम पात्र विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त विकल्प के रूप में शुरू किए गए हैं। दोनों कार्यक्रम समानांतर रूप से संचालित होंगे, जिससे विद्यार्थियों को अधिक शैक्षणिक लचीलापन मिलेगा। एसओएल दो वर्षीय मास्टर कार्यक्रमों में भी मौजूदा प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला जारी रखेगा। एसओएल की निदेशक प्रो.पायल मागो ने कहा कि विश्वविद्यालय के नियमित और ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग दोनों माध्यमों के विद्यार्थियों को इस पहल से लाभ मिलने की उम्मीद है। नियमित माध्यम में सीटों की सीमित संख्या के कारण जिन पात्र विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं मिल पाता, वे एसओएल के माध्यम से एक वर्षीय मास्टर कार्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगे। इससे विद्यार्थियों को स्नातक के बाद आगे की पढ़ाई में किसी तरह का अंतर नहीं आएगा।

जाकिर हुसैन कॉलेज की नौ मंजिला इमारत छात्रों के लिए खुली

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे पुराने महाविद्यालयों में शामिल जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज के नवनिर्मित बहुमंजिला भवन का गृहप्रवेश और उद्घाटन वैदिक रीति-रिवाजों के साथ हुआ। अब आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नौ मंजिला इमारत छात्रों के लिए खोल दी गई है। सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि, नवग्रह शांति, सरस्वती पूजन और यज्ञ से इसका गृहप्रवेश हुआ। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. नरेंद्र सिंह, प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और वरिष्ठ प्राध्यापकों ने यज्ञ में आहुति दी। इसके बाद मुख्य अतिथि और कॉलेज के चेयरमैन जे.पी. शर्मा ने रिबन काटकर भवन का उद्घाटन किया। नवनिर्मित भवन नौ मंजिला है।

जामिया के सीडीओई में 49 दूरस्थ और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में दाखिले शुरू

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) ने ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और ऑनलाइन लर्निंग मोड में संचालित 49 पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026 है। सीडीओई में परास्नातक स्तर पर एजुकेशन, अंग्रेजी, भूगोल, हिंदी, इतिहास, मानव संसाधन प्रबंधन, इस्लामिक स्टडीज, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र और उर्दू समेत विभिन्न विषयों में दाखिले होंगे।

इसके अलावा एमकॉम, बीए (जनरल), बीकॉम और बीबीए कार्यक्रमों में भी प्रवेश दिया जाएगा। अधिकांश पाठ्यक्रमों में दाखिला योग्यता परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा। जामिया ने इस सत्र में दो नए कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। इनमें बैचलर ऑफ साइंस (बायोसाइंसेज) और ऑनलाइन मोड में एमबीए शामिल हैं। इन दोनों पाठ्यक्रमों में चयन अंतिम योग्यता परीक्षा में प्राप्त अंकों और साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। एमबीए (ओडीएल) और बीएड में प्रवेश प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होगा। दोनों पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा 22 अगस्त को आयोजित की जाएगी। परीक्षा केंद्र जामिया परिसर में होगा, जिसकी जानकारी प्रवेश पत्र के माध्यम से दी जाएगी। इसके अलावा मार्गदर्शन एवं परामर्श में पीजी डिप्लोमा, अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन में डिप्लोमा, एजुकेशनल मीडिया प्रोडक्शन और मास मीडिया में एडवांस्ड डिप्लोमा समेत कई डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश खुले हैं।

जामिया के सीडीओई में दाखिले की दौड़ शुरू

नई दिल्ली। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) के ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग और ऑनलाइन लर्निंग मोड के 49 डिस्टेंस और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में दाखिला की दौड़ शुरू हो गई है। इच्छुक उम्मीदवार दाखिले के लिए ऑनलाइन 10 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन के लिए https://admission.jmi.Ôc.in/ लिंक पर जाकर पंजीकरण करना होगा। इस वर्ष सीडीओई ने दो नए पाठ्यक्रम बैचलर ऑफ साइंस (बायोसाइंसेज) और एमबीए (ऑनलाइन मोड) शुरू किया है। दोनों पाठ्यक्रमों में दाखिला प्रवेश परीक्षा के अंकों और साक्षात्कार के आधार पर होगा। इसके लिए एमबीए (ओडीएल) और बीएड में प्रवेश के लिए 22 अगस्त को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। केंद्र जामिया परिसर ही होगा।

एबीवीपी ने एनटीए सुधार के लिए टास्क फोर्स गठन का स्वागत किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में व्यापक और संस्थागत सुधारों के लिए केंद्र सरकार की ओर से उच्चस्तरीय टास्क फोर्स के गठन का स्वागत किया है। संगठन ने कहा कि नीट-यूजी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आई अनियमितताओं के बाद परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत सुधार जरूरी हैं एबीवीपी के अनुसार, संगठन लंबे समय से प्रतियोगी परीक्षाओं की पूरी व्यवस्था की समीक्षा कर समयबद्ध और ठोस सुधारों के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने की मांग करता रहा है। संगठन ने कहा कि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता केवल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई से सुनिश्चित नहीं की जा सकती। इसके लिए संस्थागत, संरचनात्मक, तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर बदलाव तथा उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी जरूरी है। एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी यह विश्वास लेकर परीक्षा देता है कि उसकी मेहनत का मूल्यांकन निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से होगा। ऐसे में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टास्क फोर्स समयबद्ध और प्रभावी सिफारिशों के माध्यम से परीक्षा व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बायोमेट्रिक हाजिरी नहीं तो वेतन नहीं

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण विभाग ने आउटसोर्स और संविदा कर्मचारियों के वेतन भुगतान को लेकर सख्त व्यवस्था लागू कर दी है। विभाग ने साफ कर दिया है कि अब प्रमाणित बायोमेट्रिक उपस्थिति रिपोर्ट के बिना किसी कर्मचारी का वेतन जारी नहीं होगा। साथ ही बायोमेट्रिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने पर संविदा पदों के विस्तार के प्रस्ताव भी अटक सकते हैं। नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ रिकवरी और विभागीय कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने संविदा पदों के विस्तार और नियमितीकरण से जुड़े प्रस्तावों की समीक्षा के दौरान बायोमेट्रिक उपस्थिति को लेकर आपत्ति जताई है। इसके बाद अब प्रत्येक वेतन बिल के साथ बायोमेट्रिक सिस्टम से तैयार उपस्थिति रिपोर्ट संलग्न करना अनिवार्य कर दिया गया है। विभाग का कहना है कि ऐसा नहीं होने पर वेतन नहीं दिया जाएगा और पदों के विस्तार की व्यवस्था भी रोकी जाएगी। इसको लेकर समाज कल्याण विभाग की ओर से सर्कुलर जारी किया गया है। 15 तारीख तक वेतन देने की जिम्मेदारी विभाग ने कैबिनेट के पहले के फैसले का हवाला देते हुए कहा है कि हर महीने की 15 तारीख तक कर्मचारियों का वेतन हर हाल में जारी किया जाएगा। इसके लिए सभी कार्यालयों को निर्देश दिया गया है कि महीने के अंतिम कार्य दिवस के बाद पहले कार्य दिवस पर ही उपस्थिति प्रमाण पत्र तैयार कर ई-ऑफिस के माध्यम से उसे भेज दें। देरी होने पर संबंधित शाखा प्रभारी या कार्यालय अध्यक्ष को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार माना जाएगा। व्हाट्सएप से रिपोर्ट भेजने पर रोक दिल्ली सरकार की ई-ऑफिस प्रणाली को पारदर्शी और मजबूत बनाने के लिए विभाग ने व्हाट्सएप या किसी अन्य अनौपचारिक माध्यम से उपस्थिति रिपोर्ट भेजने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। अब सभी दस्तावेज केवल ई-ऑफिस प्रणाली के जरिए ही स्वीकार किए जाएंगे।

आंदोलन ने साबित किया महात्मा गांधी का रास्ता आज भी प्रासंगिक : वांगचुक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक आंदोलन का मुख्य चेहरा रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। उन्होंने सबसे पहले राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। सोनम ने कहा कि इस आंदोलन में छात्रों, युवाओं और जनता की भागीदारी ने साबित किया कि महात्मा गांधी के विचार और उनका बताया रास्ता आज भी प्रासंगिक है। वांगचुक गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पत्नी गीतांजलि आंगमो और कई समर्थकों संग राजघाट पहुंचे। महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के बाद उन्होंने कहा, स्विट्जरलैंड से आने के बाद मैं राजघाट पर बापू को श्रद्धांजलि देने के बाद जंतर-मंतर गया था। अब 26 दिन के अनशन और इस आंदोलन की समाप्ति पर मैं उन्हें याद करने, कृतज्ञता व्यक्त करने पहुंचा हूं। उन्होंने कहा कि 100 साल पहले महात्मा गांधी ने जनता को अपनी आवाज हुकूमत तक पहुंचाने का जो जरिया दिया था, वह आज भी उपयुक्त है। सोनम ने कहा, ह्यअकसर लोग कहते हैं कि शासक के आगे इस तरह के शांतिपूर्ण प्रदर्शन नहीं चलते हैं, लेकिन इस आंदोलन ने बताया कि शासक भले ही मेरी नहीं सुनें, लेकिन जब जनता गांधीवादी रास्ते पर चलकर आवाज उठाती है तो वे सुनते हैं।ह्व वांगचुक ने कहा, मैं लोगों से कहना चाहता हूं कि वे महात्मा गांधी के बताए शांति के मार्ग पर चलकर ही अपनी बात शासन तक पहुंचाएं।इससे पहले छुट्टी मिलने से पूर्व अस्पताल से एक वीडियो जारी करते हुए उन्होंने कहा, ह्यआखिर वह दिन आ ही गया, जब मुझे अस्पताल से छुट्टी मिल रही है। मैं अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। धीरे-धीरे खाना खा रहा हूं, शरीर में ताकत लौट रही है।ह्व उन्होंने आंदोलन को सफल बनाने के लिए छात्रों, युवाओं, नागरिकों और देशभर से दुआएं करने वालों का भी शुक्रिया अदा किया। इसके अलावा उन्होंने मेदांता अस्पताल के चिकित्सकों और उनकी देखरेख कर रहे कर्मियों का भी आभार जताया।

इंस्टाग्राम पर ज्वेलरी के नाम पर धोखाधड़ी

नई दिल्ली। पुलिस की मध्य जिला साइबर यूनिट ने इंस्टाग्राम पर नकली ज्वेलरी का विज्ञापन देकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मामले में हरियाणा के पलवल निवासी 26 वर्षीय आरोपी अंकित ठाकुर को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह ने एक महिला से 1,16,975 की धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल एक मोबाइल और एक सिम कार्ड बरामद किया है। यह मामला 15 फरवरी को सामने आया था। पीड़िता के मुताबिक उसने इंस्टाग्राम पर ज्वेलरी का एक आकर्षक विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में दिए नंबर पर उसने कॉल किया, लेकिन नंबर नहीं लगा। इसके बाद उसे दूसरे नंबर से कॉल आया। कॉलर ने खुद को ज्वेलरी सेलर का प्रतिनिधि बताया। झांसे में आकर महिला ने यूपीआई और पेटीएम के जरिए कुल 1,16,975 ट्रांसफर कर दिए। ज्वेलरी न मिलने पर उसे ठगी का अहसास हुआ।

काला हिरण फिल्म पर हाईकोर्ट सख्त, टीजर के लिंक हटाने का आदेश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को अभिनेता सलमान खान के 1998 के ब्लैकबक शिकार प्रकरण से प्रेरित बताई जा रही प्रस्तावित फिल्म काला हिरणः द बैटल फॉर लेगेसी के टीजर से जुड़े सभी लिंक हटाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति ज्योति सिंह ने कहा कि फिल्म निमार्ता अमित जानी के इस विषय पर दिए गए साक्षात्कार को भी हटाने का आदेश पारित करेंगी। निमार्ता के रुख पर असहमति जताते हुए अदालत ने कहा कि इस मामले में कड़ी टिप्पणी के साथ आदेश जारी किया जाएगा। अदालत ने मौखिक रूप से कहा, यह अब बंद होना चाहिए। किसी की प्रतिष्ठा एक बार चली जाए तो लौटना मुश्किल होता है। ऐसा किसी भी व्यक्ति के साथ नहीं होना चाहिए। सलमान खान ने अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दायर मुकदमे में फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की है। उनका आरोप है कि फिल्म उनकी पहचान का बिना अनुमति इस्तेमाल करती है। याचिका के अनुसार, प्रचार सामग्री में उनके जैसे दिखने वाले कलाकार को उनके प्रसिद्ध नीले ब्रेसलेट के साथ दिखाया गया है। एक पोस्टर में उसे बंदूक पकड़े दिखाया गया है, जो न्यायिक रिकॉर्ड के विपरीत भ्रामक कथा बनाता है। सलमान का कहना है कि आर्म्स एक्ट मामले में उन्हें पहले ही बरी किया जा चुका है, इसलिए ऐसा चित्रण लोगों को गुमराह कर सकता है।

प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी पर सीजेपी ने जताई चिंता, केंद्र से वादा निभाने की मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में छात्र आंदोलन से जुड़े प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने और गिरफ्तार किए जाने की खबरों पर चिंता जताई है। पार्टी ने केंद्र सरकार से आंदोलन के दौरान दिए गए आश्वासन का पालन करते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई रोकने की मांग की है। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने सोमवार को सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि संगठन को कई राज्यों से सूचना मिल रही है कि आंदोलन में शामिल छात्रों और अन्य लोगों को विभिन्न एजेंसियां हिरासत में ले रही हैं। उन्होंने दावा किया कि यह सरकार के उस आश्वासन के विपरीत है, जिसमें आंदोलन में शामिल लोगों के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने की बात कही गई थी। दास ने बताया कि पार्टी की कानूनी टीम संबंधित राज्यों के वकीलों के साथ समन्वय कर हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई और उन्हें कानूनी सहायता उपलब्ध कराने में जुटी है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह से बातचीत के दौरान दिए गए आश्वासन का सम्मान करने की अपील की। सीजेपी ने मांग की कि सभी हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को तत्काल रिहा किया जाए और आंदोलन से जुड़े मामलों में दर्ज एफआईआर वापस ली जाए।

दिल्ली में दोस्त निकला दगाबाज, काम के रुपये मांगने पर युवती को घर बुलाकर मार डाला

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के मोहन गार्डन इलाके में काम के बदले रुपये मांगने पर एक युवक ने अपनी महिला मित्र की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी युवती के शव को अपने घर में ही छोड़कर फरार हो गया। मोहन गार्डन थाना पुलिस ने वारदात के तीन दिन बाद 24 जुलाई को पोस्टमॉर्टम की प्राथमिक रिपोर्ट मिलने के बाद हत्या का केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि 22 वर्षीय रूपा कुमारी परिवार के साथ बीते 15 वर्षों से कैलाशपुरी इलाके में किराये पर रहती थी। परिवार में माता-पिता के अलावा दो भाई और एक बहन है। परिवार मूलतः बिहार के सीवान जिले के बवनागंज जलालपुर का रहने वाला है। रूपा के पिता बजरंग महतो सब्जी बेचने का काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि रूपा पढ़ाई खत्म करने के बाद से ही एक निजी कंपनी में नौकरी करती थी। आरोपी अंकित रूपा के साथ पहले उत्तम नगर फिर रमेश नगर स्थित ऑफिस में काम करता था। इसी दौरान दोनों की जान पहचान हुई थी। अंकित सिद्धात्री एंक्लेव, मोहन गार्डन इलाके में रहता है। बजरंग महतो ने बताया कि अंकित ने रूपा से कोई ऑनलाइन काम कराया था। इसके एवज में उसने पांच हजार रुपये देने का वादा किया था। हालांकि, बाद में वह रुपये देने में आनाकानी करने लगा। इसकी जानकारी रूपा ने अपने पिता को भी दी थी। ऑफिस जाने की बात कहकर घर से निकली थी पुलिस को दिए बयान में बजरंग महतो ने बताया कि 21 जुलाई की सुबह उनकी बेटी घर से ऑफिस जाने की बात कहकर निकली थी। सुबह करीब 10 बजे रूपा की उसकी मां से आखिरी बार बात हुई थी, तब रूपा ने मां को बताया था कि वह ऑफिस पहुंचने वाली है और वहां पहुंचकर फोन करेगी। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। काफी देर तक जब रूपा से बात नहीं हुई, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।

हरियाणा-थाने से लौटकर बिजलकर्मी ने फंदा लगाया

बेटा बोला-पापा को न पानी पीने दिया, न बाथरूम गए; कई घंटे बैठाकर तड़पाया; ACP बोले-SHO पर FIR करेंगे

प्रात : किरण संवाददाता

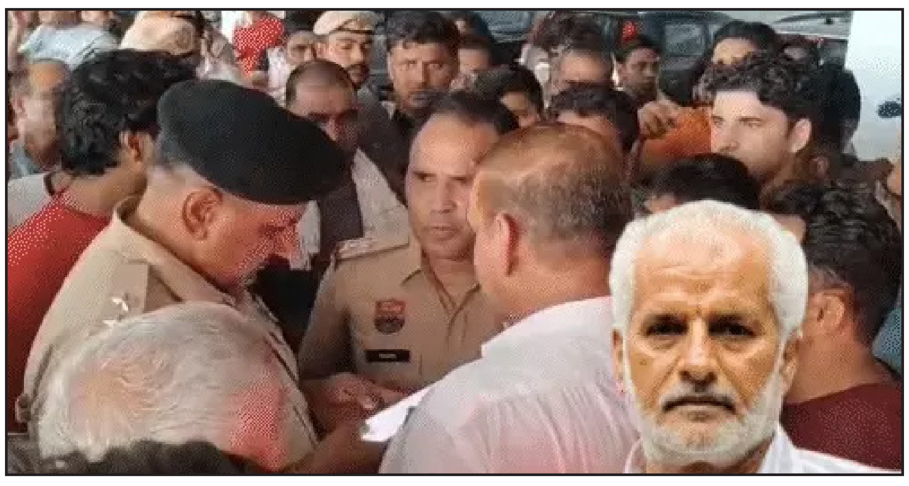

फरीदाबाद। में थाने से लौटने के कुछ घंटे बाद 60 वर्षीय बिजलीकर्मी ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि 2017 के एक पुराने मामले में पुलिस ने उन्हें कई घंटे थाने में बैठाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया, पानी तक नहीं पीने दिया और गिरफ्तारी की धमकी दी। घटना के बाद निजी अस्पताल से शव को लेकर पहुंचे परिजनों और पुलिस के बीच काफी देर तक नोकझोंक होती रही। परिजन शव को पुलिस कमिश्नर कार्यालय ले जाकर रखने की बात पर अड़ गए। परिजनों ने थाना प्रभारी पर कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। इसके बाद एसीपी ने खेड़ी पुल थाना प्रभारी के खिलाफ FIR दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजन शांत हुए और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल की मॉच्युरी में ले जाया गया। 2017 के बिजली हादसे का केस देख रहे थे सतीश मृतक की पहचान जनकपुर गांव निवासी सतीश कुमार (60) के रूप में हुई है। वह पावर ग्रिड कंपनी में उच्च पद पर कार्यरत थे और अक्टूबर में सेवानिवृत्त होने वाले थे। वर्ष 2017 में खेड़ी थाना क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हुई थी। इस मामले में कंपनी पर लापरवाही का केस दर्ज हुआ था और कंपनी की ओर से कोर्ट व थाने से जुड़े कानूनी काम सतीश कुमार ही देख रहे थे। परिजनों का आरोप- कई घंटे थाने में बैठाकर रखा परिजनों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से सतीश कुमार को इसी पुराने मामले में लगातार नोटिस भेजकर खेड़ी पुल थाने बुलाया जा रहा था। शनिवार को भी उन्हें सुबह करीब 10 बजे बुलाया गया और शाम करीब 6 बजे तक थाने में बैठाए रखा गया। बेटे विवेक का आरोप है कि इस दौरान उनके पिता के साथ मानसिक रूप से प्रताड़ना की गई, पानी तक नहीं पीने दिया गया, बाथरूम जाने से रोका गया और लगातार पूछताछ के दौरान सोमवार को गिरफ्तार करने की धमकी दी गई। बेटे ने SHO को ठहराया जिम्मेदार विवेक का कहना है कि शनिवार रात घर लौटने पर उनके पिता बेहद तनाव में थे। उन्होंने परिवार को बताया कि पुलिस ने उन्हें काफी परेशान किया और गिरफ्तारी की बात कही। बेटे का आरोप है कि इसी मानसिक दबाव के कारण रविवार सुबह उन्होंने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। विवेक ने खेड़ी पुल थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह को सीधे तौर पर अपने पिता की मौत का जिम्मेदार ठहराया।

फरीदाबाद में मिट्टी में दबकर जेसीबी चालक की मौत

बकेट निकालने गड्ढे में उतरा, 4 बच्चों का पिता था, नूंह का रहने वाला

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । साथी मजदूरों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और दूसरी जेसीबी की मदद से करीब 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। जानकारी के अनुसार, यह हादसा दोपहर करीब 3 बजे हुआ। सीवर लाइन की खुदाई का काम चल रहा था और करीब 10 से 12 फीट गहरा गड्ढा खोदा जा रहा था। 32 वर्षीय जहिर जेसीबी चला रहा था। खुदाई के दौरान जेसीबी का अगला हिस्सा (बकेट) मिट्टी और पत्थरों में फंस गया। इसे निकालने के लिए जहिर जेसीबी से उतरकर गड्ढे के अंदर पहुंचा। तभी अचानक गड्ढे की मिट्टी भरभराकर उसके ऊपर गिर गई और वह पूरी तरह मिट्टी में दब गया। हादसे के समय जहिर के साथ उसका एक हेल्पर भी मौजूद था। मिट्टी धंसने से हेल्पर भी उसकी चपेट में आ गया, लेकिन वह किनारे होने के कारण बच गया। उसके हाथ और पैरों में चोटें आई हैं। वहीं जहिर पूरी तरह मिट्टी में दब गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। 20 मिनट की मशक्कत के बाद जहिर को बाहर निकाला हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद अन्य मजदूर और स्थानीय लोग बचाव कार्य में जुट गए। तुरंत दूसरी जेसीबी मंगाई गई और तेजी से मिट्टी हटाने का काम शुरू किया गया। करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद जहिर को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया। 4 बच्चों का पिता था मृतक मृतक के भाई मुबारिक ने बताया कि जहिर मूल रूप से मेवात का रहने वाला था और पिछले 5-6 वर्षों से जेसीबी चालक के रूप में काम कर रहा था।

गुरुग्राम में नशा मुक्ति साइकिल यात्रा शुरू

पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास ने दिखाई झंडी, धरती को हरा-भरा बनाएं संकल्प के साथ बांटे पौधे

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले में स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन के तत्वावधान में कृष्ण मंदिर, झाड़सा में दिव्य वाणी सत्संग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक साइकिल जागरूकता यात्रा निकाली गई, जिसे तपोभूमि जटेला धाम आश्रम, माजरा (झज्जर) के पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास महाराज ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान की ब्रांड एंबेसडर साइक्लिस्ट स्वीटी मलिक ने यात्रा का नेतृत्व किया। सत्संग को संबोधित करते हुए महंत राजेंद्र दास महाराज ने कहा कि मानव जीवन की वास्तविक सार्थकता सेवा, सत्संग और सदाचार में निहित है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि आज का युवा वर्ग नशे और तनाव की गिरफ्त में है। ऐसे समय में संतों की वाणी और श्रीमद्भगवद्गीता का संदेश उन्हें सही दिशा प्रदान कर सकता है। महंत राजेंद्र दास महाराज ने पर्यावरण संरक्षण को प्रत्येक व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने, जल एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने तथा सभी जीवों के प्रति प्रेम व करुणा का भाव रखने का आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से नशामुक्त भारत अभियान से जुड़ने का भी आग्रह किया।कार्यक्रम के दौरान आओ मिलकर धरती को हरा-भरा बनाएं संकल्प के साथ पौधारोपण किया गया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

ये लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम का समापन भजन-कीर्तन, प्रसाद वितरण और पौधा वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर मास्टर वेदपाल, एसएचओ गुगन राम, डीएसपी मान सिंह, जगदीश राठी, सरपंच शेर सिंह, प्रधान नरेश ठाकरान, वीरेंद्र कादयान, देवेंद्र मुंडसा, राकेश बजाज, नरेंद्र चौहान, जसवंत, सतवीर, सुखवीर, नकुल, अमित, जगदीश, शिवा जी, पवन, विनोद, शुभम, सोनू यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक, युवा और हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

फरीदाबाद में ट्रेन की चपेट में आया व्यक्ति, मौत

दो हिस्सों में मिला शव, मेवला महाराजपुर रेलवे फाटक के पास हादसा

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । के दयालबाग चौकी क्षेत्र स्थित मेवला महाराजपुर रेलवे फाटक के पास सोमवार सुबह एक रेलवे ट्रैक पार करते समय एक अज्ञात व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और इसकी सूचना तुरंत जीआरपी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को रेलवे ट्रैक से उठाकर पोस्टमार्टम के लिए बीके सिविल अस्पताल की मोर्चरी भिजवा दिया। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस के अनुसार आसपास के लोगों ने बताया कि मृतक अक्सर रेलवे फाटक के आसपास नशे की हालत में घूमता रहता था। इसी आधार पर माना जा रहा है कि वह नशे की हालत में ट्रैक पार करने लगा और तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पहचान कराने का प्रयास कर रही पुलिस सब-इंस्पेक्टर धनीराम ने बताया कि फिलहाल शव को सिविल अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। पुलिस मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। यदि 72 घंटे के भीतर उसकी पहचान नहीं होती है, तो नियमानुसार पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस उसकी अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी करेगी। साथ ही पहचान के लिए आसपास के थानों और अन्य माध्यमों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। रेलवे फाटक बंद होने पर ट्रैक पार न करें जीआरपी पुलिस ने लोगों से अपील की है कि रेलवे फाटक बंद होने पर कभी भी ट्रैक पार करने की कोशिश न करें। थोड़ी सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है। तेज गति से आने वाली ट्रेन को देखकर संभलने का मौका नहीं मिलता, इसलिए हमेशा फाटक खुलने का इंतजार करें और रेलवे सुरक्षा नियमों का पालन करें। पुलिस का कहना है कि ऐसी सावधानी बरतकर कई बड़े हादसों से बचा जा सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक सामान की चोरी और गबन मामले में कंपनी के डिलीवरी बॉय समेत चार गिरफ्तार

-रिटर्न पार्सल से मूल सामान गायब कर देते थे आरोपी, पुलिस रिमांड पर लिए गए

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। सदर थाना इलाके में वेयरहाउस से इलेक्ट्रॉनिक सामान की चोरी और गबन मामले में कंपनी के डिलीवरी बॉय समेत चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान गाजियाबाद के मोहम्मद साहिल व चांद, संभल के विकास और अमृतसर के गुरप्रीत उर्फ जोरावर के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि साहिल अल्वी चांद और विकास के साथ मिलकर मूल सामान को बदलकर गुरप्रीत को बेच देते थे। आरोपियों के पास से दो मार्शल स्पीकर बरामद किए गए हैं। मामले में 20 जुलाई को सदर थाना पुलिस को यूआर लॉजिस्टिक कंपनी के पदाधिकारी ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, साहिल कंपनी में डिलीवरी एसोसिएट था। वह कंपनी से सामान लेकर डिलीवर करता था। 12 जुलाई को कंपनी के ऑडिट के दौरान पता चला कि रिटर्न किए गए कई पार्सलों में मूल सामान गायब था। उसकी जगह अन्य सामान रखा गया था। जांच में सामने आया कि सभी संबंधित डिलीवरी और रिटर्न साहिल की आईडी से हुए थे। गायब हुए सामान की कुल कीमत लगभग 6 लाख रुपये थी। पुलिस का कहना है कि साहिल को चार दिन और चांद व विकास को दो दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। -

बुलडोजर की जद में अरावली : सोहना वन विभाग ने कब्जाधारियों को थमाए नोटिस

प्रात : किरण संवाददाता

सोहना। अरावली वन क्षेत्र को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के लिए सोहना वन विभाग ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कर ली है। विभाग जल्द ही वन संरक्षित भूमि पर अवैध रूप से बने मकानों, चहारदीवारी और कोठड़ों को ढहाने के लिए बुलडोजर चलाएगा। इसके तहत प्रशासन ने पंजाब भूमि संरक्षण अधिनियम (पीएलपीए) के नियमों का उल्लंघन करने वाले करीब डेढ़ दर्जन लोगों को नोटिस जारी कर दिए हैं। शुरूआती चरण में नोटिस भेजने की कार्रवाई अभयपुर और रोजका गूजर गांवों में की गई है। सोहना क्षेत्र के करीब दो दर्जन गांव पीएलपीए कानून के दायरे में आते हैं, जहां किसी भी तरह का निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित है। वन विभाग की इस सख्त कार्रवाई से भू-माफियाओं और अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया है। नोटिस मिलने के बाद लोग अदालत का दरवाजा खटखटाने की रणनीति बना रहे हैं। वन विभाग ने साफ कर दिया है कि पर्यावरण संरक्षण के हित में वन भूमि को हर हाल में खाली कराया जाएगा। क्या है पीएलपीए कानून पंजाब भूमि संरक्षण अधिनियम (पीएलपीए), 1900 ब्रिटिश काल का कानून है। इसके तहत सरकार ने वर्ष 1970 में एक नोटिफिकेशन जारी किया था। इसकी अवधि 25 वर्ष थी, जो वर्ष 1995 में समाप्त हो गई। बाद में, वर्ष 2004 में इसे दोबारा रिन्यू किया गया। वर्तमान में, क्षेत्र के लगभग दो दर्जन गांव इस कानून के दायरे में आते हैं। इसके अंतर्गत कुल 1257 एकड़ भूमि शामिल है, जिसे स्थानीय पंचायतों ने पेड़-पौधे लगाने और पर्यावरण सुधार के लिए वन विभाग को सौंपा था। विभाग ने पीएलपीए एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। अभयपुर व रोजका गूजर गांवों में करीब डेढ़ दर्जन नोटिस सेक्शन 4 व 5 के तहत अवैध कब्जाधारियों को दिए हैं। इसके अलावा भूमि को चिन्हित करके नोटिस दिए जाने की कार्रवाई भी की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि वन विभाग की समस्त भूमि को खाली कराया जाएगा। -खजान सिंह, रेंज अधिकारी, वन विभाग, सोहना एक दिन में खाली करें सरकारी जमीन मानेसर। हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एचएसआईआईडीसी) ने अपनी जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों को अंतिम चेतावनी जारी की है।

गुरुग्राम में चौकीदार मर्डर केस में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

गाड़ी पीछे करने को लेकर हुआ था झगड़ा; पलवल एक्सप्रेस-वे के पास फेंका शव

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले के फर्रुखनगर में 57 वर्षीय चौकीदार जयपाल की हत्या के मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में अब तक कुल तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मोहम्मदपुर निवासी जयपाल 19 जुलाई की रात चौकीदारी के लिए गांव गए थे। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सुल्तानपुर गांव निवासी ओमकार सिंह उर्फ सागर (27) के रूप में हुई है। अगली सुबह जब वह घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। जिस मकान में वह चौकीदारी करते थे, वहां भी उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद फर्रुखनगर थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया गया था। 20 जुलाई को वजीरपुर रोड पर जयपाल का शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने मुकदमे में हत्या की धाराएं जोड़कर जांच तेज कर दी। दो आरोपी पहले ही किए अरेस्ट जांच के दौरान क्राइम ब्रांच फर्रुखनगर ने 24 जुलाई को वजीरपुर रोड स्थित केएमपी फ्लाईओवर के नीचे से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान गुरुग्राम के मोहम्मदपुर निवासी कमल और उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के अबुतलीवपुर गांव निवासी हरिशंकर के रूप में हुई। दोनों की उम्र करीब 26 वर्ष है। वाहन हटाने को लेकर झगड़ा पुलिस पूछताछ में सामने आया कि घटना वाली रात कमल अपना वाहन पीछे कर रहा था, तभी उसकी गाड़ी जयपाल से टकरा गई। इसके बाद उसे लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद कमल ने जयपाल पर डंडे से हमला कर दिया। बाद में दोनों शराब लेने गए, लौटने पर उन्हें ठेका बंद मिला। झगड़ा होने पर गमछे से गला घोंटा इसी दौरान फिर विवाद बढ़ गया और आरोपी कमल ने गमछे से जयपाल का गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने हरिशंकर को बुलाकर शव को वजीरपुर रोड किनारे फेंक दिया था। मामले की आगे की जांच करते हुए क्राइम ब्रांच ने उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सुल्तानपुर गांव के पास से तीसरे आरोपी ओमकार सिंह उर्फ सागर (27) को भी गिरफ्तार कर लिया।

गुरुग्राम में मोनू-मानेसर की अगुवाई में गो-सम्मान यात्रा निकाली

जेल से बाहर आने पर पहला सार्वजनिक कार्यक्रम, गोहत्या पर रोक और राष्ट्र-माता के दर्जे की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। गोमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने और संपूर्ण भारत में गौहत्या को पूरी तरह समाप्त करने की मांगों को लेकर आज गुरुग्राम शहर में एक विशाल गो सम्मान आह्वान अभियान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। बजरंग दल के प्रमुख सदस्य और चर्चित गौरक्षक मोनू मानेसर की अगुवाई में निकाली जा रही यात्रा में सैकड़ों की संख्या में गौरक्षक, हिंदू संगठनों के प्रतिनिधि और गौ-समर्थक हिस्सा ले रहे हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी समर्थक और गोरक्षक कमान सराय ग्राउंड में एकत्रित होना शुरू हुए। यहां एक संक्षिप्त सभा के बाद यह यात्रा विधिवत रूप से शुरू की गई। इन जगहों से निकली यात्रा यह यात्रा कमान सराय ग्राउंड से शुरू होकर शहर के प्रमुख व्यस्त इलाकों जैसे अग्रसेन चौक, डाकखाना चौक, सदर बाजार, सोहना चौक और राजीव चौक से होते हुए गुजरी। यात्रा का अंतिम पड़ाव लघु सचिवालय रहा, जहां प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से सरकार को अपनी मांगों का एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। गोसेवा मंत्रालय के गठन की मांग मोनू मानेसर ने केंद्र सरकार से मांग की है कि देश में गायों के संरक्षण के लिए एक अलग केंद्रीय गोसेवा मंत्रालय का गठन किया जाए। साथ ही गोवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे देश में एक समान और बेहद सख्त केंद्रीय कानून लागू किया जाए। इस बड़े प्रदर्शन को देखते हुए शहर के प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। जेल से बाहर आने पर पहला बड़ा सार्वजनिक कार्यक्रम गौ सम्मान आह्वान अभियान यात्रा की अगुवाई कर रहे बजरंग दल सदस्य मोनू मानेसर कुछ समय पहले ही जेल से सशर्त जमानत पर बाहर आए हैं। उन पर साल 2023 के बहुचर्चित भिवानी डबल मर्डर केस में शामिल होने का गंभीर आरोप है, जिसमें गौ-तस्करी के संदेह में राजस्थान के दो युवकों, नासिर और जुनैद, का अपहरण कर उन्हें गाड़ी सहित जिंदा जला दिया गया था। इस दोहरे हत्याकांड की साजिश रचने के आरोप में वे करीब ढाई साल तक न्यायिक हिरासत में थे। इसके अलावा नूहं दंगे में भी उनका नाम आया था, हालांकि हरियाणा पुलिस की तरफ से उन्हें क्लीन चिट दी गई थी। हाल ही में राजस्थान हाई कोर्ट से नियमित जमानत मिलने के बाद गुरुग्राम में यह उनका पहला बड़ा सार्वजनिक कार्यक्रम है। साधु संत शामिल हुए गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने और देश में पूर्ण गौहत्या बंदी की मांग को लेकर आयोजित गौ सम्मान आह्वान अभियान यात्रा में सनातन धर्म के प्रमुख साधु-संतों, महंतों और महामंडलेश्वरों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कमान सराय ग्राउंड में एकत्रित हुए संतों ने समाज को गौ-रक्षा के लिए एकजुट होने का संकल्प दिलाया। संतों की अगुवाई में यह यात्रा शहर के मुख्य चौराहों से होते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय की ओर निकली। संतों ने केंद्र सरकार से तत्काल प्रभाव से एक स्वायत्त केंद्रीय गोसेवा मंत्रालय का गठन करने और देशव्यापी सख्त कानून बनाने की जोरदार वकालत की है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम यात्रा के मद्देनजर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। कमान सराय ग्राउंड से लेकर डीसी कार्यालय तक पूरे यात्रा मार्ग पुलिस जवान तैनात किए हैं। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जवान यात्रा के साथ चले। यात्रा के रास्ते में आने वाले चौक चौराहों पर अतिरिक्त ट्रैफिक जवान लगाए और तीन तरफ का ट्रैफिक बंद करके केवल यात्रा को निकाला गया।

आंदोलन का तरीका ठीक नहीं: स्वामी धर्मदेव

पटौदी, 27 जुलाई (वेब वार्ता)। आश्रम हरि मंदिर पटौदी के संचालक महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज ने जंतर-मंतर पर हुए हालिया घटनाक्रम पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इसे देश के लिए अत्यंत निराशाजनक बताया। पटौदी में एक निजी संस्थान के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे स्वामी धर्मदेव ने कहा कि जिस तरह से आंदोलन किया गया, वह तरीका बिल्कुल भी उचित नहीं था। इस विरोध प्रदर्शन ने हर देशप्रेमी को आहत किया है। स्वामी जी ने इस दौरान पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के संदर्भ में सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर चल रही बातों का भी खंडन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि तत्कालीन मंत्री द्वारा ऐसा कोई बयान नहीं दिया गया था, जिससे बच्चों के भविष्य या उनके प्रति किसी तरह की संवेदनहीनता या लापरवाही झलकती हो।

ई-बसों के नए रूट को लेकर जीएमसीबीएल तैयार कर रहा मैप

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। साइबर सिटी में ई-बसें चलाने के लिए नए रूटों का आकलन किया जा रहा है। सार्वजनिक परिवहन की सुविधा की मांग के अनुसार किन रूटों पर पहले ई-बसों को चलाया जाए, इसको लेकर रूट मैप तैयार किए जा रहे हैं। जीएमसीबीएल के पास एक ई-बसें आ चुकी हैं। जल्द ही 24 ई-बसें भी जीएमसीबीएल को मिल जाएंगी। ऐसे में अगस्त माह के दौरान शहर के विभिन्न रूटों पर सिटी बसों का संचालन शुरू होने की उम्मीद है। गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन सिटी बस लिमिटेड (जीएमसीबीएल) ने शहर में 20 रूटों का सर्वे भी किया है। इसमें द्वारका एक्सप्रेसवे के साथ लगती सोसाइटियों तक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने की योजना है। वहीं, कई सोसाइटियों के लोगों ने जीएमसीबीएल के अधिकारियों से सिटी बसों के चलाने की मांग की है। ई-बसें आने के बाद गुरुग्राम से दिल्ली के द्वारका व अन्य रूटों पर भी सिटी बसों का संचालन कराने की योजना है। इन 20 रूटों पर किया था सर्वे ई-बसों के संचालन को जीएमसीबीएल द्वारा 20 रूटों का सर्वे किया जा चुका है। इनमें जिले के मुख्य मार्गों पर गुरुग्राम सेक्टर-2 से घाटा गांव/सेक्टर 56 तक, गुरुग्राम बस स्टैंड से एम्स बाढसा (बदली), सोहना बस स्टैंड से गुड़गांव रेलवे स्टेशन और मानेसर से गुड़गांव रेलवे स्टेशन तक तय किए गए हैं। इसके अलावा गुरुग्राम बस अड्डा से फर्रुखनगर, गुरुग्राम बस अड्डा से भोंडसी जेल, सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन से सेक्टर 55/56 मेट्रो स्टेशन, इफको चौक मेट्रो स्टेशन से बादशाहपुर वाया सुभाष चौक, गुरु द्रोणाचार्य मेट्रो स्टेशन से गुरुग्राम बस अड्डा/महावीर चौक, गुरुग्राम बस अड्डा से मारुति कुंज, मानेसर सेक्टर-7 से साइबर सिटी गुरुग्राम, गुड़गांव रेलवे स्टेशन से राजीव चौक, गुरुग्राम बस अड्डा से पालम विहार, सेक्टर-10 से बस स्टैंड वाया सेक्टर 4/7 चौक, सेक्टर-10 से बस स्टैंड वाया बसई चौक, पटौदी चौक, सेक्टर-104 से मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन तक रूट का सर्वे किया गया है। इसके अलावा आईएमटी मानेसर के सेक्टर-1 से द्वारका मोड़ दिल्ली, द्वारका सेक्टर-21 मेट्रो स्टेशन दिल्ली, गुरुग्राम बस अड्डा से करोलबाग और गुरुग्राम बस अड्डा से बल्लभगढ़ बस अड्डा रूट शामिल हैं। 20 रूटों पर सर्वे किया जा चुका है। 25 ई-बसें आने के बाद कई रूटों पर सिटी बसों का संचालन किया जाएगा। पहले फेज में किन रूटों पर सिटी बसें चलाई जाएंगी, इसको लेकर जल्द ही रूट मैप तैयार होगा।

विद्यार्थियों को मिले कॅरिअर और रोजगार के अवसर

गुरुग्राम। रोजगार विभाग की ओर से 20 से 24 जुलाई तक पूरे प्रदेश में व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जिला रोजगार कार्यालय, गुरुग्राम ने विभिन्न राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए कॅरिअर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को कॅरिअर और रोजगार के अवसरों के बारे में बताना था। इस दौरान कई विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इनमें मंडल रोजगार अधिकारी रितु हुड्डा और सहायक रोजगार अधिकारी अनुराधा शामिल रहीं। एटीआईडीसी संस्थान से बबीता सांगवान ने भी जानकारी दी। रूडसेट संस्थान से गुरुदेव पचौरी और अजय कुमार जिंदल उपस्थित रहे। हारट्रोन से वीरेंद्र सिंह और पूनम ने भी अपनी विशेषज्ञता साझा की। इन विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने कौशल विकास और सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया। निजी क्षेत्र में कॅरिअर की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला गया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को रोजगार विभाग की सक्षम युवा योजना के बारे में बताया। उन्होंने बेरोजगारी भत्ता योजना की भी जानकारी दी। सरकारी और निजी संस्थानों में रोजगार के अवसरों पर चर्चा की गई। एटीआईडीसी द्वारा परिधान उद्योग में कॅरिअर बनाने के विकल्प समझाए गए। हारट्रोन के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर भी मार्गदर्शन दिया गया। समापन कार्यक्रम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खेड़कीदौला में आयोजित किया गया।

बेसबॉल और सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में सीडी इंटरनेशनल विजेता

गुरुग्राम। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के तत्वावधान में आयोजित ब्लॉक स्तरीय बेसबॉल-सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता सीडी इंटरनेशनल स्कूल विजेता रहा। अंडर-14 बालक वर्ग में सीडी इंटरनेशनल स्कूल ने पहला, जीएमएसएसएस सेक्टर-43 ने दूसरा तथा जीएवी स्कूल ने तीसरा स्थान हासिल किया। अंडर-17 बालक वर्ग में भी सीडी इंटरनेशनल स्कूल विजेता रहा, जबकि जीएवी स्कूल दूसरे और जीएमएसएसएस सेक्टर-43 तीसरे स्थान पर रहा। इसी तरह अंडर-19 बालक वर्ग में सीडी इंटरनेशनल स्कूल ने लगातार तीसरा खिताब अपने नाम किया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना (ई-टेंडरिंग द्वारा)

कार्य का नाम तथा स्थान	दिल्ली डिवीजन में FOIS/ UTS/CMS/PMS के लिए पुरानी हो चुकी डेटाकॉम हार्डवेयर को बदलना
कार्य की अनुमानित लागत(र)	₹3,71,65,559.25 मात्र
धरोहर राशि(र)	₹7,43,300/- मात्र
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता-C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय	निविदा प्रपत्र जमा अपलोड करने का समय 19.08.2026 को 15:00 बजे तक
वेबसाइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।	उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें या देखें नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055

निविदा संख्या: 558-सिगनल-16-टेली-ओपनटेंडर-1043
दिनांक: 24.07.2026 2576/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गुरुग्राम में फर्जी डोमिसाइल सर्टिफिकेट रैकेट का दावा

दूसरे राज्यों के लोगों को बनाया हरियाणा निवासी; एडवोकेट ने खोली पोल

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में हरियाणा का गलत तरीके से निवासी प्रमाण पत्र (डोमिसाइल) बनाने के मामले का खुलासा हुआ है। मेवात से सटे इलाकों में सक्रिय इस सिंडिकेट के जरिए दूसरे राज्यों के नागरिकों को अवैध तरीके से हरियाणा का स्थायी निवासी दिखाया जा रहा है। गुरुग्राम कोर्ट के वरिष्ठ एडवोकेट जगदीप श्योराण ने इस रैकेट का खुलासा किया है। उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस, प्रशासन और सीएम विंडो पर भी की, लेकिन आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब सीएम विंडो की शिकायतों के समाधान बारे मुख्यमंत्री नायब सैनी से बात की, तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि सीएम विंडो की शिकायतों को वे खुद देखते हैं, अगर कोई अधिकारी लापरवाही बरतता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में गुरुग्राम से पकड़े गए बंगलादेश के नागरिकों के पास भी कई स्थानीय डॉक्यूमेंट मिले थे। जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा होने की आशंका रहती है। दरअसल दिल्ली और अन्य राज्यों के रहने वाले लोग मेवात सीमा से लगते गुरुग्राम के गांवों में आते हैं। वहां स्थानीय सरपंचों और दलालों के साथ मिलकर कागजी सांठगांठ की जाती है। नियमों को ताक पर रखकर, इन बाहरी लोगों को गांवों में पिछले 15 साल से लगातार रहने वाला निवासी (रेजिडेंट) घोषित कर दिया जाता है। इस फर्जी वेरिफिकेशन के आधार पर प्रशासनिक अधिकारी भी बिना किसी गहन जांच के उनका हरियाणा डोमिसाइल सर्टिफिकेट जारी कर देते हैं। जनकपुरी के व्यक्ति ने बनवाया डोमिसाइल एडवोकेट श्योराण ने हैरान करने वाले एक केस का हवाला देते हुए बताया कि दिल्ली के जनकपुरी के रहने वाले नितिन नंदा नाम के शख्स ने इसी तरीके से सांचोली गांव से डोमिसाइल बनवा लिया। जबकि जिस 15 साल की अवधि का निवास इस गांव में दिखाया गया है, उस दौरान वह दिल्ली के जनकपुरी में रहता था। उन्होंने दावा किया कि यह कोई इकलौता मामला नहीं है। इस तरह के फर्जीवाड़े के एक या दो नहीं, बल्कि अनगिनत केस लगातार सामने आ रहे हैं। के आधार पर गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के लॉ कोर्स में दाखिला ले लिया। उसने हरियाणा के मूल निवासियों के लिए आरक्षित सीट पर अवैध रूप से कब्जा किया है। इस फर्जीवाड़े का सबसे ज्यादा असर हरियाणा के मूल छात्रों और युवाओं के भविष्य पर पड़ रहा है। यानि शिक्षा से लेकर सरकारी नौकरियों और योजनाओं तक, हरियाणा के युवाओं के हक को इस सिंडिकेट के जरिए लूटा जा रहा है। शिकायतों पर प्रशासन मौन, सीएम विंडो भी बेअसर उन्होंने प्रशासनिक तंत्र की सुस्ती पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने बताया कि हमने इस पूरे मामले की पुख्ता सबूतों के साथ पुलिस, जिला प्रशासन से लेकर मुख्यमंत्री की विशेष सीएम विंडो तक लिखित शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन धरातल पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है बार-बार गुहार लगाने के बाद भी सिंडिकेट के हौसले बुलंद हैं।

सम्पादकीय

पत्रकारिता के लिए नया सबक

पिछले सवा महीनों से नयी पीढ़ी के जोश से गुलजार जंतर-मंतर अब शांत है। लेकिन पेपर लीक के खिलाफ जिस आंदोलन की शुरूआत हुई, उससे अब देश की सियासत से लेकर समाज तक बड़ी हलचल खड़ी हो चुकी है। दिल्ली, मुंबई, पटना, प्रयागराज, पुणे तमाम शहरों से बेहद सुंदर तस्वीरें सामने आई, जिन्होंने साबित किया कि देश में लोकतंत्र अभी मरा नहीं है। लोकतंत्र की जो नयी धड़कनें आंदोलन में सुनाई दीं, उन से अब सत्ता और सत्तापोषित मीडिया दोनों के लिए चेतावनी है कि वे संभल जाएं और ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाएं। दो दिन फ्रेंड्स कहकर इंस्टाग्राम पर संदेश देने वाले प्रधानमंत्री ने जब रविवार देर रात तक कोई संदेश नहीं दिया, तो समझ आ गया कि वे पूरे खोखलेपन के साथ नयी पीढ़ी को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी जब इंटरनेट, मेट्रो सेवाएं, स्विगी-जोमैटो, ओला-उबर-रैपिडो सब कुछ बंद करने के बाद भी आंदोलन में शामिल होने के लिए लोगों को जंतर-मंतर तक पहुंचने से नहीं रोक सके। जब धर्म, जाति, भाषा, लिंग सारे भेदभावों को हवा में उड़ाकर दिन-रात लोग एकजुटता के साथ सरकार के विरोध में डटे रहे। जब लाठी चार्ज, बैरिकेडिंग, पानी की बौछार, विश्वविद्यालयों के आंदोलन में शामिल न होने के फरमान, झूठे मुकदमों, पासपोर्ट रद्द करने की धमकी जैसे दमनकारी उपाय भी लोगों की हिम्मत को नहीं तोड़ पाए, तो मोदी को लगा कि इस नयी पीढ़ी से इसी की शैली में संवाद किया जाए, तो ये लोग समझ जाएंगे। मगर यहां भी मोदी को डबल झटका लगा। नयी पीढ़ी ने उनकी फ्रेंड रिक्वेस्ट को पूरी तरह हवा में उड़ा दिया। ऊपर से उनके कैमरा एंगल को लेकर सोशल मीडिया पर खूब फजीहत भी हुई। इसलिए मोदी शायद तीसरे दिन फ्रेंड्स बोलने से और कोई संदेश देने से बचे। हालांकि धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा लेकर उन्होंने जंतर-मंतर से आंदोलन तो खत्म करवा दिया है, बस इसी से उन्हें थोड़ी राहत मिल सकती है। लेकिन इसके बावजूद अब मोदी चैन से बैठ पाएंगे, इसकी गारंटी नहीं है। पिछले बारह सालों की उनकी राजनीतिक चतुराई और सत्ता पर बने रहने की कला को इस बार सबसे बड़ी चुनौती मिली है, वो भी सीधे नयी पीढ़ी की तरफ से। जो न गोदी मीडिया के एजेंडे पर कान धरती है, न सरकारी दबाव की उसे परवाह है। दरअसल भाजपा के विभाजनकारी एजेंडे को मीडिया के बड़े हिस्से ने लगातार खाद-पानी दिया। इससे तथाकथित पत्रकारों की और उनके मालिकान की दुकानदारी खूब फली-फूली और सत्ता के जरिए लोकतंत्र और संविधान को कुचलने के काम में भाजपा को आसानी हुई। पिछले बारह सालों में अनगिनत बार इस बात पर चिंता जताई जाती रही कि जो खुद को मुख्यधारा का मीडिया कहता है, वहां मुख्य मुद्दे यानी जनता के हित से जुड़े मुद्दे बिल्कुल गायब हैं। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य की बदहाली इन सब पर कोई चर्चा नहीं होती और हर बात में हिंदू-मुसलमान एंगल खड़ा कर दिया जाता है। खुद विपक्षी दल सरेआम कई पत्रकारों को कह चुके कि आप मोदी के मित्र उद्योगपतियों और भाजपा के लिए काम करते हैं। विपक्ष खबरें नहीं दिखाते और हमारी खबरों को गायब करते हैं। राहुल गांधी, अखिलेश यादव जैसे नेताओं के तो कई बयान सोशल मीडिया पर हैं, जिनमें वे मीडिया पर तंज कसते हैं। लेकिन इसके बावजूद विपक्षी दलों ने ऐसे मीडिया का पूरी तरह से बहिष्कार नहीं किया, जिसने पेशेवर बेईमानी की। बल्कि विपक्षी नेताओं के घरों और दफ्तरों में ऐसे लोगों का खूब सत्कार हुआ, जिन्होंने झूठ और चापलूसी को पत्रकारिता का नाम दिया। नयी पीढ़ी यानी जेन जी यहां भी समझदारी दिखा गई। जंतर-मंतर पर बाकायदा एक दीवार पर कुछ ऐसे पत्रकारों की तस्वीरें लगा कर उन पर क्रॉस बना दिया, जिन्होंने मोदी सरकार की चाटुकारिता में कोई कमी नहीं छोड़ी और देश में नफरत फैलाने में अपना भरपूर सहयोग किया। खुद को सेलिब्रिटी मानने वाले इन पत्रकारों को यह सब देखकर शर्म आई या नहीं, कहा नहीं जा सकता। क्योंकि जब आंदोलनकारियों को पीटा जा रहा था, जब निदोषों का दमन हो रहा था, तब भी ये लोग किसी भी तरह सरकार का बचाव करने में लगे थे। किसी ने नैरेटिव चलाया कि आंदोलन की विदेशी फंडिंग हो रही है, किसी ने साबित करने की कोशिश की कि आंदोलनकारियों ने ही पुलिस को पीटा, वो असामाजिक तत्व हैं। यही सब किसान आंदोलन और शाहीन बाग आंदोलन में भी हुआ था। उन्हें खालिस्तानी, पाकिस्तान और चीन से प्रायोजित, सोरोस का एजेंडा न जाने क्या कुछ कहा गया। नयी पीढ़ी यह सब देख रही थी, इसलिए जब उस पर ऐसे ही आरोप लगे तो उसने अपने तरीके से जवाब दिया।

हरित भविष्य की राहः प्रकृति संरक्षण का संकल्प

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष आज जैव विविधता के संरक्षण, विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित किए जाने, पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की रक्षा करने के क्रम में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया जाता है। आज विकास की होड़ में जगह-जगह कंक्रीट के जंगल खड़े किए जा रहे हैं और प्राकृतिक संसाधनों का जमकर दोहन किया जा रहा है। मानव अपने स्वार्थ और लालच के चक्कर में प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करना भूल सा गया है और प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जंगल कम होते चले जा रहे हैं और जलवायु परिवर्तन हो रहा है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है और ग्लेशियर पिघल रहे हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, वन, मिट्टी, वायु, वन्यजीव और जैव विविधता आदि सीमित हैं तथा इनके संरक्षण के बिना मानव जीवन और सतत विकास संभव नहीं है। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी और नैतिक कर्तव्य है। आज के समय में अनियंत्रित शहरीकरण, प्लास्टिक प्रदूषण, अंधाधुंध खनन और वनों की कटाई प्रकृति के सामने सबसे बड़ी चुनौतियाँ हैं। वास्तव में प्रकृति केवल हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन नहीं, बल्कि जीवन का मूल आधार है। यदि जंगल, नदियाँ, मिट्टी, वायु और वन्यजीव सुरक्षित रहेंगे, तभी मानव सभ्यता का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जल बचाने, अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने, प्लास्टिक का कम उपयोग करने तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। प्रकृति का सम्मान और संरक्षण ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे मूल्यवान विरासत है। बहरहाल, यदि हम यहां पर भारत में वनों की स्थिति की बात करें तो एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 21.76% भाग वन क्षेत्र है, जबकि वृक्ष आवरण लगभग 3.41% है। दोनों को मिलाकर वन एवं वृक्ष आवरण लगभग 25.17% है। कहना गलत नहीं होगा कि आज देश में विकास परियोजनाओं, सड़क एवं रेल निर्माण, खनन, शहरीकरण और अवैध कटाई के कारण कई क्षेत्रों में वनों पर दबाव बढ़ रहा है। वनों की कटाई से जैव विविधता घटती है, वन्यजीवों के आवास नष्ट होते हैं, मिट्टी का कटाव बढ़ता है और जलवायु परिवर्तन की समस्या गंभीर होती है। आज प्रकृति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती प्लास्टिक प्रदूषण की है। यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो जानकारी मिलती है कि दुनिया में हर वर्ष 400 मिलियन टन (40 करोड़ टन) से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है। इसका बड़ा हिस्सा कचरे के रूप में पर्यावरण में पहुँच जाता है। यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही, तो 2050 तक गलत तरीके से प्रबंधित प्लास्टिक कचरा लगभग दोगुना होकर 12.1 करोड़ टन प्रति वर्ष तक पहुँच सकता है। भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के समक्ष एक बहुत ही गंभीर व बड़ी चुनौती है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में 2022ष23 के दौरान लगभग 41.36 लाख टन (4.14 मिलियन टन) प्लास्टिक कचरा दर्ज किया गया। यह बहुत ही संवेदनशील है कि भारत से हर वर्ष लगभग 93 लाख टन (9.3 मिलियन टन) प्लास्टिक पर्यावरण में उत्सर्जित होता है, जो वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का लगभग 20% है। इतना ही नहीं, आज एआइ व इलैक्ट्रिक व्हीकल का दौर है। एआइ और इलेक्ट्रिक व्हीकल के दौर में भी प्रदूषण की चुनौती बहुत बड़ी है। एआइ के लिए विशाल डेटा सेंटरों को भारी मात्रा में बिजली और पानी की आवश्यकता होती है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों के निर्माण के लिए लिथियम, कोबाल्ट और निकेल जैसे खनिजों का बड़े पैमाने पर खनन किया जाता है, जिससे पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है। यदि इन बैटरियों का वैज्ञानिक ढंग से पुनर्चक्रण (रि-साइकल) न किया जाए, तो ये भविष्य में नए प्रकार के प्रदूषण का कारण बन सकती हैं।

आंदोलन, नेतृत्व और लोकतंत्र : सवालों के बीच सच्चाई की तलाश

किंतु इतिहास यह भी बताता है कि हर आंदोलन स्वतः पवित्र नहीं होता और न ही हर आंदोलन संदेह से परे होता है। यदि किसी आंदोलन के उद्देश्य, नेतृत्व, वित्तीय स्रोत, संगठनात्मक संरचना और कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठते हैं, तो उनका उत्तर भी लोकतांत्रिक पारदर्शिता के साथ दिया जाना चाहिए। इसी प्रकार, किसी आंदोलन के विरुद्ध लगाए गए आरोपों का भी मूल्यांकन प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक धारणाओं के आधार पर। हाल के वर्षों में भारत में अनेक आंदोलनों ने राष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित किया है। किसान आंदोलन, नागरिकता संशोधन कानून के विरोध प्रदर्शन, विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरुद्ध आंदोलन तथा युवाओं से जुड़े अनेक अभियान इसका उदाहरण हैं। इन आंदोलनों ने यह स्पष्ट किया कि देश का युवा वर्ग अपने अधिकारों और भविष्य के प्रश्नों पर मुखर है। साथ ही, इन आंदोलनों ने यह प्रश्न भी उठाया कि किसी जनांदोलन की वैधता केवल उसके उद्देश्य से नहीं, बल्कि उसके संचालन की पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से भी तय होती है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, संवाद, असहमति और उत्तरदायित्व से भी संचालित होता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलन सामाजिक चेतना का माध्यम होते हैं। वे सत्ता को आईना दिखाते हैं, जनता की पीड़ा को स्वर देते हैं और नीतिगत सुधारों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। किंतु इतिहास यह भी बताता है कि हर आंदोलन स्वतः पवित्र नहीं होता और न ही हर आंदोलन संदेह से परे होता है। यदि किसी आंदोलन के उद्देश्य, नेतृत्व, वित्तीय स्रोत, संगठनात्मक संरचना और कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठते हैं, तो उनका उत्तर भी लोकतांत्रिक पारदर्शिता के साथ दिया जाना चाहिए। इसी प्रकार, किसी आंदोलन के विरुद्ध लगाए गए आरोपों का भी मूल्यांकन प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक धारणाओं के आधार पर। हाल के वर्षों में भारत में अनेक आंदोलनों ने राष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित किया है। किसान आंदोलन, नागरिकता संशोधन कानून के विरोध प्रदर्शन, विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरुद्ध आंदोलन तथा युवाओं से जुड़े अनेक अभियान इसका उदाहरण हैं। इन आंदोलनों ने यह स्पष्ट किया कि देश का युवा वर्ग अपने अधिकारों और भविष्य के प्रश्नों पर मुखर है। साथ ही, इन आंदोलनों ने यह प्रश्न भी उठाया कि किसी जनांदोलन की वैधता केवल उसके उद्देश्य से नहीं, बल्कि उसके संचालन की पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से भी तय होती है। जब कोई नया चेहरा अचानक राष्ट्रीय स्तर पर उभरता है, सोशल मीडिया पर अल्प समय में अत्यधिक लोकप्रियता प्राप्त करता है या किसी बड़े आंदोलन का नेतृत्व करता दिखाई देता है, तो स्वाभाविक रूप से जिज्ञासा उत्पन्न होती है। लोग उसके जीवन, पृष्ठभूमि, वैचारिक यात्रा, आर्थिक स्रोत और संगठनात्मक क्षमता के बारे में जानना चाहते हैं। लोकतंत्र में यह जिज्ञासा अनुचित नहीं है। सार्वजनिक जीवन में सक्रिय व्यक्ति से सार्वजनिक जवाबदेही की अपेक्षा भी स्वाभाविक है। किंतु जिज्ञासा और आरोप के बीच एक स्पष्ट रेखा होती है। प्रश्न पूछना लोकतांत्रिक अधिकार है, जबकि बिना प्रमाण किसी निष्कर्ष पर पहुँच जाना लोकतांत्रिक विवेक के विपरीत है। आज सोशल मीडिया ने राजनीति की प्रकृति बदल दी है। पहले लोकप्रियता वर्षों के संघर्ष से मिलती थी, अब कभी-कभी कुछ दिनों में लाखों-करोड़ों लोगों तक पहुँच बन जाती है। एल्गोरिद्म, वायरल सामग्री, मीडिया कवरेज, समर्थकों के अभियान, विज्ञापन और डिजिटल नेटवर्क किसी व्यक्ति की पहुँच को बहुत तेजी से बढ़ा सकते हैं। इसलिए केवल अनुयायियों की संख्या देखकर किसी षड्यंत्र का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। वहीं दूसरी ओर यदि किसी डिजिटल अभियान में कृत्रिम प्रचार, बॉट नेटवर्क या अपारदर्शी संसाधनों के संकेत मिलते हैं, तो उनकी स्वतंत्र जाँच भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा होनी चाहिए। लोकतंत्र में आंदोलन की सफलता केवल भीड़ की संख्या से नहीं मापी जाती। कई बार छोटे आंदोलन बड़े परिवर्तन का कारण बनते हैं और कई बार विशाल भीड़ भी स्थायी प्रभाव नहीं छोड़ पाती। किंतु किसी आंदोलन में यदि हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति की क्षति, पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव या उकसावे की घटनाएँ सामने आती हैं, तो उनकी निष्पक्ष जाँच आवश्यक हो जाती है। यह भी उतना ही आवश्यक है कि दोषियों की पहचान व्यक्तिगत जिम्मेदारी के आधार पर हो, न कि पूरे आंदोलन या पूरे समाज को एक ही रंग में रंग दिया जाए। भारत का संविधान नागरिकों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार देता है। साथ ही, राज्य पर यह दायित्व भी डालता है कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखे। इसलिए लोकतंत्र में आंदोलन और प्रशासन दोनों की परीक्षा होती है। यदि आंदोलन हिंसक होता है तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ता है। यदि प्रशासन आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग करता है तो उसकी वैधता पर प्रश्न उठते हैं। संतुलन ही लोकतंत्र की पहचान है। राजनीतिक दलों का आंदोलनों में शामिल होना भी भारतीय राजनीति की पुरानी परंपरा है। विपक्ष का काम केवल संसद में बहस करना नहीं, बल्कि जनता के बीच जाकर सरकार की नीतियों का विरोध करना भी है। इसी प्रकार सत्ता पक्ष का दायित्व केवल विरोध को राजनीतिक साज़िश बताना नहीं, बल्कि जनता के वास्तविक प्रश्नों का समाधान प्रस्तुत करना भी है। लोकतंत्र में स्वस्थ विपक्ष और उत्तरदायी सरकार दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। आंदोलनों के वित्तीय स्रोतों पर पारदर्शिता का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लंबे समय तक चलने वाले धरने, मंच, प्रचार, परिवहन, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं के लिए संसाधनों की आवश्यकता होती है। इसलिए यह अपेक्षा अस्वाभाविक नहीं कि बड़े आंदोलनों के आयोजक अपने वित्तीय स्रोतों के प्रति पारदर्शी रहें। इसी प्रकार यदि किसी संगठन पर विदेशी फंडिंग या अन्य अवैध आर्थिक सहायता का आरोप लगाया जाता है, तो उसका निर्णय केवल वैधानिक जाँच और न्यायिक प्रक्रिया से ही होना चाहिए। लोकतंत्र में आरोप और प्रमाण समानार्थी नहीं होते। भारत का युवा वर्ग आज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप, भर्ती प्रक्रियाओं में विलंब, बेरोजगारी और भविष्य की अनिश्चितता युवाओं में असंतोष पैदा करती है। यदि इन वास्तविक समस्याओं का समाधान समय पर न हो, तो कोई भी आंदोलन व्यापक समर्थन प्राप्त कर सकता है। इसलिए सरकारों के लिए सबसे बड़ा उत्तर आंदोलन को दबाना नहीं, बल्कि उन कारणों का समाधान करना है जो आंदोलन की पृष्ठभूमि बनते हैं। उधर आंदोलनकारियों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। यदि आंदोलन किसी विशेष मुद्दे पर है, तो उसका फोकस उसी मुद्दे पर रहना चाहिए। यदि विभिन्न असंबंधित राजनीतिक या वैचारिक एजेंडे उसमें शामिल होने लगें, तो आम नागरिकों के मन में भ्रम उत्पन्न होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि किसी भी जनांदोलन

महादयी परियोजना को केंद्र से नहीं मिली मंजूरी - विवाद सुप्रीम कोर्ट में लंबित

यही कारण है कि जब किसी नदी के जल बंटवारे को लेकर राज्यों के बीच मतभेद उत्पन्न होते हैं तो उनका प्रभाव केवल प्रशासनिक स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लाखों लोगों के जीवन, आर्थिक गतिविधियों और प्राकृतिक संसाधनों पर भी पड़ता है। दक्षिण-पश्चिम भारत की महादयी नदी इसी प्रकार के बहुआयामी विवाद का केंद्र रही है। कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र के बीच दशकों से चल रहे इस विवाद ने समय-समय पर राजनीतिक, कानूनी और पर्यावरणीय बहसों को जन्म दिया है। हाल ही में केंद्र सरकार ने महादयी नदी बेसिन में प्रस्तावित कलसा-बंडूरी पेयजल परियोजना के लिए वन्यजीव मंजूरी संबंधी कर्नाटक सरकार के प्रस्ताव को वापस लौटा दिया। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह मामला वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए वन्यजीव मंजूरी पर आगे की कार्रवाई करना उचित नहीं होगा। भविष्य में न्यायालय के निदेर्शों के अनुरूप प्रस्ताव पर पुनर्विचार किया जाएगा। इस प्रकार केंद्र सरकार ने प्रस्ताव को अस्वीकार नहीं किया है, बल्कि वर्तमान परिस्थितियों में उस पर निर्णय टाल दिया।

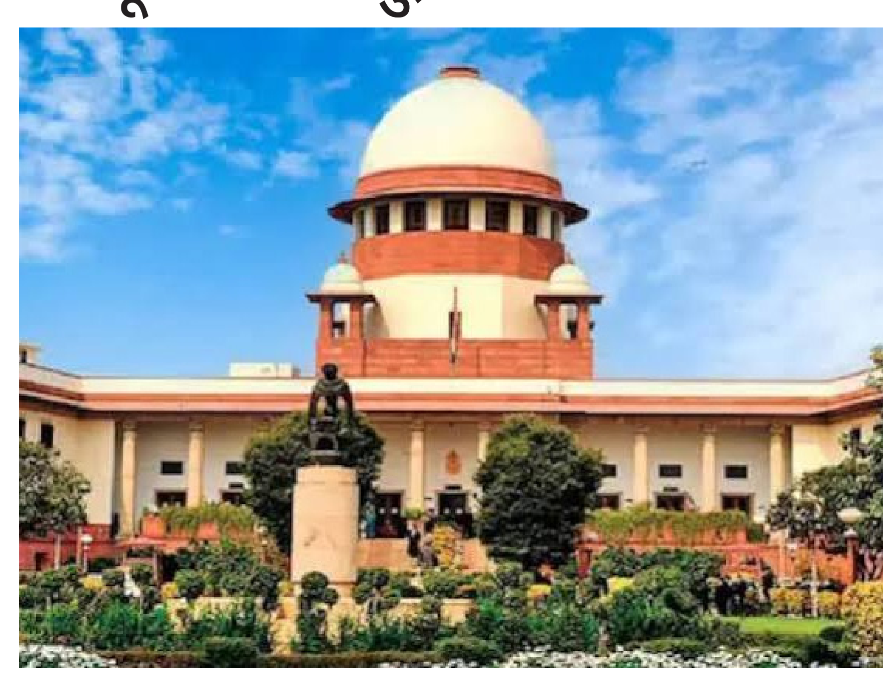

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

(लेखक)

भारत में नदियाँ केवल जल का स्रोत नहीं हैं, बल्कि कृषि, पेयजल, पर्यावरण, जैव विविधता और क्षेत्रीय विकास की आधारशिला भी हैं। यही कारण है कि जब किसी नदी के जल बंटवारे को लेकर राज्यों के बीच मतभेद उत्पन्न होते हैं तो उनका प्रभाव केवल प्रशासनिक स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लाखों लोगों के जीवन, आर्थिक गतिविधियों और प्राकृतिक संसाधनों पर भी पड़ता है। दक्षिण-पश्चिम भारत की महादयी नदी इसी प्रकार के बहुआयामी विवाद का केंद्र रही है। कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र के बीच दशकों से चल रहे इस विवाद ने समय-समय पर राजनीतिक, कानूनी और पर्यावरणीय बहसों को जन्म दिया है। हाल ही में केंद्र सरकार ने महादयी नदी बेसिन में प्रस्तावित कलसा-बंडूरी पेयजल परियोजना के लिए वन्यजीव मंजूरी संबंधी कर्नाटक सरकार के प्रस्ताव को वापस लौटा दिया। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह मामला वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए वन्यजीव मंजूरी पर आगे की कार्रवाई करना उचित नहीं होगा। भविष्य में न्यायालय के निदेर्शों के अनुरूप प्रस्ताव पर पुनर्विचार किया जाएगा। इस प्रकार केंद्र सरकार ने प्रस्ताव को अस्वीकार नहीं किया है, बल्कि वर्तमान परिस्थितियों में उस पर निर्णय टाल दिया। इस निर्णय ने एक बार फिर महादयी विवाद को राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया है। कर्नाटक सरकार का कहना है कि यह परियोजना उत्तर कर्नाटक के जल संकट से जूझ रहे जिलों के लिए अत्यंत आवश्यक है, जबकि गोवा सरकार का तर्क है कि इससे राज्य की पारिस्थितिकी, नदी प्रवाह और वन्यजीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। महाराष्ट्र भी इस नदी बेसिन में अपनी हिस्सेदारी का दावा करता है। परिणामस्वरूप यह विवाद केवल जल बंटवारे तक सीमित न रहकर पर्यावरण संरक्षण, संघीय ढांचे और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय बन गया है। महादयी नदी पश्चिमी घाट क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण नदी है। इसे गोवा में ह्लमांडोवी नदीह्व के नाम से भी जाना जाता है। यह नदी पश्चिमी घाट के घने वनों और जैव विविधता से समृद्ध क्षेत्रों से होकर गुजरती है। इसकी कुल लंबाई लगभग 111 किलोमीटर मानी जाती है। महादयी नदी का उद्गम कर्नाटक के बेलगावी जिले के पश्चिमी घाट क्षेत्र में होता है। इसके बाद नदी गोवा में प्रवेश करती है और अंततः अरब सागर में मिल जाती है। नदी का अधिकांश प्रवाह गोवा में है, जबकि इसका जलग्रहण क्षेत्र कर्नाटक और महाराष्ट्र तक फैला हुआ है। इस नदी की अनेक सहायक नदियाँ हैं, जो वर्षा ऋतु में जल प्रवाह को बढ़ाती हैं। पश्चिमी घाट क्षेत्र में भारी वर्षा होने के कारण महादयी नदी वर्षभर जल उपलब्ध कराती है। यही कारण है कि यह नदी गोवा की जीवनरेखा मानी जाती है। महादयी नदी का महत्व तीनों राज्यों के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण से देखा जाता है। गोवा में यह नदी पेयजल की प्रमुख स्रोत है। राजधानी पणजी सहित अनेक शहरों और कस्बों को इसी नदी से जल आपूर्ति होती है। नदी पर्यटन, मत्स्य पालन, नौवहन और कृषि के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। गोवा की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा पर्यटन पर आधारित है। महादयी और मांडोवी नदी पर आयोजित क्रूज पर्यटन, जल क्रीड़ाएँ तथा नदी तटीय पर्यटन राज्य की आय में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कर्नाटक विशेषकर उत्तर कर्नाटक के कई जिले लंबे समय से पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। राज्य सरकार का कहना है कि महादयी नदी की कुछ सहायक धाराओं से सीमित मात्रा में पानी लेकर इन क्षेत्रों को राहत दी जा सकती है। हुबली-धारवाड़, बेलगावी, गदग तथा आसपास के क्षेत्रों में गर्मियों के दौरान पानी की भारी कमी देखने को मिलती है। कलसा-बंडूरी परियोजना का उद्देश्य इन्हीं क्षेत्रों की जल आवश्यकताओं को पूरा करना है। महाराष्ट्र का महादयी नदी बेसिन में सीमित हिस्सा है, लेकिन राज्य भी जल उपयोग के अपने अधिकारों का दावा करता रहा है। इसलिए वह भी इस विवाद में एक पक्ष बना हुआ है। महादयी नदी का अधिकांश जलग्रहण क्षेत्र पश्चिमी घाट में स्थित है। पश्चिमी घाट विश्व के सबसे महत्वपूर्ण जैव विविधता वाले क्षेत्रों में से एक माना जाता है। यह क्षेत्र अनेक दुर्लभ वनस्पतियों, पक्षियों, स्तनधारियों और सरीसृपों का प्राकृतिक आवास है। यहाँ बाघ, तेंदुआ, हाथी, गौर, हिरण, मालाबार विशाल गिलहरी तथा अनेक संकटग्रस्त प्रजातियाँ पाई जाती हैं। महादयी वन्यजीव अभयारण्य तथा आसपास के संरक्षित वन इस पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। पर्यावरणविदों का मानना है कि नदी के प्राकृतिक प्रवाह में किसी भी प्रकार का बड़ा परिवर्तन वन्यजीवों और जंगलों पर दीर्घकालीन प्रभाव डाल सकता है। महादयी जल विवाद नया नहीं है। इसकी शुरूआत लगभग चार दशक पहले हुई थी। जैसे-जैसे उत्तर कर्नाटक में जल संकट बढ़ा, राज्य सरकार ने महादयी नदी की सहायक धाराओं से पानी मोड़ने की योजना तैयार की। गोवा ने इसका विरोध किया और कहा कि इससे राज्य में नदी का प्राकृतिक प्रवाह कम हो जाएगा। धीरे-धीरे यह विवाद दोनों राज्यों के बीच राजनीतिक मुद्दा बन गया। कई बार आंदोलन हुए, ज्ञापन दिए गए और केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की गई। जब आपसी सहमति नहीं बन सकी तो मामला कानूनी प्रक्रिया तक पहुँच गया। महादयी जल विवाद न्यायाधिकरण ने वर्षों तक तकनीकी और कानूनी अध्ययन किया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। इनमें प्रमुख थे वर्षा के आँकड़े। नदी के प्रवाह का वैज्ञानिक अध्ययन।

सावन में हरे रंग का महत्व

संजय कुमार सुमन

सावन मास आते ही प्रकृति अपने सबसे हरे और जीवंत रूप में प्रकट होती है। पेड़, पत्ते, खेत और वातावरण एक अद्भुत हरियाली से भर जाते हैं।हरा रंग प्रकृति का रंग है और यह ताजगी और नई शुरूआत का प्रतीक है। यह रंग हमें प्राकृतिक चीजों के करीब लाता है और हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाता है।इसी के साथ भारतीय परंपरा में विशेष रूप से महिलाओं द्वारा हरे वस्त्र और हरी चूड़ियाँ धारण करने की परंपरा देखने को मिलती है। यही कारण है कि सावन के महीने में हरे रंग की चूड़ियां और कपड़े आदि पहनना शुभ माना जाता है।सावन के महीने में बारिश होती है, जो धरती को हरा-भरा बना देती है। हरे रंग के कपड़े पहनने से महिलाओं को प्रकृति से जुड़ाव महसूस होता है।यह उन्हें ताजगी और शांति का अनुभव कराती है। हरा रंग न केवल शिव की कृपा प्राप्त करने का प्रतीक है, बल्कि यह हमें प्राकृतिक चीजों के करीब भी लाता है और हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाता है। इस तरह, हरे रंग का उपयोग सावन में खास महत्व रखता है।सावन आते ही चारों तरफ हरियाली आ जाती है। यह महीना प्रकृति के साथ जुड़ने के लिए सबसे उत्तम समय माना जाता है। मान्यता है कि भगवान भोलेनाथ को हरी-भरी प्रकृति बेहद प्रिय है। इसलिए सावन माह में हरे रंग का वस्त्र पहना शुभ माना गया है। इस माह में सुहागिनें श्रृंगार में हरे रंग का इस्तेमाल ज्यादा करती है और हरे रंग की चूड़ियां और साड़ी पहनकर भगवान शिव की पूजा करती हैं। हरा रंग प्रेम,खुशहाली और सुख-सौभाग्य का प्रतीक होता है। इसलिए महिलाएं सावन में हरे रंग का वस्त्र और चूड़ी पहनती हैं और हाथों में मेंहदी लगाती है। ज्योतिष में हरे रंग का स्वामी बुध ग्रह को माना गया है। हरा रंग बसंत ऋतु, प्रकृति, नवजीवन, कर्मठता और जवानी की रंग माना जाता है। हरा रंग शांति, तनाव से मुक्ति और स्फूर्ति देने में लाभकारी माना गया है। कहा जाता है कि हरे रंग के इस्तेमाल से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। सावन में सुहागिन महिलाएं हरे रंग की चूड़ियां, साड़ियां, बिंदी और मेहंदी का उपयोग विशेष रूप से करती हैं। ये केवल श्रृंगार की वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि इनका गहरा आध्यात्मिक अर्थ भी है। हरे रंग की चूड़ियां सौभाग्य और अखंड सुहाग का प्रतीक होती हैं, वहीं मेहंदी का गहरा रंग प्रेम और भक्ति की गहराई को दशार्ता है। सावन केवल एक ऋतु नहीं, बल्कि आत्मा को शुद्ध करने का एक आध्यात्मिक पर्व है। हरियाली, भक्ति और प्रेम से ओत-प्रोत यह मास हमें प्रकृति से जुड़ने, रिश्तों को सहेजने और शिव की कृपा प्राप्त करने का सुंदर अवसर देता है।महिलाएं जब हरे रंग से सजी-संवरी भोलेनाथ की आराधना करती हैं, तो वह केवल परंपरा नहीं निभा रहीं होतीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवन दर्शन को साकार कर रही होती हैं। भारतीय परंपराओं में हरा रंग समृद्धि, उर्वरता और नई शुरूआत का प्रतीक माना जाता है। सावन के दौरान, कई महिलाएं धार्मिक समारोहों और उत्सवों में भाग लेते समय हरे रंग के वस्त्र पहनना पसंद करती हैं, जो इन सकारात्मक मूल्यों का प्रतीक है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए श्रावण माह में गहन तपस्या की थी। इसी कारण हरा रंग शुभ माना जाता है, विशेषकर विवाहित महिलाओं और सावन के अनुष्ठान करने वालों के लिए।हरी साड़ी श्रावण माह की भावना को खूबसूरती से प्रतिबिंबित करती है और साथ ही शाश्वत सुंदरता भी प्रदान करती है। हाथ से बुने हुए कपड़े, समृद्ध बनावट और पारंपरिक शिल्प कौशल उन्हें मंदिर दर्शन, पारिवारिक समारोहों और उत्सवों के लिए विशेष रूप से सार्थक बनाते हैं। हम जीवन के सभी सकारात्मक पहलुओं जैसे झ्र स्वास्थ्य, शक्ति, धन-समृद्धि, संतुलन, विकास आदि में हरे रंग का प्रयोग करना शुभ मानते हैं। रचनात्मकता और उत्पादकता को बढ़ाने में भी हरे रंग की विशेष भूमिका होती है। गहरा हरा रंग पुरूषत्व को तथा हल्का हरा रंग स्त्रीत्व को दशार्ता है। हरे रंग के विभिन्न रूपों के भिन्न प्रभाव देखने को मिलते हैं। गहरे हरे रंग को धन से जोड़ा जाता है।चमकीले हरे रंग को उम्मीद और सुरक्षा से जोड़ा जाता है। यह रंग स्थिरता और धीरज का भी प्रतिनिधित्व करता है, हालांकि यह प्रकृति से जुड़ा हुआ है। चमकीले हरे रंग को अक्सर पौधों और पर्यावरण के अनुकूल माना जाता है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, मंगलवार, 28 जुलाई, 2026

संक्षिप्त खबरें

डीजे को लेकर पुलिस की सख्त एडवाइजरी, नियम तोड़े तो होगी कार्रवाई

बागपत। जिले में आगामी श्रावण मास कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। एसपी बागपत ने तेज साउंड वाले, और ऊंची हाइट वाले डीजे पर रोक लगा दी है। कांवड़ यात्रियों, डीजे संचालकों और वाहन चालकों को साफ कहा गया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की ओर से जारी एडवाइजरी के अनुसार, कांवड़ और डीजे की अधिकतम ऊंचाई 10 फीट तथा चौड़ाई 12 फीट निर्धारित की गई है। इसके अलावा डीजे और साउंड सिस्टम की आवाज 75 डेसीबल से अधिक नहीं होनी चाहिए, ताकि ध्वनि प्रदूषण और अव्यवस्था को रोका जा सके। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कांवड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार के हथियार जैसे हॉकी, बेसबॉल बैट, लाठी-डंडा या तलवार साथ ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं, दोपहिया वाहन चालकों के लिए मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और तेज आवाज करने वाले उपकरणों के प्रयोग पर भी रोक रहेगी। पुलिस ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करें, जिससे यात्रा शांतिपूर्ण और सुरक्षित रह सके। आपात स्थिति में 112 नंबर पर संपर्क करने की सलाह दी गई है, जबकि महिला, बच्चों और साइबर अपराध से संबंधित हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। एसपी बागपत सूरज कुमार राय ने साफ कर दिया है कि निर्देशों का पालन न करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वाराणसी: गंगा में जल्द दौड़ेंगी सिर्फ इलेक्ट्रिक नाव

वाराणसी। गंगा में पर्यावरण अनुकूल जल परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) गंगा में संचालित डीजल और स्टीमर नौकाओं को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक नौकाओं में बदलने की तैयारी कर रहा है। योजना के तहत भविष्य में गंगा में केवल इलेक्ट्रिक नावों का संचालन करने का लक्ष्य रखा गया है। आईडब्ल्यूएआई के अधिकारियों के अनुसार इस प्रस्ताव पर प्रारंभिक स्तर पर विचार-विमर्श किया जा चुका है और अंतिम निर्णय केंद्र सरकार द्वारा लिया जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद गंगा किनारे इलेक्ट्रिक नौकाओं के संचालन के लिए आवश्यक चार्जिंग स्टेशन विकसित किए जाएंगे, जिससे नावों का संचालन सुचारु रूप से किया जा सके। प्राधिकरण का मानना है कि डीजल और स्टीमर नौकाओं की तुलना में इलेक्ट्रिक नौकाएं पर्यावरण के लिए अधिक सुरक्षित और प्रदूषण रहित होंगी। इससे गंगा में जल और वायु प्रदूषण कम करने के साथ-साथ स्वच्छ एवं टिकाऊ जल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। आईडब्ल्यूएआई के अधिकारी वर्तमान में तकनीकी, संचालन और आधारभूत संरचना से जुड़े विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इलेक्ट्रिक और वैकल्पिक ऊर्जा आधारित जल परिवहन की संभावनाओं का भी विश्लेषण किया जा रहा है, ताकि वाराणसी में आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल जल परिवहन प्रणाली विकसित की जा सके। हालांकि, इस योजना के सामने आर्थिक चुनौती भी है। वर्तमान में डीजल और सीएनजी से संचालित नावों और स्टीमर के संचालकों पर इलेक्ट्रिक नौकाओं में बदलाव का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ सकता है। ऐसे में प्राधिकरण इस दिशा में सरकार से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर भी विचार कर रहा है। सरकार की मंजूरी और आवश्यक वित्तीय सहयोग मिलने के बाद इस महत्वाकांक्षी योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, जिससे गंगा में हरित और प्रदूषण मुक्त जल परिवहन को नई गति मिल सकेगी।

छत पर टहल रहे युवक की हाईटेंशन लाइन से झुलसकर मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया में बिधूना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बरुआ सुखचैनपुर में रविवार रात भीषण गर्मी के बीच छत पर टहल रहे 38 वर्षीय युवक की 11 केवी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के भाई ब्रजमोहन ने बताया कि देवेंद्र रात करीब 10 बजे भोजन के बाद गर्मी से राहत पाने के लिए छत पर टहल रहे थे। इसी दौरान छत के बेहद करीब से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आने से उन्हें करंट लग गया। परिजनों और ग्रामीणों ने सूखी लकड़ी, बांस और फावड़े के हत्थे की मदद से किसी तरह उन्हें तार से अलग किया। इसके बाद गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधूना ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने पीछे मां सुरजमुखी, पिता अर्जुन सिंह, पत्नी बबली, पुत्र नीशू और पुत्री रोशनी को छोड़ गए हैं। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने आवासीय क्षेत्रों के पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों को हटाने की मांग की है।

मुख्यमंत्री के संभावित दौरे से पहले एक्शन मोड में नगर निगम सीर गोवर्धनपुर से काशी विश्वनाथ मार्ग तक चमकाने में जुटा विभाग

- -संत शिरोमणि रविदास के प्रकाश पर्व कार्यक्रम में आएंगे सीएम व बीजेपी अध्यक्ष
- -रविदास जन्मस्थली से काशी विश्वनाथ धाम तक मार्ग का हो रहा कायाकल्प
- -टूटी सड़कों की मरम्मत के साथ जगह-जगह दीवारों पर कराई जा रही पेंटिंग्स

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर 29 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित आगमन को देखते हुए नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री के संभावित भ्रमण मार्ग को साफ-सुथरा, सुरक्षित और आकर्षक बनाने के लिए नगर निगम प्रशासन युद्धस्तर पर कार्य में जुट गया है। सीर गोवर्धनपुर स्थित गुरु रविदास मंदिर से श्री काशी विश्वनाथ धाम तक जाने वाले पूरे मार्ग का कायाकल्प किया जाएगा। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने रविवार को अधिकारियों के साथ संभावित रूट का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रविदास गेट, सोनारपुरा, बंगाली टोला और गोदौलिया मार्ग पर आवश्यक मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मार्ग पर बने पाथवे और नालियों की मरम्मत तत्काल कराई जाए ताकि श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मार्ग को आकर्षक स्वरूप देने के लिए प्रमुख स्थानों पर वॉल पेंटिंग कराई जाए और जहां-जहां सड़कें क्षतिग्रस्त हैं, वहां शीघ्र पैचवर्क कर गड्ढामुक्त बनाया जाए। इसके अलावा विद्युत विभाग को लटक रहे एवं जर्जर बिजली के तारों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए, जिससे सुरक्षा व्यवस्था भी बेहतर हो सके। स्वास्थ्य विभाग को भी विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मार्ग पर कहीं भी निर्माण सामग्री या सीएंडडी वेस्ट (कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट) पड़ा हो तो उसे तत्काल हटाया जाए। साथ ही पूरे रूट पर विशेष सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों और आगंतुकों को साफ-सुथरा एवं व्यवस्थित वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान बिजली विभाग, स्वास्थ्य विभाग और आलोक (लाइटिंग) विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता आगम कटियार, आलोक विभाग के जूनियर इंजीनियर हरीश मिश्रा, जोनल स्वच्छता अधिकारी संदीप भार्गव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर निगम का लक्ष्य मुख्यमंत्री के संभावित आगमन से पहले पूरे मार्ग को सुचारु, सुरक्षित और आकर्षक स्वरूप में तैयार करना है।

संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धन से काशी विश्वनाथ मार्ग को चमकाने में जुटा नगर निगम

–संत शिरोमणि की जयंती पर मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को लेकर जिला प्रशासन सतर्क

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर 29 जुलाई बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के काशी आगमन की संभावना को लेकर नगर निगम प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। संत शिरोमणि की जन्मस्थली सीरगोवर्धनपुर स्थित रविदास मंदिर से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर जाने वाले पूरे मार्ग को स्वच्छ और सुंदर बनाने की कवायद युद्धस्तर पर चल रही है। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने मुख्यमंत्री के संभावित रूट का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रविदास गेट से सोनारपुरा, बंगाली टोला और गोदौलिया मार्ग तक पाथवे तथा नालियों की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए। साथ ही मार्ग पर आवश्यकतानुसार आकर्षक वॉल पेंटिंग कराने और सड़कों पर पैचवर्क (गड्ढामुक्ति) का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने को कहा। सोमवार को यह जानकारी नगर निगम के जनसम्पर्क कार्यालय ने दी। बताया गया कि नगर आयुक्त के निर्देश पर मार्ग में लटक रहे ढीले और जर्जर तारों को तुरंत व्यवस्थित करने का कार्य भी चल रहा है। वहीं, नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग को सख्त हिदायत दी

वाराणसी में तीखी धूप से औसत से 4 डिग्री ऊपर तापमान

वाराणसी। इस बार मानसून की बेरुखी का असर काशी में साफ दिखाई दे रहा है। मानसून को सक्रिय हुए 25 दिन बीत चुके हैं, लेकिन बीच-बीच में बादलों के छंट जाने और धूप निकलने से जिले में सामान्य से काफी कम वर्षा दर्ज की गई है। रविवार को तीखी धूप के चलते वाराणसी का तापमान औसत से 4.7 डिग्री अधिक यानी 38 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार तीन दिनों में मौसम का मिजाज बदल सकता है। रविवार को भी तेज धूप और उमस का असर बना रहा। अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.7 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक है। तापमान में बढ़ोतरी के कारण लोगों को दिनभर गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने राहत की संभावना जताई है।

प्रदर्शन करना छात्र-छात्राओं का अधिकार, लेकिन मयार्दा को पार कर गालियां देना उचित नहीं : मीनाक्षी भराला

प्रात: किरण संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को महिला सम्बन्धी मामलों में जनसुनवाई के दौरान महिला आयोग की सदस्य मीनाक्षी भराला ने कॉक्ररोच जनता पार्टी (सीजेपी) प्रोटेस्ट को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मैंने प्रोटेस्ट में शामिल छात्राओं के ऐसी वीडियो देखें हैं जिसमें वो भद्दी भद्दी गालियां दे रही थीं। धरना प्रदर्शन उनका अधिकार है लेकिन मयार्दा को पार करना उचित नहीं है। छात्राओं ने पहले अभद्रता की जिसके चलते पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान मीनाक्षी भराला ने दिल्ली सीजेपी धरने को लेकर किए सवाल पर कहा कि प्रदर्शन करने वालों को धरने में संयम रखना चाहिये था। लेकिन उन्होंने जो बतमीजी की उसके बाद वहां की स्थिति खराब हुई और पुलिस को सख्ती से निपटना पड़ा। महिला आयोग की सदस्य मीनाक्षी भराला ने यहां जनसुनवाई में आईं पीड़िताओं से संवाद किया। उन्होंने बताया कि जनसुनवाई में 12 से 15 केस आये हैं जिसमें कुछ पहले से चल रहे हैं। कुछ में समझौता कराया जा रहा है। गंभीर मामलों में सम्बंधित थाना प्रभारियों से बात की गई है। महिला सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। महिला आयोग की सदस्य ने कांवड़ यात्रा मार्ग में दुकानों पर नाम लिखने को लेकर किए सवाल पर कहा कि सभी दुकानदारों को दुकान पर अपना नाम लिखने में परेशानी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिन्दू धार्मिक आस्थाओं का सम्मान करते हुए ऐसा किया है। हमारे धमार्नुसार श्रवण मास में मांस मंदिरा वर्जित है, ऐसे में धर्म बचाने के लिए ऐसे कार्य जरूरी है। इस दौरान सम्बंधित जनपदीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

गो सम्मान अभियान के समर्थन में मीरजापुर से सौंपा गया ज्ञापन, लाखों हस्ताक्षरों के साथ 30 से अधिक मांगें रखीं

प्रात: किरण संवाददाता

मीरजापुर । गोमाता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने की मांग को लेकर चल रहे गो सम्मान आह्वान अभियान के द्वितीय चरण के तहत सोमवार को उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर में गोभक्तों ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एवं हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना-पत्र सौंपा। अभियान के तहत देश में अलग-अलग जिलों से 15 करोड़ से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षर सरकार को भेजे गए। मीरजापुर से भी लगभग 3,92,991 नागरिकों के हस्ताक्षरों सहित प्रार्थना-पत्र प्रेषित किया गया। अभियान की प्रमुख मांगों में गोहत्या निषेध के लिए केंद्रीय कानून, गोमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान, केंद्रीय गो मंत्रालय की स्थापना, गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा केंद्रीय गो-चारा नीति लागू करने सहित 30 से अधिक मांगें शामिल हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ गोमाता पूजन, शंखनाद और श्री राम जय राम जय जय राम मंत्रोच्चार के साथ हुआ। इसके बाद गोभक्तों ने झंडे, बैनर और अभियान संबंधी संदेशों के साथ शांतिपूर्ण प्रार्थना-यात्रा निकालते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। यात्रा में भगवान श्रीकृष्ण-बलराम और गोमाता की झांकी भी आकर्षण का केंद्र रही। अभियान के प्रतिनिधियों ने कहा कि गोमाता भारतीय संस्कृति, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने सरकार से जनभावनाओं के अनुरूप शीघ्र निर्णय लेने की अपील की। इस दौरान विद्याभूषण, रामचंद्र शुक्ल, सत्य प्रकाश, दिनेश प्रकाश, माता सहाय, गोपाल, संतोष दुबे, श्रीकृष्ण पटेल, अभय मिश्रा, बृजेश गुप्ता, राहुल जैन, भोला पांडेय, हरिशंकर, अनिल गुप्ता, अनिलेश स्वरूप ब्रह्मचारी महाराज, प्रवीण, अभिषेक, अर्जुन राम तिवारी, सपना सिंह, सौम्या त्रिपाठी, राम सिंह सहित बड़ी संख्या में संत, किसान, व्यापारी, जनप्रतिनिधि और गोभक्त मौजूद रहे।

भगवा ध्वज जीवन-मृत्यु दोनों का देता है संकेत : संजय हर्ष मिश्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित राष्ट्रधर्म कार्यालय में सोमवार को आयोजित पुस्तक चर्चा कार्यक्रम में इतिहास संकलन योजना के अखिल भारतीय सह संगठन सचिव संजय हर्ष मिश्र ने कई महत्वपूर्ण, उपयोगी जानकारियां दी। कार्यक्रम में भगवा ध्वज पुस्तक पर चर्चा की गई, जिसके लेखक नारायण हरि पालकर हैं। उन्होंने बताया कि ध्वज आठ प्रकार के होते हैं। ध्वज के महत्व, उपयोग की विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि प्रायः इनका उपयोग युद्ध में होता था। ध्वज राज्य का होता था, जबकि सेनापति की पताका होती थी। मिश्र ने स्वामी रामतीर्थ का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामी जी कहते थे कि भगवा ध्वज जीवन-मृत्यु दोनों का ही संकेत देता है। भगवा ध्वज इस बात का संकेत देता है कि यह शरीर अन्त में मिट्टी में मिल जायेगा। महाराणा प्रताप, शिवाजी महाराज का ध्वज भगवा ही था। उन्होंने कहा कि भारत में सात लोगों की झण्डा समिति बनाई गई थी, जिसने केसरिया ध्वज को अपनाने का सुझाव दिया था। समिति का कहना था कि यह स्वतंत्र और अपना लगता है।

राज्यपाल के आगमन के मद्देनजर वाराणसी में तीन दिन रूट डायवर्जन, इन मार्गों पर प्रभावित रहेगा वाहनों का आवागमन

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के वाराणसी दौरे के मद्देनजर शहर में तीन दिन (27 से 29 जुलाई) तक रूट डायवर्जन लागू रहेगा। ट्रैफिक पुलिस की ओर से इसको लेकर एडवाइजरी जारी की गई है। साथ ही नगरवासियों से रूट डायवर्जन प्लान का पालन करने की अपील की गई है। बाबतपुर पुलिस चौकी तिराहा से वीवीआईपी आगमन/प्रस्थान के समय किसी भी प्रकार के वाहन को बाबतपुर ओवरब्रिज/पिंडरा कट की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। बाबतपुर ओवरब्रिज के ऊपर वीवीआईपी के आगमन/प्रस्थान के समय किसी भी प्रकार के वाहन का संचालन नहीं होगा। हरहुआ रिंग रोड ओवरब्रिज के ऊपर वीवीआईपी के आगमन/प्रस्थान के समय किसी भी प्रकार के वाहन का संचालन नहीं होगा। तरना ओवरब्रिज के ऊपर भी वीवीआईपी के आगमन/प्रस्थान के समय वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। गिलट बाजार तिराहा से वीवीआईपी आगमन/प्रस्थान के समय किसी भी प्रकार के वाहन को भोजूबीर तिराहा/तरना की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। इन वाहनों को सेंट्रल जेल रोड/शिवपुर बाजार की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा। भोजूबीर तिराहा से वीवीआईपी के आवमगन/प्रस्थान के समय किसी भी प्रकार के वाहन को सर्किट हाउस/गिलट बाजार पुलिस चौकी की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा, इन वाहनों को अर्दली बाजार की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा, जो पुलिस लाइन चौराहा होकर गंतव्य को जाएंगे। गोलघर कचहरी से वीवीआईपी आगमन/प्रस्थान के समय किसी भी प्रकार के वाहन को सर्किट हाउस की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा, इन वाहनों को अंबेडकर चौराहा/अर्दली बाजार की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा, जो अंबेडकर चौराहा/अर्दली बाजार होकर अपने गंतव्य को जाएंगे। जेपी मेहता तिराहा से वीवीआईपी के आगमन/प्रस्थान के समय किसी भी प्रकार के वाहन को दैत्रावीर, भोजूबीर तिराहा की तरफ नहीं जाने दिया जएगा, इन वाहनो को सेंट्रल जेल रोड की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा, जो सेंट्रल जेल, शिवपुर होकर अपने गंतव्य को जाएंगे। पुलिस लाइन चौराहा से वीवीआईपी के आगमन/प्रस्थान के किसी भी प्रकार के वाहन को गोलघर कचहरी चौराहा/तड़ीखाना तिराहा की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा, इन्हें पांडेयपुर चौराहा की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा। तड़ीखाना तिराहा से वीवीआईपी के आगमन/प्रस्थान के समय किसी भी वाहन को पुलिस लाइन

वाराणसी में बढ़ रहा गंगा का जलस्तर, दो सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हो रही वृद्धि, घाटों पर बढ़ी निगरानी

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। सोमवार सुबह 8 बजे केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा का जलस्तर 61.28 मीटर रिकॉर्ड किया गया। नदी का जलस्तर दो सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है, जिससे प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। गंगा में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए एनडीआरएफ और जल पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा गया है। घाटों और नदी किनारे संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से समय रहते निपटा जा सके। जल पुलिस की टीमें नावों के माध्यम से गंगा में गश्त कर रही हैं, जबकि एनडीआरएफ संभावित बाढ़ जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। प्रशासन की ओर से गंगा किनारे रहने वाले लोगों, स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं और नाविकों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। नदी के तेज बहाव और बढ़ते जलस्तर को देखते हुए लोगों से गहरे पानी में जाने से बचने तथा सुरक्षा निदेशों का पालन करने की अपील की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार वाराणसी में गंगा का चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर तथा खतरे का बिंदु 71.262 मीटर निर्धारित है। फिलहाल जलस्तर इन दोनों स्तरों से काफी नीचे है, लेकिन ऊपरी क्षेत्रों में हो रही बारिश के कारण जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रशासन का कहना है कि गंगा के जलस्तर की पल-पल निगरानी की जा रही है। यदि बढ़ोतरी का क्रम जारी रहता है तो आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सुरक्षा और राहत संबंधी इंतजाम भी किए जाएंगे, ताकि किसी भी संभावित स्थिति में जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

काशी की लोकगायिका सरोज वर्मा को मिला कौस्तुभ रत्न सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद (काशी) की वरिष्ठ लोकगायिका सरोज वर्मा को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संगीत एवं मंच कला संकाय की ओर से प्रतिष्ठित कौस्तुभ रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान तीन दिवसीय लोकगीत कार्यशाला लोक के रंग (भोजपुरी लोकसंगीत में वैविध्या) के समापन अवसर पर बीएचयू के पंडित ओंकारनाथ ठाकुर सभागार में सोमवार को आयोजित समारोह के दौरान प्रदान किया गया। संगीत, मंच कला संकाय द्वारा स्थापित कौस्तुभ रत्न सम्मान के माध्यम से देश के उन प्रतिष्ठित कलाकारों को सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने अपनी कला के जरिए भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इसी श्रृंखला में इस वर्ष सरोज वर्मा को भी इस सम्मान से अलंकृत किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद सरोज वर्मा ने कहा कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संगीत संकाय के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ कार्यशाला में भाग लिया। विद्यार्थियों ने लगभग शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ कार्यशाला में सहभागिता की और समापन समारोह में कार्यशाला के दौरान सीखे गए लोकगीतों की अत्यंत सुंदर प्रस्तुति भी दी।

गुरु पूर्णिमा पर मुख्यमंत्री योगी ने लिखी पाती

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेश की जनता के नाम चिठ्ठी लिखी है। उन्होंने गुरु पूर्णिमा के महत्व को समझाया है और 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने गुरुओं के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया करते हुए कहा कि गुरु का सम्मान ही विकसित समाज और विकसित प्रदेश की आधारशिला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु पूर्णिमा गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता का पर्व है। गुरु पूर्णिमा महर्षि वेदव्यास की स्मृति में मनाई जाती है। उन्होंने कहा कि बौद्ध परंपरा में गुरु पूर्णिमा भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश और धर्मचक्र प्रवर्तन का स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। जैन परंपरा में गुरु पूर्णिमा का संबंध गौतम स्वामी के ज्ञान-दीक्षा प्रसंग से है। सिख परंपरा में भी गुरु-वाणी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा सभी परंपराओं में गुरु, ज्ञान और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक पर्व है। गुरु-शिष्य परंपरा हमारी सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ, श्रीकृष्ण ने गुरु सांदीपनि से ज्ञान प्राप्त किया। जहां गुरु का सम्मान होता है, वहीं समाज उन्नति करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नौ वर्षों की सरकार में शिक्षकों के सम्मान और सशक्तीकरण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना से लाखों शिक्षक लाभान्वित हो रहे हैं।

गला काटकर आत्महत्या का प्रयास करने वाली विवाहिता की इलाज के दौरान मौत

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर । नरवल थाना क्षेत्र में ससुराल पक्ष की कथित प्रताड़ना से परेशान होकर गला काटकर आत्महत्या का प्रयास करने वाली विवाहिता रुखसाना की देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच तेज कर दी है। रुखसाना ने रविवार तड़के मायके में चाकू से अपना गला काट लिया था। गंभीर हालत में परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उपचार के दौरान देर रात उसने दम तोड़ दिया। परिजनों का आरोप है कि रुखसाना की शादी करीब 16 वर्ष पहले बांदा के मर्दन नाका निवासी यासीन से हुई थी। शादी के बाद से पति यासीन, सास जिजरत, ससुर इमाम बख्श और देवर हसीन उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। कई बार पंचायत और समझौते के प्रयास हुए, लेकिन विवाद समाप्त नहीं हुआ। आरोप है कि 10 जनवरी 2025 को मारपीट के बाद उसे ससुराल से निकाल दिया गया था। तब से वह अपनी 11 वर्षीय बेटी के साथ मायके में रह रही थी। रुखसाना की मां मुनीरन ने बेटी के पति, सास, ससुर और देवर के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई, स्त्रीधन वापस दिलाने और निष्पक्ष जांच की मांग की है। नरवल थाना प्रभारी अनिल कुमार तोमर ने बताया कि महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्राप्त तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कराटे चैंपियनशिप में नवनीता कुंअर पब्लिक स्कूल और जेकेएस स्पोर्ट्स फिटनेस एकेडमी का दबदबा, 12 पदकों पर किया कब्जा

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। सुसुवाही स्थित नवनीत कुंअर पब्लिक स्कूल एवं जेकेएस स्पोर्ट्स फिटनेस एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट के विद्यार्थियों ने ह्य6इँ इंटर स्कूल कराटे चैंपियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 12 पदक जीतकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का आयोजन 26 जुलाई 2026 को बीना पब्लिक स्कूल, वाराणसी में जन सुरक्षा एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट के तत्वावधान में किया गया। प्रतियोगिता में वाराणसी और आसपास के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 250 से 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया। कड़े मुकाबलों के बीच नवनीत कुंअर पब्लिक स्कूल एवं जेकेएस स्पोर्ट्स फिटनेस एकेडमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट तकनीक, आत्मविश्वास और अनुशासन का परिचय देते हुए 5 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य पदक अपने नाम किए। स्वर्ण पदक विजेता प्रत्युष कुमार नंदन (कक्षा 2-ए), नायरा पटेल (कक्षा 4-ए), अयांसी सिंह (कक्षा 4-ए), आयुष यादव (कक्षा 3-ए), निखिल कुमार। रजत पदक विजेता तृषा राय (कक्षा 5-ए), आदित्य कुमार (कक्षा 6-ए), वरुण राजपुरोहित (कक्षा 5-ए)। कांस्य पदक विजेता शान्वी नंदन (यूकेजी-ए), अभीज्ञया राय (कक्षा 2-बी), आराध्या वर्मा (कक्षा 4-ए), अनन्या पटेल (कक्षा 4-ए)। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद विद्यालय परिसर में विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में विशेष समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक श्री राजेश राय, प्रधानाचार्य डॉ. दिवाकर राय, उपाध्यक्ष श्री प्रवीण राय, सीनियर समन्वयक मिस सत्य प्रिया तथा जूनियर समन्वयक अशिम घोषाल ने खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि मार्शल आर्ट केवल खेल नहीं, बल्कि आत्मरक्षा, अनुशासन, आत्मविश्वास और शारीरिक-मानसिक विकास का प्रभावी माध्यम है। विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी कठिन मेहनत, नियमित अभ्यास और प्रशिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी खेल गतिविधियों को बढ़ावा देता रहेगा ताकि छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। इस अवसर पर टीएसकेएफआई के अध्यक्ष रेंसिन अमित गुप्ता ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं विद्यालय के कराटे प्रशिक्षक श्री जयपाल कुमार सोनकर ने खिलाड़ियों की लगन और मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास और अनुशासन के बल पर छात्र आने वाले समय में राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

वाराणसी: हिंदू युवा वाहिनी ने संगठन विस्तार को दी नई धार शपथ ग्रहण समारोह में मिशन 2027 का आह्वान

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। हिंदू युवा वाहिनी द्वारा रविवार को कमिश्नरी परिसर स्थित सर्किट हाउस में भव्य शपथ ग्रहण एवं संगठनात्मक मनोनयन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सिंह राठौर ने विभिन्न पदों पर नियुक्त नए पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए संगठन के विस्तार और आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के लिए कार्यकताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। समारोह के दौरान भास्कर तिवारी ह्यरानूह्ण को वाराणसी मंडल प्रभारी, समर बहादुर सिंह को वाराणसी जिलाध्यक्ष, सूर्या अग्रहरि को प्रदेश उपाध्यक्ष तथा हर्षित विश्वकर्मा को प्रदेश सचिव के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति निष्ठा, समाज सेवा और राष्ट्रहित के कार्यों को प्राथमिकता देने की शपथ ली। कार्यक्रम में संगठन की संरक्षक रीना सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकताओं की सक्रियता और जनसेवा से ही संभव है। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों तक संगठन की विचारधारा पहुंचाने और सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सिंह राठौर ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदू युवा वाहिनी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज के प्रति समर्पित कार्यकताओं का परिवार है। उन्होंने कहा कि संगठन गांव-गांव और बूथ स्तर तक अपनी पहुंच मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से अनुशासन, समर्पण और संगठनात्मक एकजुटता के साथ जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रहने का आह्वान किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि वे संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा राष्ट्र और समाजहित के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। समारोह में जिला, मंडल, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रमुख रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह तोमर, पश्चिम बंगाल की प्रदेश अध्यक्ष पूजा यादव तथा उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया और नवनियुक्त टीम को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 28 जुलाई, 2026

सीबीएसई कक्षा-12 पूरक परीक्षा को निष्पक्ष एवं नकलविहीन संपन्न कराने के निर्देश

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा-12 पूरक परीक्षा-2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि 28 जुलाई को आयोजित होने वाली सीबीएसई कक्षा-12 पूरक परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी परीक्षा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण सुनिश्चित कराने के निर्देश देते हुए पेयजल, विद्युत आपूर्ति, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, बैठने की समुचित व्यवस्था तथा सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच करने को कहा। साथ ही प्रश्नपत्रों एवं उत्तर पुस्तिकाओं के सुरक्षित भंडारण, समयबद्ध वितरण और सुरक्षित संकलन की व्यवस्था पूर्ण पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को परीक्षा अवधि के दौरान सभी परीक्षा केंद्रों पर सतर्क निगरानी रखने तथा नकल, अवैध गतिविधियों अथवा परीक्षा की गोपनीयता भंग करने के किसी भी प्रयास पर तत्काल कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सीबीएसई एवं शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बैठक में जानकारी दी कि जनपद के आठ परीक्षा केंद्रों पर सीबीएसई कक्षा-12 की पूरक परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा के सफल संचालन के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर मजिस्ट्रेट नामित किए गए हैं, जबकि पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर ली गई है। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) देवेंद्र पाल सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) शरदपाल पाल, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उप जिलाधिकारी सदर स्मृति मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं परीक्षा व्यवस्था से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

संत गुरु रविदास महाराज के समरसता संदेश को जन-जन तक पहुंचाएगी भाजपा : हरीश गंगवार

प्रातः किरण संवाददाता रामपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले ह्लश्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियानह्व की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने की, जबकि जिला प्रभारी राजा वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा, कार्यक्रमों की तिथियों और तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज ने समाज को समता, सामाजिक न्याय, सेवा, मानवता और सद्भाव का संदेश दिया। उनका जीवन भेदभाव से ऊपर उठकर समरस समाज के निर्माण की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भाजपा संत रविदास के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए समर्पित है और अभियान के माध्यम से मंडल एवं बूथ स्तर तक समाज के सभी वर्गों को जोड़ते हुए उनके संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और संत गुरु रविदास महाराज के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए प्रत्येक गांव, मंडल और बूथ तक पहुंचकर अभियान को सफल बनाएं। बैठक में बताया गया कि अभियान का शुभारंभ 29 जुलाई 2026 से होगा। इसके अंतर्गत 29 जुलाई से 10 सितंबर तक कलश वंदन अभियान, 29 जुलाई से 31 अगस्त तक संत संपर्क अभियान, 5 अक्टूबर से 5 नवंबर तक समरसता यात्रा तथा 26 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक छात्रावास संपर्क अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यशाला में पूर्व विधायक बीना भारद्वाज, सुनीता सैनी, हंसराज पप्पू, मोहन कुमार लोधी, रविंद्र सिंह रवि, विवेक रुहेला, आकाश सक्सेना, प्रदीप गुप्ता, संतोष सिंह खैरा, करतार सिंह लोधी, सुनील मौर्य, शकुंतला लोधी, श्वेता शर्मा, स्फूर्ति जैन, पूजा गुप्ता, अमृता रंधावा, डॉली रंधावा, श्रेया मदन, शुभम सक्सेना, वेदराम सागर, आशीष गुप्ता, योगेंद्र गंगवार, अनुभव शर्मा, विक्रम सिंह सहित पार्टी के विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी एवं अभियान से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएम डैशबोर्ड समीक्षा में सख्त हुए डीएम, फैमिली आईडी तीन दिन में पूरी करने के निर्देश

पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति बढ़ाने पर जोर, बी-सी-डी ग्रेड वाले विभागों को रैंकिंग सुधारने की चेतावनी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा, 27 जुलाई। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड आधारित विकास कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में फैमिली आईडी, पीएम सूर्य घर योजना सहित विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने फैमिली आईडी की विभागवार प्रगति का जायजा लेते हुए लक्ष्य से पीछे चल रहे विभागों को आगामी तीन दिनों के भीतर शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र परिवार की फैमिली आईडी तैयार कर शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। पीएम सूर्य घर योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने संबंधित अधिकारियों को अभियान चलाकर अधिक से अधिक पात्र परिवारों का पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिकाधिक लोगों को इसका लाभ दिलाया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर बी, सी एवं डी ग्रेड प्राप्त विभागों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को खराब रैंकिंग के कारणों का विश्लेषण कर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अगली समीक्षा से पहले रैंकिंग में सुधार दिखाई देना चाहिए। डीएम ने सभी विभागों को मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर समयबद्ध, सत्य एवं त्रुटिरहित आंकड़े अपडेट करने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन स्तर पर जनपद के कार्यों का मूल्यांकन इसी डैशबोर्ड के आधार पर होता है। इसलिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे और जनपद की रैंकिंग में निरंतर सुधार हो। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, परियोजना निदेशक डीआरडीए अम्बरीष कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर सहित सभी संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बिजनौर में कांवड़ यात्रा को लेकर ट्रैफिक डायवर्जन प्लान जारी, 28 जुलाई से कई मार्गों पर रहेगा प्रतिबंध

प्रातः किरण अवनीश त्यागी बिजनौर। श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल एवं सुरक्षित संपन्न कराने के लिए बिजनौर पुलिस प्रशासन ने विस्तृत ट्रैफिक डायवर्जन प्लान जारी कर दिया है। इसके तहत 28 जुलाई से जनपद के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर वाहनों के आवागमन को नियंत्रित किया जाएगा। भारी वाहनों के लिए डायवर्जन 28 जुलाई की रात्रि से तथा हल्के वाहनों के लिए 30 जुलाई की रात्रि से लागू होगा। यह व्यवस्था 24 अगस्त तक प्रभावी रहेगी। कांवड़ यात्रा के दौरान सावन के चारों सोमवार एवं श्रावण शिवरात्रि को विशेष यातायात व्यवस्था लागू रहेगी। हरिद्वार, कोटद्वार, पौड़ी, काशीपुर, मुरादाबाद और अमरोहा की ओर जाने वाले वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। कांवड़ियों के वाहनों के लिए अलग रूट तय किया गया है, जबकि सामान्य वाहनों को डायवर्ट कर अन्य मार्गों से भेजा जाएगा। प्रशासन के अनुसार मेरठ एवं मुजफ्फरनगर की ओर से हरिद्वार जाने वाले भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। केवल आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्य सामग्री, पेट्रोलियम पदार्थ, गैस एवं मेडिकल सामग्री से संबंधित वाहनों को रात्रि 12 बजे से प्रातः 4 बजे तक निर्धारित मार्गों से आवागमन की अनुमति दी जाएगी। कांवड़ यात्रा के दौरान नजीबाबाद-नगीना-धामपुर-स्योहारा मार्ग, बिजनौर-चांदपुर-धनौरा मार्ग, मंडावर-बालावाली मार्ग सहित कई प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। मोटा महादेव कांवड़ मार्ग पर भी सामान्य वाहनों के आवागमन पर रोक लगाई जाएगी। कांवड़ियों की संख्या बढ़ने की स्थिति में प्रशासन आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त प्रतिबंध भी लागू कर सकेगा। रोडवेज बसों के संचालन के लिए भी विशेष रूट निर्धारित किए गए हैं। बिजनौर से दिल्ली, मेरठ, हरिद्वार, मुरादाबाद, कोटद्वार, अमरोहा और नूरपुर जाने वाली बसों को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जाएगा, जिससे यात्रियों को अधिक परेशानी का सामना न करना पड़े। मोटा महादेव मंदिर पर आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग के लिए मंदिर के सामने आम के बाग में विशेष व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त कांवड़ मार्ग पर स्थित होटल, ढाबों एवं धर्मशालाओं की नियमित जांच के भी निर्देश दिए गए हैं। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पूर्व ट्रैफिक डायवर्जन प्लान की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें तथा निर्धारित मार्गों का ही उपयोग करें, ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

अंजली त्यागी बनीं उ.प्र. लेखपाल संघ बिजनौर की जिलाध्यक्ष, जिले की पहली महिला अध्यक्ष बनने का गौरव

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ, बिजनौर की जिला कार्यकारिणी के गठन के लिए आयोजित अधिवेशन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत हुए निर्वाचन में तहसील धामपुर में कार्यरत लेखपाल अंजली त्यागी को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इसके साथ ही उन्होंने बिजनौर जिले में लेखपाल संघ की पहली महिला जिलाध्यक्ष बनने का गौरव भी प्राप्त किया। तहसील सभागार नजीबाबाद में पूर्व निर्धारित एजेंडे के अनुसार आयोजित अधिवेशन में जिलेभर के लेखपालों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निर्वाचन प्रक्रिया प्रांतीय पर्यवेक्षक भूपेंद्र चौहान, निर्वाचन अधिकारी सतेन्द्र बालियान एवं सह निर्वाचन अधिकारी सियानंद के निर्देशन में शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई। निर्वाचन परिणाम घोषित करते हुए अंजली त्यागी को जिलाध्यक्ष, रविन्द्र कुमार शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रविन्द्र कुमार को कनिष्ठ उपाध्यक्ष, गौरव कुमार को जिला मंत्री, वीरेन्द्र अवस्थी को उप मंत्री, अनिल कुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष तथा सुखबीर सिंह को लेखा परीक्षक निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन के उपरांत नवगठित जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर उपस्थित राजस्व कर्मियों एवं शुभचिंतकों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनसे संघ और लेखपाल संवर्ग के हितों की रक्षा तथा संगठन को मजबूत बनाने की अपेक्षा व्यक्त की। अंजली त्यागी के जिलाध्यक्ष निर्वाचित होने पर महिला नेतृत्व को नई पहचान मिलने की चर्चा रही। लेखपालों ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान और राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ बनाने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभाएगा।

संभव दिवस में पालिका ने निपटाईं सभी शिकायतें, स्वच्छता व स्ट्रीट लाइट समस्याओं का हुआ समाधान

स्वच्छता व स्ट्रीट लाइट समस्याएं दूर, कांवड़ यात्रा में बेहतर व्यवस्थाओं का दावा

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। नगर पालिका परिषद कार्यालय में आयोजित ह्लसंभव दिवसह्व में अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनका त्वरित निस्तारण कराया। कार्यक्रम के दौरान शहर में साफ-सफाई और पथ प्रकाश से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं, जिन पर तत्काल कार्रवाई करते हुए समाधान सुनिश्चित कराया गया। संभव दिवस में कुल छह शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें वार्डों में गंदगी, कूड़ा उठान में देरी और खराब स्ट्रीट लाइटों से जुड़ी समस्याएं शामिल थीं। ईओ ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को मौके पर बुलाकर सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत निस्तारण कराया। अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान करना पालिका की पहली जिम्मेदारी है, ताकि शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं मिल सकें। इस अवसर पर ईओ ने आगामी कांवड़ यात्रा की तैयारियों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पिछले वर्ष की तुलना में और बेहतर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने स्वयं कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को साफ-सफाई, पथ प्रकाश एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम के दौरान पालिका के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बिजनौर में यातायात पुलिस का सघन अभियान, 97 वाहनों पर कार्रवाई, 2 वाहन सीज

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद बिजनौर में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा सोमवार को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध व्यापक एवं सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील मार्गों पर बैरिकेडिंग कर वाहनों की गहन जांच की गई। यातायात पुलिस ने विशेष रूप से ड्रंक एंड ड्राइव, प्रेशर हॉर्न, हूटर, मॉडिफाइड साइलेंसर तथा फर्जी और दोषपूर्ण नंबर प्लेट लगे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। चेकिंग के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने के 15 मामलों में चालान किए गए। वहीं, तेज आवाज और ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर लगे 16 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। इसके अलावा, पहचान छिपाने के उद्देश्य से दोषपूर्ण अथवा नियम विरुद्ध नंबर प्लेट का प्रयोग करने वाले 48 वाहनों के चालान काटे गए। प्रेशर हॉर्न और हूटर का उपयोग कर आमजन को परेशान करने तथा ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले 16 वाहनों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की गई। आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध न होने और यातायात नियमों के गंभीर उल्लंघन के चलते दो वाहनों को मौके पर ही सीज कर दिया गया। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को देखते हुए यातायात पुलिस द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाने का विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। विभिन्न चौराहों और तिराहों पर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों

धूमधाम से मनाया श्री वेंकटेश्वरा समूह का स्थापना दिवस, 42 यूनिट रक्तदान व वृक्षारोपण से दिया सेवा का संदेश

प्रातः किरण संवाददाता गजरौला। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय एवं संस्थान का 28वां स्थापना दिवस समारोह को उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वृहद रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण, यज्ञ-हवन, भंडारा, केक कटिंग समारोह, काव्य संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही वेंकटेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि का जन्मदिन भी मेरठ और गजरौला परिसर में गरीबों को भोजन कराकर, रक्तदान, वृक्षारोपण एवं केक काटकर मनाया गया। स्थापना दिवस समारोह में संस्थान परिसर और राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। वहीं छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ के 42 सदस्यों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर समाज सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष की टैगलाइन ह्लसंकल्प में कोई विकल्प नहीं होताह्व का भी विमोचन किया गया। संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि ढाई दशक पहले भगवान वेंक्टेश्वरा के नाम पर लगाया गया शिक्षा का छोटा-सा पौधा आज देशवासियों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के विश्वास से एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। उन्होंने कहा कि संस्थान उत्कृष्ट शिक्षा, शोध, नवाचार और संस्कारों के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि उत्कृष्ट शिक्षा, समृद्ध सांस्कृतिक मूल्यों, शोध एवं नवाचार के बल पर वेंक्टेश्वरा को देश का ह्लसेंटर ऑफ एक्सीलेंसह्व बनाया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, डॉ. मधु चतुर्वेदी, वित्त निदेशक सीए युवराज सिंह, कुलसचिव डॉ. पीयूष कुमार पाण्डेय, डीन मेडिकल प्रभु एम.एच. तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शिशिर पाटिल सहित अन्य अधिकारियों ने रक्तदान शिविर का फीता काटकर और मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

जीएमएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

पूर्व एमएलसी परवेज अली बोले– शिक्षा और नैतिक मूल्यों से ही युवा करेंगे राष्ट्र निर्माण

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जीएमएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, रजबपुर में बी.फार्मा परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अमरोहा विधायक एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा की लोक लेखा समिति (ढअउ) के सभापति महबूब अली तथा पूर्व एमएलसी परवेज अली ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। दोनों अतिथियों ने मेधावी विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में विधायक महबूब अली ने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत और दृढ़ संकल्प बनाए रखने वाले ही सफलता प्राप्त करते हैं। पूर्व एमएलसी परवेज अली ने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। शिक्षा केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से नैतिक मूल्यों और राष्ट्रसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने की अपील की। संस्थान के चेयरमैन शाहनवाज अली ने कहा कि सफलता भाग्य नहीं, बल्कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम होती है। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. हरीश कुमार ने उत्कृष्ट परिणाम का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था को दिया। समारोह के दौरान अतिथियों ने मेधावी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया। ट्रॉफी एवं प्रशस्ति-पत्र प्राप्त करने के बाद विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अभिभावकों, शिक्षकों और संस्थान के शैक्षणिक वातावरण को दिया। इस अवसर पर डॉ. मोहम्मद जफर, नवनीत कुमार, मनस्वी, हिमांशी, अजीत, आदिल, सचिन, वीरेंद्र शर्मा सहित समस्त शिक्षकगण, स्टाफ सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पहले नियुक्ति, फिर चयन सूची और अब मेरिट सूची! केजीबीवी भर्ती प्रक्रिया पर उठे बड़े सवाल

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। बिजनौर के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय (केजीबीवी) की संविदा भर्ती प्रक्रिया इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। भर्ती प्रक्रिया के घटनाक्रम ने पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब नियुक्तियां पहले ही हो चुकी हैं, तो मेरिट सूची (योग्यता सूची) बाद में जारी करने का औचित्य क्या है? कस्तूरबा भर्ती प्रक्रिया में पहले चयन प्रक्रिया पूरी हुई, उसके बाद कुछ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। बाद में चयनित अभ्यर्थियों की सूची बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में चस्पा की गई और अब 29 जुलाई को योग्यता सूची जारी किए जाने की घोषणा की गई है। भर्ती प्रक्रिया का यह क्रम सामान्य सरकारी भर्तियों की स्थापित प्रक्रिया से बिल्कुल अलग माना जा रहा है। मामले ने तब और तूल पकड़ लिया, जब चयनित अभ्यर्थियों की सूची सार्वजनिक किए जाने के बावजूद उसमें चयनित अभ्यर्थियों के प्राप्तांक अंकित नहीं किए गए। इससे अभ्यर्थियों के बीच चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर संदेह उत्पन्न हो गया है। अभ्यर्थियों का कहना है कि यदि प्राप्तांक सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे, तो वे यह कैसे जान पाएंगे कि चयन योग्यता के आधार पर हुआ है या नहीं। इस मामले को मीडिया में प्रमुखता से उठाए जाने के बाद जिला प्रशासन सक्रिय हुआ। मुख्य विकास अधिकारी रण विजय सिंह ने बताया कि विद्यालय आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 29 जुलाई को योग्यता सूची सार्वजनिक कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए रिक्त पदों को सुरक्षित रखा जाएगा तथा भविष्य में जारी होने वाले विज्ञापन में ईडब्ल्यूएस आरक्षण का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा। हालांकि, भर्ती प्रक्रिया को लेकर कई सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं।

स्वदेशी जागरण मंच का ह्लमैं भ स्वदेशी-समर्थकह्व अभियान शुरू पश्चिम यूपी में 25 लाख लोगों को जोड़ने का लक्ष्य

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। स्वदेशी जागरण मंच ने ह्लमैं भी स्वदेशी-समर्थकह्व ऑनलाइन जनजागरण अभियान के तहत पश्चिम उत्तर प्रदेश में 25 लाख तथा बिजनौर जनपद में 2 लाख लोगों को स्वदेशी से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह अभियान 1 अगस्त से 20 अगस्त तक संचालित किया जाएगा। रविवार को डीएवी इंटर कॉलेज के गोलवलकर कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक प्रशांत महर्षि ने कहा कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर में स्वदेशी भारत के लिए एक सशक्त आर्थिक ब्रह्मास्त्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि देश को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और मजबूत बनाने के लिए समाज को स्वदेशी की भावना से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि ह्लमैं भी स्वदेशी-समर्थकह्व अभियान के माध्यम से लोगों को निशुल्क ऑनलाइन संकल्प दिलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य लोगों को अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने, स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने और भारतीय उत्पादों के प्रति विश्वास बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है। प्रशांत महर्षि ने कहा कि स्वदेशी केवल भारतीय वस्तुओं के उपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी भाषा, वेशभूषा, भोजन, भजन, भवन और भ्रमण सहित संपूर्ण जीवनशैली से जुड़ा हुआ है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे सबसे पहले अपने आसपास निर्मित वस्तुओं का उपयोग करें। यदि कोई वस्तु स्थानीय स्तर पर उपलब्ध न हो तो देश में निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता दें और विदेशी उत्पादों का उपयोग केवल आवश्यकता पड़ने पर ही करें। उन्होंने कहा कि देश के युवा उद्यमियों और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहित करके विदेशी उत्पादों पर निर्भरता को कम किया जा सकता है। भारत ने स्वदेशी की भावना और आत्मनिर्भरता के बल पर विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बनाई है, जिसे और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा इस अभियान को बिजनौर जनपद के सभी नगरों और खंडों तक पहुंचाने की योजना बनाई गई है। इसके तहत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों से संपर्क कर उन्हें स्वदेशी अभियान से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान जिला संयोजक अजय वत्स एवं स्वावलंबी भारत अभियान के जिला समन्वयक मणि खन्ना ने मीडिया प्रतिनिधियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। इस अवसर पर सतीश त्यागी, कौशल किशोर शर्मा, राजेश अरोड़ा, रीता शर्मा, दीपक अरोड़ा तथा देवेंद्र पाल ह्लचीनूह्व सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मनरेगा कर्मियों का छलका दर्द: 10 माह से मानदेय नहीं, एक सप्ताह में भुगतान नहीं हुआ तो होगी अनिश्चितकालीन हड़ताल

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। गांवों के विकास और मनरेगा योजनाओं को धरातल पर उतारने वाले कर्मचारी आज खुद आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। पिछले 8 से 10 माह से मानदेय का भुगतान नहीं होने और 85 माह से ईपीएफ अंशदान लंबित रहने से नाराज मनरेगा कर्मियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र भुगतान की मांग की है। कर्मचारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। मनरेगा के अंतर्गत कार्यरत तकनीकी सहायकों एवं रोजगार सेवकों ने अपने ज्ञापन में कहा है कि वे सरकार की महत्वाकांक्षी ग्रामीण विकास योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद महीनों से उनका मानदेय लंबित है, जिससे उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों का कहना है कि मानदेय नहीं मिलने के कारण उनके लिए परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो गया है। बच्चों की स्कूल फीस जमा करने से लेकर घर के दैनिक खर्चों का प्रबंधन तक प्रभावित हो रहा है। आर्थिक तंगी के चलते मानसिक तनाव भी लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्षों से अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने के बावजूद उनकी समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। ज्ञापन में कर्मचारियों ने प्रशासन से मांग की है कि पिछले 8 से 10 माह का लंबित मानदेय तत्काल जारी किया जाए तथा करीब 85 माह से लंबित ईपीएफ अंशदान संबंधित कर्मचारियों के यूएएन खातों में जमा कराया जाए। साथ ही भविष्य में मानदेय के नियमित भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मनरेगा कर्मियों ने प्रशासन को एक सप्ताह का समय देते हुए कहा है कि यदि निर्धारित अवधि के भीतर उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया तो जिले के सभी कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने के लिए बाध्य होंगे।

राजस्व वसूली में तेजी लाने के डीएम के निर्देश, बड़े बकायेदारों पर होगी सख्त कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता अमरोहा। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को लंबित वसूली में तेजी लाने और शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बड़े बकायेदारों के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए तथा कम प्रगति वाले विभाग विशेष प्रयास कर वसूली अभियान को गति दें। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निगरानी करते हुए प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही तय करने के निर्देश भी दिए। बैठक में आवंटन संबंधी प्रकरण, सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण हटाने, भू-माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई, धारा 122-बी के वाद, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना, स्टाम्प एवं राजस्व वादों के निस्तारण, उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत लंबित मामलों, जनहित गारंटी अधिनियम, ऑडिट आपत्तियों, विभागीय कार्यवाहियों, लंबित पेंशन प्रकरणों तथा विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी से जुड़े मामलों की भी विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त खबरें

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भारतरत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी की पुण्यतिथि पर किया सादर नमन

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक, मिसाइल मैन एवं भारत रत्न से अलंकृत डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का जीवन ज्ञान, विज्ञान, राष्ट्रसेवा और सादगी का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने अपने वैज्ञानिक योगदान, दूरदर्शी नेतृत्व और प्रेरक व्यक्तित्व से भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम जी का यह प्रेरक विचारकृ जीवन में सफलता का आनंद तभी आता है, जब वह सफलता कठिनाई से प्राप्त की जाती है। प्रत्येक युवा को कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के आदर्श, उनके विचार और राष्ट्रनिर्माण के प्रति उनका समर्पण सदैव देशवासियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उनका प्रेरणादायी जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणापुंज बना रहेगा।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कोषालयीन शासकीय कर्मचारी संघ का प्रांतीय निर्वाचन एक अगस्त को

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कोषालयीन शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष एवं प्रांतीय महामंत्री का निर्वाचन आगामी एक अगस्त को बस्तर संभाग में आयोजित किया जाएगा। संघ के संभागीय अध्यक्ष भानु पटेल ने बताया कि 11 जुलाई को आयोजित प्रांतीय बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि दोनों प्रमुख पदों का निर्वाचन पहले आम सहमति से कराने का प्रयास किया जाएगा। यदि सहमति नहीं बनती है तो चुनाव प्रक्रिया अपनाई जाएगी। निर्णय के अनुसार आमसभा एवं निर्वाचन 1 अगस्त को प्रातः 10 बजे उप संचालक, क्षेत्रीय महिला प्रशिक्षण संस्थान, महिला एवं बाल विकास विभाग, डीमरापाल (बस्तर) में आयोजित होगा। निर्वाचन प्रक्रिया के लिए राजेश कर्मा, सहायक संचालक, संभागीय शिक्षा कार्यालय को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके द्वारा निर्वाचन अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। संघ ने प्रदेश के सभी कोषालयीन शासकीय कर्मचारियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है।

जयपुर में शिव मंदिरों के बेलपत्र-फूल कचरे में नहीं जाएंगे

सावन में भगवान शिव को अर्पित होने वाले बेलपत्र, फूल और अन्य पूजा सामग्री कचरे का हिस्सा नहीं बनेंगे। नगर निगम जयपुर ने धार्मिक आस्था को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए शिवार्पणम नाम से एक अनूठी पहल शुरू की है। जो जयपुर के 5 बड़े शिव मंदिरों से शुरू की जा रही है। इसके तहत शहर के प्रमुख शिवालयों में भगवान शिव को अर्पित होने वाले जैविक निर्माल्य (भगवान को चढ़ने वाली फूल-पत्तियां) को वैज्ञानिक प्रक्रिया से 30 दिन में तैयार होने वाली इस खाद को शिवार्पणम् प्रसाद पैकेट के रूप में श्रद्धालुओं और लोगों को बांटा जाएगा। नगर निगम कमिश्नर ओम कसेरा ने सोमवार को नगर निगम मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में बताया- इस पहल का उद्देश्य केवल मंदिरों की स्वच्छता बनाए रखना नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए पर्यावरण संरक्षण और सर्कुलर इकोनॉमी की अवधारणा को भी मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत पूरे श्रावण मास में प्रत्येक सोमवार नगर निगम का ईवी हॉपर चयनित मंदिरों से बेलपत्र, फूल और अन्य जैविक निर्माल्य का संग्रह करेगा। इसके बाद इस सामग्री को पास के गार्डन में लगी श्रेडर मशीन के माध्यम से प्रोसेस किया जाएगा। वैज्ञानिक तरीके से कम्पोस्ट पिट में 30 दिनों तक उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद तैयार की जाएगी। तैयार खाद को विशेष पैकेट में पैक कर शिवार्पणम् नाम से श्रद्धालुओं और नागरिकों को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाएगा।

विकास में बढ़ेगी राजस्थानियों की भागीदारी भजनलाल सरकार ने बनाया प्लान

प्रात : किरण संवाददाता

राजस्थान सरकार दुनिया के अलग-अलग देशों में बसे प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश से जोड़ने और विकास में उनकी भागीदारी बढ़ाने की तैयारी कर रही है. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आगामी 10 दिसंबर को होने वाले दूसरे प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को समय पर सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा है कि प्रवासी राजस्थानी दिवस दुनिया भर में बसे राजस्थानियों और उनकी मातृभूमि के बीच रिश्ते को और मजबूत करने का जरिया बनेगा. इसके जरिए प्रवासियों को राजस्थान के विकास और निवेश से जोड़ने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रवासी राजस्थानियों से लगातार संपर्क बनाए रखने के लिए मौजूदा चैप्टर्स को सक्रिय किया जाए और जरूरत के हिसाब से नए चैप्टर्स जल्द शुरू किए जाएं. जिला कलेक्टरों के जरिए भी प्रवासी राजस्थानियों से लगातार संपर्क और समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। देश-विदेश के प्रमुख शहरों में रोड शो प्रवासियों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी के लिए देश-विदेश के प्रमुख शहरों में रोड शो आयोजित किए जाएंगे. वहीं, प्रवासी राजस्थानी दिवस के मुख्य कार्यक्रम में ऊर्जा एवं अक्षय ऊर्जा, पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी, शहरी विकास, औद्योगिक विकास, खनन और पेट्रोकेमिकल समेत कई विषयों पर सेक्टोरल सत्र आयोजित होंगे। शेखावाटी के प्रवासी राजस्थानियों के लिए कार्यक्रम के आयोजित करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने शेखावाटी के प्रवासी राजस्थानियों के लिए इसी क्षेत्र में विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए. उन्होंने बताया कि सरकार ने शेखावाटी में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 660 से ज्यादा ऐतिहासिक हवेलियों की पहचान की है।

मदन राठौड़ बोले- सीजेपी प्रदर्शनकारियों की फंडिंग की जांच हो:दुबई-कुवैत, बांग्लादेश से खाने की बुकिंग हुई

प्रात : किरण संवाददाता

कॉकरोच जनता पार्टी की अगुवाई में दिल्ली में जंतर-मंतर पर चले धरने और आंदोलन के पीछे विदेशी फंडिंग की आशंका जताते हुए बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सरकार से जांच की मांग की। मदन राठौड़ ने संसद परिसर में मीडिया से कहा- यह बात सही है कि इन्हें कहीं से फंडिंग हो रही है। सोशल मीडिया, टीवी चैनल्स से पता लगा है कि प्रदर्शनकारियों के लिए दुबई, कुवैत, बांग्लादेश और पता नहीं कहां-कहां से खाने की बुकिंग हुई थी। राठौड़ ने कहा- एक मामला तो ऐसा था, जो मोबाइल रिपेयरिंग का काम करता है। उसने हर दिन 10-10 लाख रुपए का खाना भिजवाया। यह कहां से हुआ। यह वाजिब सवाल है और इसकी जांच होनी चाहिए। कहा- धर्मेंद्र प्रधान का दोष नहीं, टुकड़े-टुकड़े गैंग पीछे लगा था राठौड़ ने एक दिन पहले कहा था- धर्मेंद्र प्रधान का कोई दोष नहीं है। छात्रों के कंधे पर बंदूक रखकर चलाने पूरा टुकड़े-टुकड़े गैंग उनके पीछे लग गया था। धर्मेंद्र प्रधान ने खुद अपना इस्तीफा सौंप दिया। प्रधान ने शिक्षा मंत्री रहते बहुत अच्छे काम किए। महेश जेठमलानी ने भी विदेशी फंडिंग पर उठाए थे सवाल सुप्रीम कोर्ट के वकील और पूर्व बीजेपी सांसद महेश जेठमलानी सहित कई बीजेपी नेताओं ने एक्स पर सीजेपी नेताओं के डांस करते वीडियो शेयर कर सवाल उठाए। यह वीडियो धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जश्न का बताया जा रहा है। इस पर सवाल उठाते हुए महेश जेठमलानी ने एक्स पर लिखा- सीजेपी नेता होटल में पार्टी कर रहे हैं। इस विरोध-प्रदर्शन के दौरान यात्रा, खाना, रहना और दूसरे खर्च को कौन फंडिंग कर रहा है? जिन लोगों ने दिल्ली को उबाल कर रखा, उन्हें फंडिंग कौन कर रहा है? महेश जेठमलानी के पोस्ट के बाद मदन राठौड़ ने भी वही सवाल उठाया है। राठौड़ बोले- प्रधानमंत्री शुरू से ही युवाओं के मुद्दे पर गंभीर मदन राठौड़ ने कहा- युवाओं के मुद्दों को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी गंभीर है। पीएम ने नकल के मामलों से खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। पीएम ने फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का फैसला किया है। नकल रोकने सख्त कानून ला रहे हैं। यह सब स्वागत योग्य कदम है। नकल को रोकने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं।

सनी देओल और राजकुमार संतोषी जयपुर आएंगे राजमंदिर में फिल्म बंटवारा 1947 का ट्रेलर दिखाएंगे

प्रात : किरण संवाददाता

हिंदी सिनेमा की सबसे चर्चित अभिनेता-निर्देशक जोड़ियों में शामिल सनी देओल और राजकुमार संतोषी करीब 30 साल बाद एक बार फिर साथ आ रहे हैं। दोनों की फिल्म बंटवारा 1947 का ट्रेलर 29 जुलाई को जयपुर के ऐतिहासिक राजमंदिर सिनेमा में दिखाया जाएगा। खास बात यह है कि फिल्म के देशव्यापी प्रमोशन की शुरूआत भी जयपुर से होगी। ट्रेलर लॉन्च के लिए सनी देओल और निर्देशक राजकुमार संतोषी प्राइवेट चार्टर विमान से जयपुर पहुंचेंगे। इस दौरान सनी देओल के बेटे करन देओल भी साथ रहेंगे। इससे पहले सनी देओल अपनी फिल्मों गदर-2 और जाट के प्रमोशन के लिए भी जयपुर आए थे, जहां उन्हें देखने के लिए हजारों प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। उसी उत्साह को देखते हुए फिल्म की टीम ने इस बार भी अपने प्रचार अभियान की शुरूआत जयपुर से करने का निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में फिलहाल सनी देओल और राजकुमार संतोषी की उपस्थिति तय मानी जा रही है। वहीं, फिल्म के निमार्ता आमिर खान और अभिनेत्री प्रीति जिंटा के जयपुर आने की भी चर्चा है, हालांकि उनकी मौजूदगी को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तीन दशक बाद फिर साथ आएगी सुपरहिट जोड़ी बंटवारा 1947 केवल एक ऐतिहासिक फिल्म नहीं, बल्कि सनी देओल और राजकुमार संतोषी की उस सफल जोड़ी की वापसी भी है, जिसने 90 के दशक में बॉलीवुड को यादगार फिल्में दीं।

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में स्वर्ण पदक विजेता मीराबाई चानू को दी बधाई

प्रात : किरण संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 (सीडब्ल्यूजी 2026) में महिला 48 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने पर मीराबाई चानू को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि मीराबाई चानू ने राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय वेटलिफ्टर बनकर इतिहास रच दिया है। उनकी यह ऐतिहासिक उपलब्धि पूरे देश के लिए गर्व और गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मीराबाई चानू की अटूट मेहनत, अनुशासन, समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति ने एक बार फिर विश्व मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया है। उनका उत्कृष्ट प्रदर्शन देश के युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि मीराबाई चानू की यह सफलता भारतीय खेल जगत की बढ़ती ताकत और खिलाड़ियों के अथक प्रयासों का प्रमाण है। उन्होंने इस शानदार उपलब्धि के लिए मीराबाई चानू को पुनः हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी प्रतियोगिताओं के लिए अनंत शुभकामनाएं दीं।

जयपुर-दिल्ली फ्लाइट में देरी पर सांसद हनुमान बेनीवाल नाराज

प्रात : किरण संवाददाता

जयपुर। जयपुर से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान में सोमवार सुबह हुई देरी पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के सांसद हनुमान बेनीवाल ने नाराजगी जताते हुए केंद्र सरकार और एयर इंडिया पर सवाल उठाए। बेनीवाल को संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही शुरू होने से पहले दिल्ली पहुंचकर विपक्षी सांसदों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करनी थी, लेकिन उड़ान समय पर रवाना नहीं हो सकी। एयर इंडिया की जयपुर-दिल्ली उड़ान एआई-1834 निर्धारित समय सुबह 8:50 बजे उड़ान नहीं भर सकी और करीब एक घंटा 20 मिनट की देरी से सुबह 10:10 बजे रवाना हुई। समय पर दिल्ली नहीं पहुंच पाने से नाराज बेनीवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि देशभर में उड़ानों में लगातार हो रही देरी और अव्यवस्था से लाखों यात्री परेशान हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू इस गंभीर समस्या पर मौन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का एयरलाइंस के संचालन और समयबद्धता पर प्रभावी नियंत्रण नहीं रह गया है। बेनीवाल ने कहा कि यात्रियों के समय का सम्मान सुनिश्चित करना और विमानन व्यवस्था में जवाबदेही तय करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है।

साई मंदिर में तीन दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव 28 से 30 जुलाई तक

प्रात : किरण संवाददाता

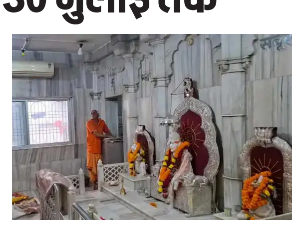

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय के धरमपुरा मार्ग में स्थित साई बाबा मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। 28 जुलाई से 30 जुलाई तक तीन दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव में विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक, पालकी यात्रा, भजन संध्या, महाआरती, प्रसाद वितरण और पौधरोपण जैसे कार्यक्रम होंगे। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह काकड़ आरती से कार्यक्रम की शुरूआत होगी। दिनभर दर्शन, पूजन और धार्मिक अनुष्ठान चलते रहेंगे। शाम को भजन संध्या एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। रात्रि में महाआरती के बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा। मंदिर समिति के अनुसार इस तीन दिवसीय महोत्सव की शुरूआत 28 जुलाई को सुबह काकड़ आरती, विशेष अभिषेक और गुरु पूजन से होगी। दोपहर को मंदिर से करीब 8 किमी की पालकी व कलश यात्रा निकलेगी। 29 जुलाई को दिनभर धार्मिक अनुष्ठान, भजन संध्या और महाआरती होगी। इससे पहले दोपहर की आरती के बाद महाभंडारा होगा। शाम को फलों से अर्चना की जाएगी। 30 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के मुख्य पर्व पर विशेष पूजन, हवन, महाआरती तथा प्रसाद वितरण के साथ सत्यनारायण कथा होगी। शाम को सुंदरकांड का पाठ होगा। रात 10 बजे शेजारती के बाद महोत्सव का समापन होगा। इस महोत्सव में पूजा-पाठ के लिए नागपुर से पांच पुजारियों को बुलाया गया है। मंदिर समिति ने इस वर्ष महोत्सव को सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ा है।

राजस्थान के निकाय और पंचायत चुनाव में उतरेगी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन

जयपुर। सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने राजस्थान के आगामी पंचायत राज और नगर निकाय चुनाव पूरी ताकत के साथ लड़ने का ऐलान किया है। पहली बार पार्टी राज्य में आधिकारिक और समर्थित उम्मीदवार उतारकर स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव में अपनी राजनीतिक मौजूदगी दर्ज कराने की तैयारी में है। एआईएमआईएम राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष जमील खान ने हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी से मुलाकात कर प्रदेश के राजनीतिक हालात और चुनावी रणनीति पर चर्चा की। बैठक में ओवैसी ने राजस्थान में निकाय और पंचायत चुनाव मजबूती से लड़ने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके बाद रविवार को प्रदेशाध्यक्ष जमील खान की अध्यक्षता में प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों और कार्यकताओं की वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनावी तैयारियों को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई। जमील खान ने कहा कि पार्टी स्थानीय मुद्दों, जनता के अधिकारों और जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए चुनाव मैदान में उतरेगी और संगठनात्मक मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट आरिफ मोहम्मद ने बताया कि प्रदेशभर में जल्द ही व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू किया जाएगा। इसके तहत जिला और वार्ड स्तर पर संगठन को मजबूत किया जाएगा तथा स्थानीय स्तर पर सक्रिय और मजबूत पकड़ रखने वाले कार्यकताओं को प्रत्याशी बनाया जाएगा। एआईएमआईएम के इस फैसले के बाद प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि मुस्लिम बहुल और अल्पसंख्यक प्रभाव वाले क्षेत्रों में पार्टी की सक्रियता से स्थानीय चुनावों में मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे क्षेत्रों में एआईएमआईएम की मौजूदगी कांग्रेस और भाजपा दोनों के चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।

कटघोरा वनमंडल में लोनर हाथी का कहर जारी, बंजारी में तीन मकान तोड़े

प्रात : किरण संवाददाता

कोरबा। जिले के कटघोरा वनमंडल में लोनर हाथी का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। एतमानगर रेंज के ग्राम बंजारी में रविवार देर रात लोनर हाथी ने फिर घुसकर जमकर उत्पात मचाया। हाथी ने एक के बाद एक तीन मकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया। हालांकि समय रहते ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, रात करीब 11 बजे जंगल से निकला लोनर हाथी बंजारी के केवचेरवा पारा और भदरापारा पहुंच गया। यहां उसने सबली बाई (पति शिवधन), श्याम बाई (पति अमीर) तथा बुधवारों (पति बुधराम) सहित तीन ग्रामीणों के मकानों को निशाना बनाते हुए तोड़फोड़ की। इस दौरान घरों में रखा घरेलू सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मचारी और हाथी मित्र दल मौके पर पहुंचे। टीम ने ग्रामीणों को सुरक्षित घरों से बाहर निकाला और काफी मशक्कत के बाद हाथी को जंगल की ओर खदेड़ा। इसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। बताया जा रहा है कि पिछले 24 घंटे के दौरान इसी लोनर हाथी ने बंजारी गांव में कुल छह से अधिक मकानों को क्षतिग्रस्त किया है, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वन विभाग और हाथी मित्र दल लगातार गांवों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क रहने की अपील कर रहे हैं तथा हाथी की गतिविधियों पर निगरानी रखे हुए हैं। इसके बावजूद हाथी बार-बार जंगल से निकलकर आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंच रहा है। इधर, कोरबा वनमंडल के करतला रेंज के ग्राम घोटमार में भी एक दंतैल हाथी की आमद से वन विभाग सतर्क हो गया है। कुदमुरा की ओर से पहुंचे दंतैल हाथी की निगरानी के लिए वन अमला लगातार गश्त कर रहा है। घोटमार और आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क रहने और रात के समय घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी जा रही है। डीएफओ निशांत कुमार ने बताया कि बंजारी में बीती रात तीन मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। सभी प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था।

सीआरपीएफ की 88वीं वर्षगांठ पर 212वीं बटालियन में सैनिक सम्मेलन आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

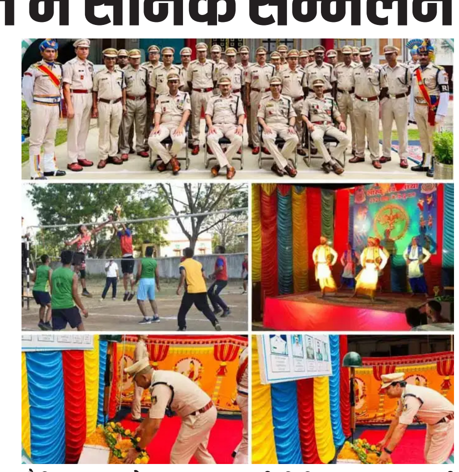

सुकमा। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 212वीं बटालियन परिसर में सोमवार को बल की 88वीं वर्षगांठ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत अधिकारियों एवं जवानों द्वारा बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके उपरांत क्वार्टर गार्ड में कमांडेंट (एओडी) शमीमुद्दीन शेख ने सलामी ली तथा सीआरपीएफ की उपलब्धियों एवं गौरवशाली परंपराओं की जानकारी दी। इस अवसर पर विशेष सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें जवानों को सीआरपीएफ की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान मिठाई का वितरण भी किया गया। वर्षगांठ समारोह के अंतर्गत खेलकूद प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कमांडेंट (एओडी) शमीमुद्दीन शेख के निर्देशन में हुआ। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी (परिचालन) दिनेश कुमार, उप कमांडेंट गौरव शर्मा, सहायक कमांडेंट राकेश लामा, सहायक कमाण्डेन्ट सहित सभी अधिनस्थ अधिकारी एवं जवान एकत्रित हुए।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए 31 जुलाई तक आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली, नवाचारी और प्रेरणादायी बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किए जाने वाले देश के सर्वोच्च बाल सम्मान प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग ने बच्चों, अभिभावकों, शिक्षण संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों से अधिक से अधिक योग्य बच्चों का नामांकन कराने की अपील की है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने कम उम्र में वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल कर समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया हो। यह प्रतिष्ठित सम्मान भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है। विभागीय जानकारी के अनुसार 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के पात्र बच्चे 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक बच्चे स्वयं आवेदन करने के साथ-साथ उनके अभिभावक, विद्यालय, सामाजिक संस्थाएं एवं अन्य व्यक्ति भी योग्य बच्चों का नामांकन कर सकते हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग ने प्रदेश के प्रतिभाशाली बच्चों से इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान का लाभ उठाने का आग्रह करते हुए कहा है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन कर वे अपनी प्रतिभा और उपलब्धियों को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचा सकते हैं। सभी आवेदन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे।

कांकेर में मलेरिया से 10 दिन में तीन मौतें बस्तर संभााग में 8426 मरीज पॉजिटिव

प्रात : किरण संवाददाता

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के मदापीटी बालक आश्रम में पढ़ने वाले चौथी कक्षा के छात्र सुभाष कुमेटी (9) की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। जिले में दो दिन में मलेरिया से दो बच्चों की जान जा चुकी है। बीते 10 दिनों में यह तीसरी मौत है, तीनों मृतक स्कूली बच्चे हैं। वहीं छात्रावास के 11 बच्चे पॉजिटिव पाये गये हैं। मलेरिया के मरीज मिलने के बाद कांकेर स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। मामले को लेकर विभाग अलर्ट मोड पर है। सूचना पर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच कर रही है। कांकेर स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मदापीटी और इरादाह छात्रावास में कुल 11 छात्र मलेरिया संक्रमित मिले हैं। प्रभावित छात्रावासों और गांवों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें कैंप लगाकर इलाज कर रही हैं। जांच करने के साथ ही दवायें बांटी जा रही हैं। सभी छात्रावासों में विशेष निगरानी बरती जा रही है। स्वास्थ्य जांच में मलेरिया पॉजिटिव मिले तामेश्वर भास्कर (7) और विक्रम मंडावी (8) की हालत गंभीर होने पर उन्हें रायपुर रेफर किया गया है। नवीन कुमेटी का इलाज एमसीएच अलबेलापारा में चल रहा है। मृतक छात्र सुभाष की तबीयत बिगड़ने पर परिजन पहले उसे अस्पताल ले जाने के बजाय गांव में झाड़-फूंक कराने ले गए थे। गंभीर हालत में रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे उसे अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। लगातार मौतों के बाद सहायक आयुक्त जया मनु और जिला स्वास्थ्य अधिकारी की टीम आश्रम पहुंची और बच्चों का दोबारा टेस्ट कराया। बस्तर संभााग को मलेरिया मुक्त बनाने के लिए अभियान का 14वां चरण चल रहा है, लेकिन संक्रमण नहीं थम रहा है। इस साल जनवरी से अब तक 8426 लोग मलेरिया से पीड़ित हो चुके हैं। बस्तर में एक तरफ स्वास्थ्य विभाग कागजों पर मलेरिया मुक्त अभियान का दावा कर रहा है, वहीं जमीनी हकीकत यह है कि संक्रमण रोकने का सबसे मुख्य हथियार मेडिकेटेड मच्छरदानी पिछले दो साल से बांटी ही नहीं गई है। मानसून के साथ ही जुलाई-अगस्त से दिसंबर तक बस्तर में मलेरिया का पीक सीजन रहता है। आदिम जाति कल्याण विभाग कांकेर के सहायक आयुक्त जया मनु ने बताया कि 22 जुलाई को सभी छात्रावासों में बच्चों की स्वास्थ्य जांच कराई गई थी, तब कोई भी मलेरिया संक्रमित नहीं मिला था। 24 जुलाई के बाद अचानक मामले सामने आए हैं। कांकेर सीएमएचओ डा. आरसी ठाकुर ने बताया कि 22 तारीख तक तो कोई पॉजिटिव भी नहीं आया था। हमारी टीम 22 तारीख को भी जांच के लिए गई थी। लेकिन 24 तारीख को जब पुनः आए तब कुछ पॉजिटिव मिले और आज भी जांच कराई तो कुल 8 केस पॉजिटिव आए हैं। इरादा में अभी 3 केस पॉजिटिव आए हैं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर मलेरिया इतना तेजी से नहीं फैलता, लेकिन इस बार अचानक मलेरिया में कन्वर्ट हो रहा है। मलेरिया अपने आप में जानलेवा बीमारी हो जाती है।

द बॉडी शॉप की एंड ऑफ सीजन सेल शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

ब्रिटिश मूल के एथिकल ब्यूटी ब्रांड द बॉडी शॉप ने अपनी बहुप्रतीक्षित एंड ऑफ सीजन सेल (ईओएसएस) शुरू कर दी है। इस सेल के तहत ब्रांड के कई लोकप्रिय प्रोडक्ट्स पर ग्राहकों को 50% तक की छूट मिल रही है। सीमित अवधि तक चलने वाली यह सेल प्रीमियम सेल्फ-केयर प्रोडक्ट्स को पहले के मुकाबले अधिक किफायती कीमत पर खरीदने का मौका दे रही है। इस सेल में स्किनकेयर, बॉडीकेयर, हेयरकेयर और फ्रैगरेंस कैटेगरी के कई लोकप्रिय प्रोडक्ट्स शामिल हैं। स्किनकेयर रेंज में विटामिन ई इंटेंस मॉइस्चराइजर (100ml) और टी ट्री फेस वॉश जैसे उत्पादों पर ऑफर उपलब्ध हैं। वहीं, बॉडीकेयर में मैरीगोल्ड शावर जेल और मोरिंगा बॉडी लोशन जैसी पसंदीदा रेंज भी छूट के साथ खरीदी जा सकती है। इसके अलावा, फ्रैगरेंस रेंज में फुल रोज ओ डी परफ्यूम और ब्लैक मस्क ओ डी टॉयलेट जैसे सिग्नेचर परफ्यूम भी आकर्षक कीमतों पर उपलब्ध हैं। कंपनी का कहना है कि यह सेल उसके एथिकली सोर्स्ड (नैतिक तरीके से प्राप्त) इंग्रीडिएंट्स और उच्च गुणवत्ता वाले फॉर्मूलेशन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी दशार्ती है। इस ऑफर के जरिए ग्राहक अपनी पसंद के सेल्फ-केयर प्रोडक्ट्स पर बचत करने के साथ-साथ जिम्मेदार और जागरूक खरीदारी का विकल्प भी चुन सकते हैं। ब्रांड का मानना है कि खूबसूरती ऐसी होनी चाहिए, जो लोगों के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी बेहतर हो। प्राकृतिक तत्वों से प्रेरित फॉर्मूलेशन और सामाजिक जिम्मेदारी की सोच के साथ, यह सेल ग्राहकों को अपने ब्यूटी रूटीन को नई ताजगी देने और पसंदीदा प्रोडक्ट्स को किफायती कीमत पर खरीदने का अवसर देती है।

परित्यक्त बच्चों को नया जीवन और परिवार दे रही मातृछाया: मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर। महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े रायपुर के कोटा स्थित सेवा भारती संचालित ह्यमातृछायाह्य के 20वें स्थापना दिवस समारोह में आज शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान द्वारा नवजात, परित्यक्त एवं बेसहारा शिशुओं के संरक्षण, पालन-पोषण, शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए इसे सेवा और संवेदना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। मंत्री राजवाड़े ने बच्चों से आत्मीय

मुलाकात कर कहा कि मातृछाया ऐसे बच्चों को सुरक्षित आश्रय, स्नेह और बेहतर भविष्य देने का सराहनीय कार्य कर रही है। यहां बच्चों की देखभाल के साथ कानूनी प्रक्रिया के तहत उन्हें निसंतान दंपतियों को दत्तक दिए जाने की व्यवस्था भी की जाती है। सेवा भारती खोए हुए बच्चों को उनके परिजनों तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि ह्यनर सेवा ही नारायण सेवाह्य की भावना के साथ कार्य कर रहे संस्थान के कार्यकर्ता समाज के लिए प्रेरणा हैं। मंत्री राजवाड़े ने सेवा भारती मातृछाया परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संस्था के सेवा कार्यों के निरंतर विस्तार की कामना की।

संक्षिप्त खबरें

4 फीसदी भूखंड के लिए करेंगे आंदोलन

ग्रेटर नोएडा। अब 44 गांवों के प्रभावित किसान 4 फीसदी अतिरिक्त भूखंड के लिए आंदोलन करेंगे। इसकी तैयारी के लिए गांव-गांव में बैठकें की जा रही हैं। किसान जल्द ही भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर से मिलकर शिकायत करेंगे। सोमवार को किसानों ने जेतपुर गांव झीडी स्थित मंदिर परिसर में बैठक में कई फैसले लिए गए। साथ ही चेतावनी दी कि एक माह में उनकी समस्या का समाधान न होने पर प्राधिकरण पर आंदोलन करेंगे। किसानों ने कहा कि 20 जुलाई को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर शेष चार फीसदी प्लाट की मांग को लेकर एक दिवसीय अनशन दिया था।

बायोमेट्रिक से ऑनलाइन होगी जिला लाइब्रेरी की निगरानी

नोएडा। जिला लाइब्रेरी में बायोमेट्रिक सिस्टम शुरू कर दिया गया है। अब प्रतिदिन आने वाले सभी सदस्यों की उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज होगी और इसकी निगरानी शासन स्तर से भी की जाएगी। इससे पाठकों की संख्या और लाइब्रेरी के उपयोग का सटीक रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। कुछ दिन पहले सदस्यता शुल्क जमा करने की व्यवस्था भी ऑनलाइन कर दी गई थी। डिजिटल भुगतान और बायोमेट्रिक प्रणाली से लाइब्रेरी की कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी होगी। लाइब्रेरी प्रभारी रघुराज भाटी ने बताया कि सभी सदस्यों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है।

स्वर्णिम विहार में निकला सांप, मचा हड़कंप

नोएडा। सेक्टर-82 स्वर्णिम विहार में सुबह एक सांप निकलने से हड़कंप मच गया। सोसाइटी के एचआईजी फ्लैट में सुबह करीब 8 बजे प्रवेश द्वार के पास एक सांप दिखा। आरडब्ल्यूए सचिव राजेंद्र कुमार ने बताया कि जब वह अपने कुत्ते को टहला रहे थे, तभी उन्हें अचानक से सांप मिला। हालांकि तब किसी को पता नहीं था कि वह कहां से आया और कैसे सांप आया, फिर वन विभाग के एक सांप कैचर को बुलाया गया। इसके बाद करीब आधे घंटे में उसे पकड़ा जा सका इसके बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

ब्राह्मण महासभा ने मनाई चंद्रशेखर आजाद की जयंती

ग्रेटर नोएडा। सर्व भारतीय ब्राह्मण महासभा, गौतम बुद्ध नगर द्वारा पंडित चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई। पदाधिकारियों और सदस्यों ने आजाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अद्वितीय साहस, राष्ट्रप्रेम और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनील शांडिल्य ने कहा कि पंडित चंद्रशेखर आजाद आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। जिला अध्यक्ष एवं जिला प्रभारी नवीन तिवारी, राजेश शर्मा, योगेश जोशी, अखिलेश दीक्षित, अध्यक्ष मनीष त्रिपाठी, भूपेंद्र त्यागी समेत मौजूद रहे।

गार्ड को पीटा, दो भाइयों पर एफआईआर

दादरी। कोतवाली दादरी क्षेत्र के मायचा गांव के समीप कंपनी में गार्ड को साथी गार्ड ने भाई के साथ मिलकर पीटा और जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। दोनों भाइयों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि पीड़ित नवीन को काम व सामान की वीडियो बनाकर कंपनी के अधिकारियों के पास भेजनी पड़ती है। वीडियो बनाने के दौरान दोनों उर्फ कलवा व अमित आ गए और वीडियो बनाने को लेकर नवीन से विवाद करने लगे। पीड़ित का आरोप है कि मोहित ने वीडियो बनाकर भेजने से मना किया। जब उन्होंने मना किया तो डंडे से पिटाई की।

वर्कशॉप में मालिक व कर्मचारियों को पीटा

दनकौर। ढाकवाला गांव के कार वर्कशॉप में मालिक और उनके दो कर्मचारियों की पिटाई का मामला सामने आया है। संचालक ने आरोप लगाया कि 10 लोग वर्कशॉप में घुस गए और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बीच बचाव करने पर कर्मचारियों को भी पीटा गया। घायलों का उपचार जिम्स अस्पताल में चल रहा है। ऊंची दनकौर निवासी सुरेश नागर ने पुलिस को बताया कि भतीजे नीरज वर्कशॉप में कब्जे के 10 लोगों ने गाड़ियों में तोड़फोड़ की और फिर नीरज व कर्मियों पर हमला बोल दिया। कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

साइबर सुरक्षा का मिलेगा प्रशिक्षण

यमुना सिटी। नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (एनआईयू) ने वेबहैक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू साइन किया है। इस साझेदारी के तहत छात्रों को साइबर सिक्योरिटी, डिजिटल फॉरेंसिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर लॉ और साइबर अपराध जांच जैसे आधुनिक क्षेत्रों में उद्योग आधारित प्रशिक्षण और व्यावहारिक शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

कांवड़ यात्रा के दौरान संवेदनशील रहे यातायात पुलिस : डीसीपी

डीसीपी ट्रैफिक ने सोमवार को यातायात पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को कविनगर मैदान स्थित रामजानकी ऑडिटोरियम में यातायात पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई। इसमें डीसीपी ट्रैफिक ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी अनुशासन, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था का बड़ा पर्व है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु विभिन्न मार्गों से गुजरेंगे। ऐसे में प्रत्येक यातायात पुलिसकर्मी का व्यवहार धैर्यपूर्ण, विनम्र और सहयोगात्मक होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि कांवड़ियों और आम नागरिकों के साथ शालीनता और सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखा जाए तथा किसी भी समस्या का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने ड्यूटी के दौरान पूरी सतर्कता बरतने और निर्धारित प्वाइंट पर समय से मौजूद रहने के निर्देश भी दिए। कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। किसी भी स्थान पर जाम की स्थिति बनने पर तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था लागू की जाए, ताकि श्रद्धालुओं और आम लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में सभी यातायात पुलिसकर्मियों को हेलमेट, रिफ्लेक्टिव जैकेट सहित अन्य सुरक्षात्मक उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि खुद की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करना आवश्यक है। डीसीपी ट्रैफिक ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस की कार्यशैली सीधे जनता के बीच दिखाई देती है। इसलिए प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा, शुचिता और समर्पण की भावना से करें। साथ ही किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई करते हुए सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। बैठक के अंत में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया, ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुविधाजनक बन सके। बैठक में एडीसीपी ट्रैफिक वरुण कुमार सिंह और एसीपी ट्रैफिक प्रथम शुचिता सिंह भी मौजूद रहीं।

गाजियाबाद स्टेशन में शिवभक्तों के लिए हेल्प डेस्क बनेगी

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं के लिए अस्थाई हेल्प डेस्क बनाई जाएगी। प्लेटफार्म नंबर एक और दो पर अस्थाई हेल्प डेस्क का उद्देश्य श्रद्धालुओं और अन्य यात्रियों को समय पर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना और उनकी यात्रा को सुगम बनाना है। इस बार यात्रा की शुरूआत 30 जुलाई से हो रही। हर वर्ष कांवड़ यात्रा के दौरान गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से हरिद्वार की ओर जाने वाली ट्रेनों में सामान्य दिनों की तुलना में कहीं अधिक भीड़ रहती है। ऐसे में पहली बार यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को अक्सर ट्रेन और प्लेटफॉर्म की जानकारी लेने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस बार स्टेशन पर श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था होगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार प्लेटफार्म नंबर एक और दो पर जीआरपी और आरपीएफ के अस्थाई हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे। इन पर 24 घंटे जवान तैनात रहेंगे, जो श्रद्धालुओं और अन्य यात्रियों को ट्रेनों के आगमन-प्रस्थान, प्लेटफॉर्म नंबर, ट्रेन के ठहराव और अन्य जरूरी जानकारियां उपलब्ध कराएंगे। इसके अलावा यदि किसी श्रद्धालु को ट्रेन खोजने, सही प्लेटफॉर्म तक पहुंचने या किसी अन्य प्रकार की सहायता की आवश्यकता होगी तो हेल्प डेस्क पर मौजूद जवान उनकी सहायता भी करेंगे।

मकान की रेलिंग गिरने से पांच गाड़ियां क्षतिग्रस्त

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। विजयनगर के शांतिनगर इलाके में सोमवार को मकान की रेलिंग गिरने से पांच गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। ट्रक बैक करते वक्त हादसा हुआ। गनीमत यह रही कि खड़ी गाड़ियों पर जब रेलिंग गिरी तो उस समय उनमें कोई बैठा नहीं था। शांतिनगर निवासी केशव चौधरी, धर्मवीर और डॉ. खान ने बताया कि सुबह करीब साढ़े दस बजे ट्रक एनएच-9 से आ रहा था। वह शांतिनगर की गली में आ गया। गली संकरी होने की वजह से ट्रक आगे की तरफ नहीं जा सका। इसके बाद चालक ने ट्रक को बैक किया। चालक के साथ सहायक नहीं था। वह अंदाजा लगाकर ही ट्रक बैक कर रहा था। ट्रक बिजली के तारों को खींचते हुए पीछे की तरफ चलता रहा। बिजली के तार रेलिंग से बंधे हुए थे। इस कारण रेलिंग उखड़ गई। रेलिंग मकान के बाहर खाली जगह पर खड़ी पांच गाड़ियों पर गिर गई। चंदन, लाखन और विनय समेत पांच लोगों की गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। मकान राजू त्यागी का बताया जा रहा है। हादसा होने के बाद चालक ट्रक छोड़कर भागने लगा तो लोगों ने उसे पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने बताया जिस मकान की रेलिंग गिरने से हादसा हुआ है, उसके ऊपर एक ट्रांसपोर्टर ने कार्यालय बना रखा है। वहां काम करने के लिए आने वाले कर्मचारियों की गाड़ियां खड़ी थी। जिस समय रेलिंग गिरी उस वक्त गाड़ियों में कोई नहीं बैठा था। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना नहीं दी थी। फोन कर ट्रक के मालिक को बुलाया था। पास खड़े लोगों ने भागकर जान बचाई जिस वक्त मकान की रेलिंग गिरी उस वक्त कई लोग खड़े थे। रेलिंग गिरते ही लोगों ने भागकर जान बचाई। लोगों को हटने में थोड़ा भी समय लग जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। रेलिंग गिरने के बाद लोगों में काफी देर तक दहशत रही।

शेयर के सौदे में 3.24 करोड़ हड़पने का आरोप, 14 पर प्राथमिकी

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा। सेक्टर-63 की निवेश कंपनी से शेयर के सौदे में 3.24 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। कंपनी का आरोप है कि भुगतान के बावजूद आरोपी कंपनी ने तय संख्या में इक्विटी शेयर ट्रांसफर नहीं किए और रकम लौटाने से भी इन्कार कर दिया। पुलिस ने कंपनी, उसके निदेशकों और अन्य लोगों समेत 14 आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, सेक्टर-63 के एच ब्लॉक स्थित एसएन कैपिटल मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि नवीन पाराशर ने शिकायत की है कि अनिकेत ठाकुर और रजत चतुवेर्दी ने युवा क्रॉप ग्लोबल लिमिटेड व युवा ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के शेयर खरीदने के प्रस्ताव दिए थे। कंपनियों के मेट्रोपॉलिटिन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमएसईआई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध होने की भी जानकारी दी गई थी। इसके बाद उनकी कंपनी ने सात करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया। उन्होंने बताया कि युवा ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी, लेकिन युवा क्रॉप ग्लोबल लिमिटेड ने भुगतान मिलने के बावजूद 3.24 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयर ट्रांसफर नहीं किए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि कंपनी के निदेशकों ने पूर्व कर्मचारियों के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से धोखाधड़ी की। जांच के दौरान अन्य लोगों और संस्थाओं की भूमिका भी सामने आई। इसके आधार पर उसिक गाला, मीना महेश गाला, ध्वनी दत्तानी, करिश्मा रितुराज काकू, महेश देवचंद गाला, अनिकेत ठाकुर, रजत चतुवेर्दी, राजेश गुप्ता, शिशिर कुमार, विकास वर्मा, बबली इन्वेस्टमेंट, ऑप्टीमस फाइनेंशियल और शुभम इन्वेस्टमेंट को नामजद किया गया है। एसीपी दीक्षा सिंह ने बताया कि इस मामले में दस्तावेज और वित्तीय लेनदेन की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रॉपर्टी ट्रांसफर से पहले आरडब्ल्यूए की एनओसी अनिवार्य करने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन्स (फोनरवा) ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) को पत्र लिखकर मांग की है कि मकान, फ्लैट और भूखंडों के स्वामित्व हस्तांतर से पहले संबंधित रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) की अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) को अनिवार्य किया जाए। फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में कई बार संपत्तियों का हस्तांतरण आरडब्ल्यूए को जानकारी दिए बिना हो जाता है। इससे मेंटेनेंस शुल्क और अन्य देयताओं के निस्तारण, नए स्वामी का रिकॉर्ड अपडेट करने तथा सुरक्षा संबंधी औपचारिकताओं में परेशानी आती है। उनका कहना है कि यदि ट्रांसफर मेमोरेंडम जारी करने से पहले आरडब्ल्यूए की एनओसी अनिवार्य कर दी जाए तो यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि संपत्ति पर कोई बकाया देयता लंबित न हो और नए स्वामी का विवरण समय पर आरडब्ल्यूए के अभिलेखों में दर्ज हो जाए। वहीं फोनरवा के महासचिव के.के. जैन ने कहा कि इस व्यवस्था से संपत्ति हस्तांतरण की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और सुव्यवस्थित बनेगी। इससे अनावश्यक मानवीय विवेकाधिकार में कमी आएगी, जिससे भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी की संभावनाओं पर भी प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। आरडब्ल्यूए के गले की फांस है खाली पड़े प्लॉट : कई सेक्टरों की आरडब्ल्यूए का कहना है कि उनके सेक्टर में ऐसे करीब एक दर्जन से ज्यादा ऐसे प्लॉट हैं, जहां मालिकों ने खरीद तो लिए, लेकिन उनमें सालों से नहीं रह रहे हैं।

एमएमजी अस्पताल में सभी विभागों के ऑपरेशन बंद रहे

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। एमएमजी अस्पताल में सोमवार को ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में छत के सिविल कार्य के कारण ऑपरेशन बंद रहे। इससे हड्डी रोग, सामान्य सर्जरी और ईएनटी विभाग के मरीजों को अगली तारीख दे दी गई। जिला एमएमजी अस्पताल में रोजाना आठ से दस ऑपरेशन होते हैं। लेकिन ओटी की छत की मरम्मत के चलते संक्रमण से बचाव और मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऑपरेशन सेवाएं बंद रही। जिन मरीजों के ऑपरेशन सोमवार को होने थे, उन्हें नई तिथि देकर दोबारा बुलाया गया है। सोमवार को सात मरीजों की ऑपरेशन होने थे। इनमें आर्थो और सामान्य सर्जरी के मरीज शामिल थे। सीएमएस डा. राकेश कुमार का कहना है कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद ऑपरेशन सेवाएं सामान्य रूप से शुरू कर दी जाएंगी। हालांकि ऑपरेशन टलने से मरीजों और उनके परिजनों को कुछ असुविधा का सामना करना पड़ा। अस्पताल के सीटी स्कैन सेंटर का सर्वर सोमवार को 12 बजे के बाद प्रभावित हो गया। इसकी वजह से 10 से 20 मरीजों को वापस लौटना पड़ा। रेडियोलॉजिस्ट डा. पंकज शर्मा का कहना है कि सोमवार को 80 मरीजों की सीटी जांच की गई। सर्वर बीच-बीच में ठीक चलता रहा, इसके चलते मरीजों की जांच प्रभावित नहीं हुई। लेकिन एक बजे के बाद सर्वर नहीं चल सका। इसकी वजह से कुछ मरीजों को मंगलवार को जांच के लिए बुलाया गया है। शौचालय की मरम्मत सर्जिकल वार्ड के बाहर कॉरिडोर की छत की मरम्मत कर दी गई है। सोमवार को रैक लगाकर ब्लॉक किए गए रास्ते को खोल दिया। लेकिन वार्ड के अंदर शौचालय की छत का प्लास्टर सोमवार को फिर से टूट कर नीचे गिर गया। इसको देखते हुए ऑक्सीजन प्लांट के बाहर बने शौचालय मरीजों के लिए खोल दिए गए हैं।

गांवों को शहर की तरह सुविधाएं मिलनी चाहिए : त्रिलोक त्यागी

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने कहा कि गांवों को भी शहरों की तरह सुविधाएं मिलनी चाहिए। वह गोविन्दपुरम में पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का समर्थन किया।त्रिलोक त्यागी ने रविवार शाम गोविन्दपुरम में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की असली ताकत कार्यकर्ता होते हैं। प्रत्येक वार्ड में संगठन की इकाई का गठन होना चाहिए। उन्होंने महिलाओं को 33 प्रतिशत के स्थान पर 50 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का समर्थन किया। उन्होंने युवाओं से पार्टी से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि ऊजार्वान कार्यकर्ता ही संगठन का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि गांवों को शहरों जैसी सुविधाएं मिलनी चाहिए। शहरों के बीच बसे गांवों के विकास और सम्मान के लिए पार्टी प्रयासरत रहेगी। उन्होंने कार्यकताओं से विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटने की अपील की। इस मौके पर रालोद के पूर्व जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बॉबी, प्रबुद्ध कुमार, इंद्रवीर भाटी, तेजपाल चौधरी, डा, रेखा चौधरी और इंद्रजीत सिंह टूटी आदि मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने डा. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि मनाई

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। कांग्रेसियों ने सोमवार को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि मनाई। इस दौरान पुराना बस अड्डा स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। सभी कांग्रेसियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा। जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भारतीय विज्ञान, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण की ऐसी महान विभूति थे, जिन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि साधारण परिस्थितियों में जन्म लेने वाला व्यक्ति भी अपने ज्ञान, मेहनत और ईमानदारी के बल पर देश के सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम ने भारत के रक्षा एवं अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई दिशा प्रदान की। अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइल परियोजनाओं में उनके नेतृत्व ने भारत को विश्व के शक्तिशाली देशों की श्रेणी में स्थापित किया। उन्होंने कहा कि डा. कलाम के बताए मार्ग पर चलते हुए शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जाए, ताकि भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने का उनका सपना साकार हो सके। मौके पर रियाज सैफी, उदय सिंह पाल, सुनील सिंह, अनु मलिक, राजू शर्मा, जितेंद्र शर्मा, आफाक अहमद, राजाराम भारती, डॉली सत्यागी, अश्वनी त्यागी, हरेंद्र बाबा, लक्ष्मण जाटव आदि मौजूद रहे।

लोन नहीं चुकाने पर 6.61 लाख ब्याज सहित भुगतान करने का आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। वाणिज्यिक अदालत ने केनरा बैंक की ओर से दायर ऋण वसूली वाद में बैंक के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कारोबारी को एक माह के अंदर 6.61 लाख रुपये ब्याज सहित चुकाने का आदेश दिया है। अदालत में केनरा बैंक ने वीके फूड इंडिया और उसके संबंधित पक्षों के खिलाफ वसूली वाद दाखिल किया था। बैंक ने बताया कि 11 जनवरी 2017 को पांच लाख रुपये का बिजनेस लोन स्वीकृत किया गया था। समझौते के अनुसार, कारोबारी को 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज और विलंब होने पर 2.25 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज के साथ किस्तों का भुगतान करना था। लेकिन, कई बार नोटिस भेजने के बावजूद प्रतिवादियों ने बकाया रुपये जमा नहीं किए। बैंक ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजियाबाद में मध्यस्थता का भी प्रयास किया गया था, लेकिन प्रतिवादी के उपस्थित नहीं होने से कार्यवाही समाप्त हो गई। इसके बाद बैंक ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई के दौरान प्रतिवादी अदालत में उपस्थित नहीं हुए। बैंक ने शपथपत्र और ऋण संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किए, जिनके आधार पर अदालत ने माना कि बैंक का दावा प्रमाणित है और प्रतिवादियों की ओर से उसका खंडन करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया। अदालत ने आदेश में प्रतिवादियों को एक माह के भीतर 6,61,217 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया है। साथ ही वाद दायर किए जाने की तिथि से वास्तविक वसूली तक 12.25 प्रतिशत वार्षिक ब्याज त्रैमासिक चक्रवृद्धि आधार पर और वाद व्यय सहित राशि अदा करने का आदेश दिया है।

टेंपो की टक्कर से बाइक सवार दो भाई घायल

गाजियाबाद। कविनगर थानाक्षेत्र में आरडीसी फ्लाईओवर के पास टेंपो की टक्कर से बाइक सवार दो भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। कविनगर पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शास्त्री नगर के-ब्लॉक निवासी शुभम भट्ट ने पुलिस को बताया कि 22 जुलाई को दोपहर करीब साढ़े 12 बजे उसका भाई अभिषेक और साहिल भट्ट बाइक पर किसी कार्य से मोहन नगर जा रहे थे। जब दोनों आरडीसी फ्लाईओवर के पास पहुंचे तो पीछे से तेज गति से आए एक टेंपो ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में साहिल के बाएं पैर की हड्डी टूट गई, जबकि अभिषेक को भी गंभीर चोटें आईं। राहगीरों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के संबंध में शुभण भट्ट ने 26 जुलाई को कविनगर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की।

मुफ्त स्वास्थ्य शिविर में 200 लोगों की जांच हुई

गाजियाबाद। नंदग्राम के ई-ब्लॉक में गणेश अस्पताल ने निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया। इसमें करीब 200 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। शिविर में मरीजों की सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर सहित अन्य आवश्यक परीक्षण किए और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया। बिराज फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. बिराज सिंह ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) परिवार को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिविर लगाया गया। अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रतीक शर्मा ने कहा कि सामाजिक दायित्व के तहत समय-समय पर ऐसे शिविर आयोजित करता रहेगा। शिविर में विमल कुमार यादव, डॉ. रामोद यादव तथा अस्पताल के डॉ. ललित, डॉ. नमरीन, योगेश, निधि, राहुल, मोहन सहित चिकित्सा एवं सहयोगी स्टाफ ने सहयोग दिया।

गाजियाबाद में बंद मकान में महिला की सड़ी-गली लाश मिली, गले में लगा था फंदा

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र स्थित पूजा कॉलोनी में एक बंद मकान से 52 वर्षीय महिला का सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मकान से तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने मकान मालिक और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ताला तोड़ा तो कमरे के अंदर महिला का शव फर्श पर पड़ा मिला। महिला के गले में रस्सी का फंदा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और महिला के साथ रहने वाला उसका दूसरा पति फरार बताया जा रहा है। उसकी तलाश में पुलिस की दो टीमें लगाई गई हैं। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान प्रमिला (52) के रूप में हुई है। वह अपने दूसरे पति पवन और सात वर्षीय बेटी विद्या के साथ पूजा कॉलोनी में किराए के मकान में रहती थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, परिवार करीब 10 दिन पहले ही इस मकान में रहने आया था। शनिवार से मकान पर ताला लगा हुआ था। रविवार सुबह मकान से बदबू आने और दरवाजे के बाहर मक्खियां मंडराने पर पड़ोसियों ने इसकी जानकारी मकान मालिक और पुलिस को दी। सहायक पुलिस आयुक्त राम किशन ने बताया कि पुलिस ने ताला तोड़कर कमरे में प्रवेश किया तो महिला का शव काफी सड़ी-गली अवस्था में मिला। प्रारंभिक जांच में महिला के गले में रस्सी का फंदा भी मिला है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। जांच के दौरान मृतका की बहन की बेटी ने पुलिस को बताया कि प्रमिला की पहली शादी पिंटू नामक व्यक्ति से हुई थी, जिससे उसकी एक बेटी विद्या है। बाद में वह पवन के साथ रहने लगी थी। पवन की पहली पत्नी से भी दो बेटियां हैं। दोनों पिछले करीब सात वर्षों से साथ रह रहे थे और उनके बीच अक्सर घरेलू विवाद होता रहता था। परिजनों के अनुसार, प्रमिला ने करीब पांच दिन पहले अपनी बेटी को अपनी बहन के घर छोड़ दिया था। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद से पवन लापता है। उसकी तलाश के लिए दो टीमें गठित की गई हैं। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौ सुरक्षा को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। गौ सुरक्षा एवं गौवंश को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को जिला मुख्यालय पर गो सम्मान आह्वान अभियान के बैनर तले बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपकर गौ संरक्षण के लिए सख्त केंद्रीय कानून बनाने की मांग उठाई। अभियान के क्षेत्रीय अध्यक्ष अंकित भारद्वाज के नेतृत्व में पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने कहा कि गौवंश की सुरक्षा और संरक्षण के लिए पूरे देश में एक समान एवं प्रभावी कानून लागू किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि इससे गौ तस्करी और गौवंश के प्रति होने वाले अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। ज्ञापन में प्रत्येक जिले और प्रमुख स्थानों पर गौ चिकित्सा केंद्र स्थापित करने, स्कूलों के पाठ्यक्रम में गौवंश के महत्व और संरक्षण से जुड़े विषय शामिल करने तथा सभी धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में गौवंश के दूध से बने उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने की मांग की गई। इसके अलावा गौ संरक्षण के लिए अलग से गौ कल्याण उपकर लागू करने का भी सुझाव दिया गया, ताकि गौशालाओं और संरक्षण संबंधी योजनाओं के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हो सकें। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि गौ संरक्षण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि पर्यावरण, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांगों पर शीघ्र निर्णय लेकर आवश्यक कदम उठाने की अपील की। ज्ञापन सौंपने के दौरान अभियान से जुड़े पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी पर ध्वस्तीकरण कार्रवाई रोकने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा ने मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी पर प्रस्तावित ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। इसे लेकर सोमवार को सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। महानगर अध्यक्ष मोहम्मद अब्बास हैदर और जिलाध्यक्ष नूर हसन ने ज्ञापन में कहा कि यूनिवर्सिटी पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से सैकड़ों छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों का भविष्य प्रभावित होगा। उनका कहना था कि यूनिवर्सिटी का निर्माण उस समय हुआ, जब संबंधित क्षेत्र ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता था और निर्माण के लिए विकास प्राधिकरण से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं थी। बाद में गांव सिघन खेड़ा को रामपुर विकास प्राधिकरण में शामिल किया गया, तब तक यूनिवर्सिटी का निर्माण पूरा हो चुका था। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई से गरीब और जरूरतमंद छात्रों की शिक्षा प्रभावित होगी। उन्होंने राज्यपाल से हस्तक्षेप कर ध्वस्तीकरण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में नौशाद अली, फहीम चौधरी, नसीम खान, अब्दुल, असलम कुरैशी, खालिद, राजा खान, सनोज यादव, साहिल मुशहिद और शाहनवाज समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वैभव सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट प्लेयर

सचिन तेंदुलकर का भी रिकॉर्ड टूटा, इस साल टी-20 में 86 छक्के लगाए

हरारे (एजेंसी)। भारत ने तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सबसे ज्यादा 151 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे इंटरनेशनल क्रिकेट में यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट खिलाड़ी बन गए। हरारे में सूर्यवंशी ने 49 गेंद पर 81 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यवंशी इस साल टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा 86 छक्के लगा चुके हैं।

सूर्यवंशी ने पहला प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता: सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी ने अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान का रिकॉर्ड तोड़ा। मुजीब 16 साल 328 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे।

सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय: सूर्यवंशी 15 साल 121 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने। वे इंटरनेशनल में यह अवॉर्ड जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 17 साल 112 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। सूर्यवंशी ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी भी बने। सिएरा लिओन के एलुसिन तुरे इंटरनेशनल में प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 15 साल 74 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था।

सूर्यवंशी की इंटरनेशनल में दूसरी फिफ्टी: सूर्यवंशी ने 16 साल की उम्र से पहले इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में दूसरी फिफ्टी लगाई। उनके अलावा नेपाल के कुशल मल्ला ने 16 साल की उम्र से पहले एक बार 50+ स्कोर बनाया था।

सूर्यवंशी इस साल सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय: सूर्यवंशी एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 छक्के लगाने वाले भारतीयों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वे इस साल सभी टी-20 मैच मिलाकर 86 छक्के लगाकर लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। इस मामले में अभिषेक शर्मा पहले स्थान हैं। उन्होंने 2025 में 108 छक्के लगाए थे।टी-20 में कम से कम 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में सूर्यवंशी का प्रति बॉल सिक्स औसत सबसे बेहतर है।

दो बार के ओलंपियन साजन ने प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

ग्लास्गो (एजेंसी)। दो बार के ओलंपियन भारतीय तैराक साजन प्रकाश ने सोमवार को यहां एक मिनट 58.59 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर) में दूसरे स्थान पर रहते हुए राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। स्कॉटलैंड के डंकन स्कॉट एक मिनट 58.29 सेकेंड के साथ समय के साथ शीर्ष पर रहे। साजन अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से पीछे रहे। इस 31 वर्षीय भारतीय ने इसी साल सिंगापुर राष्ट्रीय आयु वर्ग तैराकी चैंपियनशिप में एक मिनट 57.09 सेकेंड का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप :

ईशा सिंह ने जीता गोल्ड, मनु भाकर को ब्रॉन्ज मेडल

हांगझू (चीन)(एजेंसी)। चीन के हांगझू में हो रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में भारतीय पिस्टल स्टार ईशा सिंह और मनु भाकर ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीते और प्रतियोगिता में भारत का शानदार सफर जारी रखा। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की प्रेस रिलीज के अनुसार ईशा ने फाइनल में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 40 हिट के साथ गोल्ड मेडल पक्का किया, जबकि पेरिस 2024 में दो ओलंपिक मेडल जीतने वाली मनु भाकर ने कड़े मुकाबले का सामना करते हुए एक अहम शूट-ऑफ जीता और 28 हिट के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन राउंड में ही बेहतरीन शुरुआत की। मनु भाकर 586-203 के शानदार स्कोर के साथ क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में टॉप पर रहीं, जबकि ईशा सिंह 585-183 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और आसानी से फाइनल में जगह बनाई। एशियाई खेलों की पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट राही सरनोबत ने 582-163 का स्कोर किया, जबकि सिमरनप्रीत कौर बराड़ (576-203) और अभिज्ञा अशोक पाटिल (573-163) ने रैंकिंग पॉइंट्स ओनली स्टेटस के तहत खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया।

इस सीजन की शुरुआत में म्यूनिख में वर्ल्ड कप में रिकॉर्ड-तोड़ गोल्ड मेडल जीतने के बाद मानसिक दबाव से उबरने के बारे में बात करते हुए ईशा सिंह ने कहा, यह मैच मेरे लिए बहुत दबाव वाला था क्योंकि मेरे पास पहले से ही एक मेडल था। आप अपने इवेंट में जितना बेहतर करते हैं, आपको उतनी ही ज्यादा प्रतिष्ठा का बोझ महसूस होता है जिसे आपको पार करना होता है। मुझे खुशी है कि मैं आज इससे उबर पाई और शुक्रगुजार हूं कि मुझमें इसे सहने की क्षमता थी। मुझे हांगझू में मुकाबला करना बहुत पसंद है। एशियाई खेलों के दौरान हुए मुकाबले को याद करते हुए, जहां मैंने चार मेडल जीते थे, मैं यहां वापस आने के लिए बहुत उत्साहित थी। फाइनल हॉल में रेंज, लाइटिंग और माहौल से वाकिफ होना निश्चित रूप से मेरे पक्ष में रहा।

मैच के बाद अपने प्रदर्शन और आने वाले सीजन के लिए मोमेंटम बनाने के बारे में बात करते हुए मनु भाकर ने कहा, यह मेडल बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक सीढ़ी की तरह काम करता है। इससे मुझे स्पष्टता मिलती है कि क्या काम कर रहा है और मैं किस दिशा में आगे बढ़ना चाहती हूं। मेडल निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास बढ़ाता है, लेकिन इस प्रतिस्पर्धी मैच से मुझे जो अनुभव मिला है, वह वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियाई खेलों जैसे बड़े आयोजनों की तैयारी में और भी अधिक मददगार साबित होगा।

हैदराबाद की 21 वर्षीय ईशा सिंह के लिए गोल्ड मेडल करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ता है। इससे पहले इस सीजन में म्यूनिख में ढ्रस्स्न वर्ल्ड कप में ईशा ने फाइनल में 43 हिट के साथ सीनियर और जूनियर दोनों वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रचा था। पेरिस 2024 ओलंपियन और अर्जुन अवार्डी, ईशा दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में अपनी जगह बना रही हैं।

मनु भाकर के लिए ब्रॉन्ज मेडल ग्लोबल स्टेज पर उनके शानदार प्रदर्शन को और मजबूत करता है, खासकर उनके ऐतिहासिक पेरिस 2024 ओलंपिक अभियान के बाद जहां वह खेलों के एक ही संस्करण में दो मेडल जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली एथलीट बनी थीं।

रन-अप में बदलाव का मिला फायदा, रवि बिश्नोई का जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में दमदार प्रदर्शन

हरारे (एजेंसी)। भारत के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से जीती गई टी20 सीरीज के बाद अपनी शानदार वापसी का राज बताया। बिश्नोई ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर हुई गलतियों के बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरु में अपनी रन-अप पर कड़ी मेहनत की और अब उसका सकारात्मक परिणाम मैदान पर देखने को मिल रहा है। जिम्बाब्वे दौरे पर बिश्नोई ने तीन विकेट झटके और भारत की क्लीन स्वीप में अहम भूमिका निभाई।

इंग्लैंड दौरे की गलती से लिया सबक

रवि बिश्नोई के लिए इंग्लैंड दौरा बेहद निराशाजनक रहा था। मैनचेस्टर टी20 में उन्होंने तीन बैक-फुट नो-बॉल फेंकी थीं और 60 रन खर्च किए थे। उस मुकाबले के बाद उनकी गेंदबाजी और खासकर रन-अप को लेकर सवाल उठे। इसके बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पूर्व स्पिनर सैराज बहुतुले और सुनील जोशी की निगरानी में अपनी तकनीक पर काम किया।

गलतियां सुधारीं, अब नतीजे सामने हैं

सीरीज खत्म होने के बाद रवि बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी की कमियों पर मेहनत की और कोचिंग स्टाफ से लगातार मदद मिली।रवि बिश्नोई ने कहा, मैंने उन चीजों पर काम किया जिनमें सुधार की जरूरत थी, क्योंकि मेरी गेंदबाजी में कुछ गलतियां आ गई थीं। अब उन पर काम करने का फायदा मिल रहा है और उसके नतीजे भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, कोचों ने मेरा काफी समर्थन किया और बताया कि मुझे किन पहलुओं पर काम करना है। मेरा रन-अप थोड़ा ज्यादा वाइड हो गया था, जो आमतौर पर नहीं होता, लेकिन दुर्भाग्य से इंग्लैंड वाले मैच में बार-बार ऐसा हुआ।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026

भारत को बड़ा झटका | राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुरिंदरवीर सिंह का 100 मीटर हीट में सफर समाप्त

ग्लास्को (एजेंसी)। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत की सबसे बड़ी एथलेटिक्स पदक उम्मीदों में शामिल गुरिंदरवीर सिंह पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा के शुरुआती हीट से आगे नहीं बढ़ सके। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारतीय धावक सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे, जिससे भारत की एथलेटिक्स में पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

गुरिंदरवीर ने मई 2026 में रांची में आयोजित फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर इतिहास रचा था। वह 10.10 सेकंड से कम समय में 100 मीटर दौड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष धावक बने थे। इस प्रदर्शन के बाद उनसे राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें थीं, लेकिन अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके।

अब हाई जंप पर टिकी भारत की नजर

गुरिंदरवीर के बाहर होने के बाद अब भारतीय एथलेटिक्स दल की उम्मीदें पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा पर टिकी हैं। फाइनल में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे, पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर और आदर्श राम ज्योति शंकर भारत की चुनौती पेश करेंगे। सर्वेश कुशारे हाल ही में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में तीसरा स्थान हासिल कर शानदार फॉर्म का भी परिचय दिया था।

10.39 सेकंड का समय भी नहीं दिला सका सेमीफाइनल का टिकट

100 मीटर हीट में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.39 सेकंड का समय निकाला। हालांकि यह प्रदर्शन सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। सभी 11 हीट समाप्त होने के बाद गुरिंदरवीर 73 धावकों में 28वें स्थान पर रहे। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष 17 धावकों को जगह मिली। रिपोर्ट के अनुसार यदि गुरिंदरवीर 10.24 सेकंड का समय निकालते तो वह अगले दौर के लिए क्वालिफाई कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पहुंचे थे ग्लास्गो

गुरिंदरवीर ने फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था। उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाते हुए अनिमेष कुजूर के एक दिन पहले बने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था। इसी वजह से उन्हें ग्लास्गो में भारत के संभावित पदक विजेताओं में गिना जा रहा था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

सौम्य सरकार की 5 साल बाद वापसी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान नजमुल हुसैन शांतो को सौंपी गई है। बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सौम्य सरकार को शामिल किया गया है। सौम्य आखिरी बार 2021 में टेस्ट फॉर्मेट में खेले थे। दूसरी तरफ, 2023 की डब्ल्यूटीसी चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही इस सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर चुकी है।

पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम

नजमुल हुसैन शंतो (कप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन, मोमिनुल हक, मुशिफकुर रहीम, अमीत हसन, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उप-कप्तान), तैजुल इस्लाम, तास्किन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, इबादत हुसैन चौधरी, मुश्फिक हसन।

तमिलनाडु के सीएम विजय देंगे सिल्वर मेडल

जीतने वाले वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी को 30 लाख नकद इनाम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी के लिए 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा की है। मुथुपांडी ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता था। मुथुपांडी को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इनाम उनके शानदार प्रदर्शन के सम्मान में दिया जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि मेडल जीतने की यह उपलब्धि राज्य भर के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। मुथुपांडी ने कुल 286 किग्रा (126 किग्रा + 160 किग्रा) का भार उठाया। मुथुपांडी ने 125 किग्रा स्नैच के सफल प्रयास से शुरुआत की और फिर अपने दूसरे प्रयास में इसे बढ़ाकर 126 किग्रा कर दिया। वे अपने आखिरी प्रयास में 129 किग्रा का भार नहीं उठा पाए। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने सफलतापूर्वक 158 किग्रा और 160 किग्रा का भार उठाया, लेकिन अपने आखिरी प्रयास में 170 किग्रा उठाने में असफल रहे। इस प्रयास से उन्हें सिल्वर मेडल मिला। इस उपलब्धि को तमिलनाडु और भारत के लिए गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री विजय ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के जरिए युवा वेटलिफ्टर को बधाई दी। उन्होंने मुथुपांडी के प्रदर्शन को रिकॉर्ड बनाने वाली उपलब्धि बताया और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके दृढ़ संकल्प की सराहना की। 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार एथलीट की सफलता को राज्य के सर्वोच्च खेल पुरस्कारों में से एक से सम्मानित करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुथुपांडी की उपलब्धि उभरते हुए खिलाड़ियों को खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने और तमिलनाडु को और अधिक पहचान दिलाने के लिए प्रेरित करेगी। विजय ने कहा, मैं ग्लासगो में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर राजा मुथुपांडी को दिल से बधाई देता हूं। उनकी सफलता तमिलनाडु के लिए बहुत गर्व की बात है।

सक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद में मासूम गिड़गिड़ाता रहा और सनकी आशिक ने गला दबाकर महिला को मार डाला

गाजियाबाद, एजेंसी। प्रेम नगर कॉलोनी में रिजवाना की हत्या के समय उनके दो छोटे बच्चे घर पर थे। जबकि दोनों बड़े बच्चे स्कूल गए हुए थे। दोनों में हाथापाई होने पर चार वर्षीय बेटे ने चाचा को अम्मी को न मारने के लिए कहा, लेकिन आरोपित ने उसकी एक न सुनी। लोगों ने बताया कि निसार के घर से निकालने के कुछ देर बाद ही फैजान घर पहुंचा। वह रिजवाना से बातचीत करने लगा। इस दौरान उसने बच्चों को बाहर भेज दिया। कुछ देर बाद कमरे से तेज आवाज आने लगी तो चार वर्षीय बेटा कमरे में चला गया। उसने देखा कि चाचा रस्सी से अम्मी का गला दबा रहे हैं। उसने रोते हुए चाचा से अम्मी को न मारने के लिए कहा, लेकिन आरोपित ने उसकी एक न सुनी। आरोपित यही कहता रहा कि अगर तू मेरी नहीं हुई तो किसी की नहीं रहने दूंगा। एसीपी लोनी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में फैजान का एकतरफा प्रेम सामने आया है। उसने रिजवाना से साथ चलने को कहा लेकिन उसने साथ चलने से मना कर दिया। गुस्से में आरोपित ने रिजवाना की गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपित के जाने के बाद रिजवाना बेसुध फर्श पर पड़ी थी।

फरीदाबाद में मोहना एलिवेटेड मार्ग पर निर्माण कार्य ठप

डागर, एजेंसी। फरीदाबाद में मोहना एलिवेटेड मार्ग पर पेयजल की लाइन को बदलने के लिए पिछले चार महीने से पीडब्ल्यूडी को पाइप नहीं मिल रहे। यह लाइन जैन कॉलोनी के बूस्टर से पंचायत भवन के प्रांगण में बनाए गए बूस्टर के लिए जाती है। पाइपलाइन न बदले जाने के कारण पिछले चार महीने से पिलर डालने का काम ठप पड़ा हुआ है। चार दिन पहले पीडब्ल्यूडी के अधीक्षक अभियंता मनोज ओला ने एलिवेटेड साइट का निरीक्षण किया था। वहीं, निरीक्षण के दौरान ओला ने पीडब्ल्यूडी के विभागीय अधिकारियों और ठेकेदार को एलिवेटेड के काम को दिसंबर-2026 तक पूरा करने के निर्देश दिए। यदि इसी तरह से पाइपलाइन के कारण काम ठप रहा तो योजना का निर्माण कार्य अंतिम तारीख तक कैसे पूरा हो जाएगा। पीडब्ल्यूडी के उपमंडल अधिकारी रवि इंद्र सिंह का कहना है कि वह पाइप लेने के लिए एफएमडीए से बातचीत कर रहे हैं। जल्दी ही पाइप को लाकर लाइन को बदल दिया जाएगा।

नोएडा जिला अस्पताल की इमरजेंसी में ऑनकॉल नहीं आया डॉक्टर

नोएडा, एजेंसी। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में गंभीर रूप से घायल मरीजों के तत्काल उपचार के लिए विशेषज्ञों को ऑनकॉल बुलाने की सेवा ध्वस्त हो गई है। चौंकाने वाली बात है कि तीन दिन पूर्व अस्पताल के स्टाफ ने लहूलुहान हालत में एक मरीज को विशेषज्ञ की परामर्श और बिना एक्सरे जांच के रेफर करने के लिए बोल दिया। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में मेरठ मंडल के अपर निदेशक इमरजेंसी में आनकाल विशेषज्ञ न बुलाने और एक्सरे के बिना मरीज रेफर करने पर भड़क गए। उन्होंने स्टाफ को फटकार लगाकर सीएमएस से मामले में जवाब तलब किया है। जानकारी के अनुसार, 24 जुलाई को नोएडा के एक परिवार ने सात वर्षीय आदिल को गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया था। खून लगातार बह रहा था। स्टाफ ने घायल बच्चे का खून साफ किया और पट्टी बांध दी। हैरानी की बात है कि स्टाफकर्मी ने ऑर्थोपैडिक विशेषज्ञ को बुलाने के लिए न तो इमरजेंसी कॉल की और न ही उसकी चोट का सटीक पता लगाने के लिए एक्सरे किया। बावजूद इसके स्टाफकर्मी ने बच्चे को दूसरे अस्पताल रेफर करने के लिए बोल दिया। अब इस घटनाक्रम के बीच अपर निदेशक डॉ. मनोज कुमार सेन जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर रहे थे। इमरजेंसी में पहुंचकर उन्होंने मरीजों से बातचीत की तो व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे। अपर निदेशक ने बच्चे की स्थिति देखी और स्टाफ से विशेषज्ञ को आनकाल बुलाकर परामर्श देने व एक्सरे-जाने के लिए पूछा, तो जवाब में कहा कि इमरजेंसी में एक्सरे-तकनीशियन की डयूटी नहीं है और विशेषज्ञ भी आनकाल बुलाने पर नहीं आते हैं।

सिंगापुर में 1.25 लाख की नौकरी का लालच देकर 100 युवाओं को बनाया बंधक, फिरौती के लिए मांग रहे 15 लाख

अमरावती, एजेंसी। सिंगापुर में आईटी नौकरी का झांसा देकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के करीब 100 युवाओं को म्यांमार में बंधक बना लिया गया है. जहां वे एक अंतरराष्ट्रीय साइबर क्राइम सिंडिकेट के चंगुल में फंस गए हैं. पीड़ितों का दावा है कि उन्हें बिजली के झटके देकर प्रताड़ित किया जा रहा है. अंधेरे कमरों में बंद रखा जा रहा है, भूखा रखा जा रहा है और जबरन साइबर धोखाधड़ी कराई जा रही है. फंसे हुए लोगों में गुंटूर जिले के राधारंगानगर के साईबाबा, कृष्णा जिले के अवनीगड्डा के पूर्णा वेंकटकृष्णा और श्रीकाकुलम जिले के पलास के श्रीराम शामिल हैं. उनके परिवार वालों के अनुसार, इनलोगों ने सोशल मीडिया पर सिंगापुर में 1.25 लाख रुपये प्रति माह वेतन वाली आईटी नौकरियों के विज्ञापन देखकर आवेदन किया था. 2 अप्रैल को विजयवाड़ा से यह सोचकर रवाना हुए थे कि उन्हें वैध नौकरी मिल गई है. लेकिन भर्ती एजेंट कथित तौर पर उन्हें सिंगापुर के बजाय कंबोडिया ले गए और बाद में म्यांमार भेज दिया. जहां, उनके पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज जब्त कर लिए गए. पीड़ितों ने बताया कि उन्हें पहाड़ी इलाकों में बने सुनसान परिसरों में बंधक बनाकर रखा गया था. उनसे जबरन साइबर अपराध करवाए जा रहे थे. मना करने वाले या टारगेट पूरा न कर पाने वाले युवाओं को बिजली के झटके दिए जाते थे. अंधेरे कमरों में अकेले बंद कर दिया जाता था और भूखा रखकर बुरी तरह प्रताड़ित किया जाता था. पीड़ितों ने यह भी आरोप लगाया कि उनके साथ फंसी कुछ महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया गया. उन्होंने बताया कि कई लोगों ने वहां से भागने की कोशिश की, लेकिन पूर्णा वेंकटकृष्णा सहित 18 लोगों को दोबारा पकड़ लिया गया. गिरोह ने उन्हें बेरहमी से टॉर्चर किया. रिपोर्ट के अनुसार, यह साइबर गिरोह प्रत्येक व्यक्ति की रिहाई के बदले 15 लाख रुपये की फिरौती मांग रहा है. पीड़ितों से फोन कॉल मिलने के बाद, उनके रिश्तेदारों और दोस्तों ने 17 जुलाई को विदेश मंत्रालय (स्र्ड्ढ) के पास एक ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई. इसके बाद 22 जुलाई को आंध्र प्रदेश नॉन-रेसिडेंट तेलुगु सोसाइटी (क्क्त्रञ्ज) में भी एक अलग शिकायत दर्ज कराई गई है. शनिवार सुबह, साईबाबा के दोस्त साईराम द्वारा की गई।

गुरु केवल शिक्षा नहीं, जीवन को दिशा भी देते हैं, गुरुजनों के आदर्शों को जीवन में उतारें : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए गुरु-शिष्य परंपरा को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताया है। उन्होंने कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन को दिशा भी देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करें और उनके बताए आदर्शों को जीवन में उतारें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा और विकसित प्रदेश के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा, 'मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों, भारतीय मनीषा एवं सनातन संस्कृति में गुरु को साक्षात परम ब्रह्म माना गया है। विक्रम संवत 2083 की आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा (29 जुलाई, 2026) को गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व हम सबके लिए गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने का अवसर है।'

उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में यह पर्व महर्षि वेदव्यास की स्मृति में 'व्यास पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। बौद्ध परंपरा में यह भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश और धर्मचक्र प्रवर्तन का स्मृति-दिवस है। जैन परंपरा में इसका संबंध गौतम स्वामी के ज्ञान-दीक्षा प्रसंग से है, जबकि सिख परंपरा में भी गुरु-वाणी सर्वोपरि है। इसीलिए गुरु पूर्णिमा गुरु-शिष्य परंपरा एवं आध्यात्मिक चेतना का सार्वकालिक उत्सव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ से ज्ञान और संस्कार प्राप्त कर आदर्श जीवन की मर्यादाओं को आत्मसात किया, जबकि भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम में रहकर ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने कठोपनिषद का उल्लेख करते हुए कहा कि नचिकेता ने यमराज के समक्ष क्षणिक सुख और वैभव का नहीं, बल्कि 'श्रेय' अर्थात् सत्य एवं आत्मज्ञान का मार्ग चुना। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जहां गुरु का सम्मान होता है, वही समाज उन्नति करता है। इसी भावना के अनुरूप राज्य सरकार ने पिछले नौ वर्षों में शिक्षक सम्मान और उनके सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी भर्ती, समयबद्ध सेवा-सुविधाएं, आधुनिक डिजिटल संसाधन तथा निरंतर क्षमता संवर्धन सुनिश्चित कर सरकार ने गुरुजनों को ऐसा समर्थ वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया है, जहां वे ज्ञान, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की अपनी भूमिका का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान और उनका कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शुरू की गई है। इसके तहत बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा से जुड़े प्रदेश के 60 लाख शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और उनके आश्रित परिजन लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग के राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों, अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों तथा स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के 7.50 लाख से अधिक शिक्षकों और उनके आश्रित परिजनों को भी इस योजना के दायरे में लाया गया है।

रेवंत रेड्डी ने की युवाओं की पैरवी, बोले- 25 नहीं 21 साल में लड़ें चुनाव

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का कहना है कि अब राजनीति में युवाओं के प्रतिनिधित्व की अधिक जरूरत है। इसलिए चुनाव लड़ने की उम्र 21 साल किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वह इसके लिए जिम्मेदार लोगों से बातचीत भी करेंगे। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि यह जरूरी है क्योंकि अगर आप जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, सिंगापुर और कई अन्य पड़ोसी देशों को देखें, तो 50 प्रतिशत से ज्यादा देशों में वोटिंग की उम्र 21 साल है।

पहले, हमारे यहां वोटिंग की उम्र 21 साल थी और विधानसभा व लोकसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र 25 साल थी, और सब कुछ ठीक से चल रहा था। लेकिन जब वोटिंग की उम्र घटाकर 18 साल कर दी गई, तो अब चुनाव लड़ने की उम्र सीमा भी कम करने का समय आ गया है।

विधानसभा-लोकसभा में युवा नेतृत्व का समर्थनः आईएएनएस के साथ खास बातचीत में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि 21 साल की उम्र में हम लोगों को आईएएस, आईपीएस और अन्य सिविल सेवक के तौर पर नियुक्त कर रहे हैं, उन्हें मेयर और जिला पंचायत अध्यक्ष बना रहे हैं, तो फिर विधानसभा और

लोकसभा क्यों नहीं? इसलिए, मैं यह मुद्दा उठाना चाहता हूं क्योंकि भारत की लगभग 30 प्रतिशत आबादी 'जेन जी' पीढ़ी की है। उन्हें विधायक, सांसद, राज्य मंत्री और केंद्रीय मंत्री के तौर पर सेवा करने के मौके मिलने चाहिए।

देश में 'जेन जी' 30% लेकिन प्रतिनिधित्व 1% भी नहींः रेवंत रेड्डीः उन्होंने कहा कि मैं सभी से मिलूंगा और उनसे बात करूंगा। मैं इन लोगों के लिए अपनी पूरी कोशिश करूंगा क्योंकि मैं नहीं चाहता कि उनकी ऊर्जा बेकार जाए। मैं इस ऊर्जा को सही दिशा देना चाहता हूं। मैं उन्हें विधायक, सांसद और मंत्री बनाना चाहता हूं और देश की तरक्की व विकास में उन्हें हिस्सेदारी दिलाना चाहता हूं क्योंकि आबादी में उनकी हिस्सेदारी 30 प्रतिशत है, लेकिन उनका प्रतिनिधित्व 1 प्रतिशत भी नहीं है।

नए शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी को दी बधाईः नए शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले शिक्षा मंत्रियों धर्मेंद्र प्रधान, स्मृति ईरानी और प्रकाश जावड़ेकर का हमने जो भविष्य देखा है, उनका राजनीतिक करियर खराब हो गया। नए शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी हमारे जानने वाले हैं और पड़ोसी राज्य के हैं। उन्हें बधाई दी है। उम्मीद है कि वह समस्याओं को खत्म करेंगे। युवाओं के मुद्दे को उन्हें याद दिलाने की कोशिश की।

कांग्रेस को झटका देने की तैयारी में सपा, इमरान मसूद के बयान से दामाद शायान नाराज

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे नए-नए समीकरण भी बनने लगे हैं। पश्चिमी यूपी में कुछ ज्यादा ही हलचल है। एक तरफ आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद एक्टिव हैं तो दूसरी तरफ एमआईएमआईएम के प्रमुख असुद्दीन ओवैसी लगातार सभाएं कर माहौल को गरमा रहे हैं। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद लगातार बयानबाजी कर सपा पर दबाव

बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अब कांग्रेस और इमरान मसूद को ही सपा झटका देने की तैयारी कर रही है। इमरान मसूद के दामाद शायान मसूद जल्द समाजवादी पार्टी का दामन थाम सकते हैं। लोकसभा चुनाव में इमरान के लिए पूरी ताकत से प्रचार में जुटे शायान के इस कदम की चर्चा ने लखनऊ तक सियासी हलचल बढ़ा दी है। शायान मसूद सहारनपुर की राजनीति के सबसे प्रभावशाली परिवारों में से एक से आते हैं।

एपस्टीन की 'फेवरेट

बेलारूस की डेंटिस्ट की कहानी, जो 100 मिलियन, 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी की बनी दावेदार

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका में यौन अपराधों के आरोपी जेफरी एपस्टीन की मौत के करीब सात साल बाद उसकी कथित गर्लफ्रेंड डॉ. करिना शुलियाक एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) द्वारा जारी लाखों दस्तावेजों में दोनों के रिश्ते से जुड़ी कई नई जानकारियां सामने आई हैं। इन दस्तावेजों के अनुसार, बेलारूस की रहने वाली 37 वर्षीय डेंटिस्ट करिना शुलियाक एपस्टीन की वसीयत में शामिल हैं और उन्हें उसकी संपत्ति से 100 मिलियन डॉलर (करीब 860 करोड़ रुपये) तक की रकम और 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी मिल सकती है। हालांकि उन्हें आखिरकार कितनी संपत्ति मिलेगी, यह अभी तय नहीं है।

एक अमेरिकी समाचार पत्र की रिपोर्ट के मुताबिक, करिना 2010 में स्टूडेंट वीजा पर बेलारूस से अमेरिका आई थीं। वह अंग्रेजी सीख रही थीं और एक डेंटल असिस्टेंट के रूप में करीब 15 डॉलर प्रति घंटे की नौकरी करती थीं। मार्च 2011 में उनकी मुलाकात 58 वर्षीय जेफरी एपस्टीन से हुई। शुरुआत में उन्होंने एपस्टीन की आर्थिक मदद लेने से इनकार कर दिया था, लेकिन बाद में दोनों के बीच करीबी रिश्ता बन गया। कुछ ही महीनों में करिना एपस्टीन के न्यू मैक्सिको स्थित रैंच और निजी द्वीप तक पहुंच गईं। दस्तावेजों के मुताबिक, एपस्टीन ने करिना की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाया। उसने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के डेंटल स्कूल में दाखिला दिलाने के लिए अपने प्रभाव का

इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के अनुसार, उसने विश्वविद्यालय को करीब 2.10 लाख डॉलर का दान भी दिया। एपस्टीन ने करिना की ट्यूशन फीस भरी, उन्हें क्रेडिट कार्ड दिया, दुनिया भर की यात्राएं कराईं और वर्षों में करीब 10 लाख डॉलर दिए। उसने करिना के माता-पिता को भी बेलारूस में हजारों डॉलर भेजे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि करिना का स्टूडेंट वीजा खत्म हो चुका था। ऐसे में 2013 में एपस्टीन ने उन्हें अमेरिका में कानूनी रूप से रहने का रास्ता निकालने के लिए अपनी एक महिला कर्मचारी और कथित पीड़िता से शादी कराने की योजना बनाई। दोनों महिलाओं की शादी न्यूयॉर्क में हुई। इसके बाद इमिग्रेशन दस्तावेज दाखिल किए गए और करिना को ग्रीन कार्ड मिल गया। बाद में 2018 में वह अमेरिकी नागरिक बन गईं। एक साल बाद दोनों का तलाक हो गया। बाद में अमेरिकी कांग्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि दूसरी महिला ने आरोप लगाया था कि उस पर यह शादी करने का दबाव बनाया गया था। 2019 तक करिना एपस्टीन के न्यूयॉर्क स्थित आलीशान घर में रहती थीं। वह उसकी कई संपत्तियों के प्रबंधन में भी मदद करती थीं। घरों की देखभाल, कर्मचारियों का काम, फर्नीचर की खरीद और अन्य व्यवस्थाएं वह संभालती थीं। रिपोर्ट के अनुसार, मोरक्को में एक महल खरीदने की कोशिश में भी उनकी भूमिका थी। गिरफ्तारी के करीब एक महीने बाद जेल से उसने करिना को फोन किया। बताया जाता है कि यही उसकी आखिरी फोन कॉल थी। उसने करिना से कहा था कि मुकदमे में समय लगेगा और फिलहाल वह कहीं और रहने की व्यवस्था कर लें। अगले ही दिन 10 अगस्त 2019 को न्यूयॉर्क की जेल में एपस्टीन मृत पाया गया। अधिकारियों ने उसकी मौत को आत्महत्या बताया था। मौत से कुछ समय पहले एपस्टीन ने अपनी वसीयत में संशोधन किया था। उसमें करिना के लिए 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी और अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा छोड़ा गया।

● यूक्रेन के प्रभारी राजदूत के सामने जताया विरोध

यूक्रेन के हमले से बौखलाया ईरान, अराघची ने कौन से जवाब की बात कही

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कैस्पियन सागर में एक ईरानी व्यापारिक जहाज पर यूक्रेन के हमले की निंदा की। उन्होंने चेतावनी दी कि इस घटना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसका जवाब दिया जाएगा। अराघची ने यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ईरानी जहाज पर हमले का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि इस हमले में एक नाविक की मौत हुई है। अराघची ने दावा किया कि यह हमला इस्राइल के कहने पर किया गया, ताकि यूरोप को उसके युद्ध में खींचा जा सके।

अराघची ने कहा, जेलेंस्की ने एक ईरानी व्यापारिक जहाज पर हमला किया, जिसमें एक नाविक की मौत हुई। यह संयुक्त राष्ट्र के नियमों का खुला उल्लंघन है और इसे इस्राइल के कहने पर यूरोप को युद्ध में शामिल करने के लिए किया गया।

उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कलास और रूस के विदेश मंत्री

सर्गेई लावरोव से बातचीत में उन्होंने साफ कर दिया है कि कीव में बैठे लोगों की इस कार्रवाई को बिना जवाब दिए नहीं छोड़ा जाएगा।

ईरान ने इससे पहले तेहरान में यूक्रेन के कार्यवाहक प्रभारी राजदूत को बुलाकर इस घटना पर आधिकारिक विरोध दर्ज कराया था। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, ईरान के सहायक विदेश मंत्री और यूरेशिया मामलों के महानिदेशक मनोचेहर मुरादी ने यूक्रेन के हमले पर कड़ा विरोध जताया। उन्होंने ईरानी व्यापारिक जहाज पर हुए हमले को 'दुश्मनी भरा और आपराधिक कृत्य' बताया। मुरादी ने कहा कि यह हमला संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने इसे आक्रामक कार्रवाई बताया और कहा कि इससे सभी तटीय देशों की सुरक्षा को सीधा खतरा पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस घटना के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और हमले में शामिल लोगों को सजा मिलनी चाहिए। ईरान के विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि वह अपने देश की सुरक्षा और हितों की पूरी तरह रक्षा करेगा। मंत्रालय ने कहा कि अपने नागरिकों की जान और संपत्ति पर हुए हमलों का जवाब जरूर दिया जाएगा।

ईरान की यह आपत्ति यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि यूक्रेन ने रूस में सैन्य ठिकानों से जुड़े लक्ष्यों पर लंबी दूरी के हमले किए हैं। इनमें कैस्पियन सागर के इलाके में किए गए हमले भी शामिल हैं। जेलेंस्की ने कहा, कैस्पियन सागर में लंबी दूरी के हमलों से हमें बड़ी सफलता मिली है। इनमें वे जहाज भी शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल ईरान से जुड़े सैन्य सामान के परिवहन में किया जा रहा था। इसके अलावा एक युद्धपोत को भी निशाना बनाया गया। एक अन्य पोस्ट में जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस ईरान को खाड़ी देशों और अमेरिकी सैन्य ठिकानों की उपग्रह तस्वीरें उपलब्ध करा रहा है।

ब्रिटेन की नई कैबिनेट में भारतवंशी नेताओं का बढ़ा कद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने अपनी नई कैबिनेट का एलान किया है। कैबिनेट फेरबदल में भारतीय मूल के तीन लेबर सांसदों को फ्रंट-बेंच की अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कनिष्क नारायण को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मंत्री बनाया गया है, जबकि सतवीर कौर और हरप्रीत उप्पल को भी सरकार में महत्वपूर्ण पद मिले हैं।

नई कैबिनेट में कनिष्क नारायण को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मंत्री बनाया गया है। वहीं, सतवीर कौर और हरप्रीत उप्पल को भी सरकार में अहम जिम्मेदारियां दी गई हैं। इन नियुक्तियों के साथ लेबर सरकार में भारतीय मूल के सांसदों की भागीदारी और मजबूत हुई है। श्रीलंकाई तमिल मूल की हिंदू सांसद उमा कुमारन को भी विदेश कार्यालय में जूनियर मंत्री बनाया गया है। इसके बाद फ्रंट-बेंच में अब दो हिंदू और दो सिख मंत्री शामिल हैं।कैबिनेट फेरबदल के दौरान भारतीय मूल की वरिष्ठ नेता सीमा मल्होत्रा, जो हिंद-प्रशांत मंत्री थीं और पूर्व जूनियर स्वास्थ्य मंत्री प्रीत कौर

गिल को बैकबेंच पर भेज दिया गया। दोनों को पूर्व प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर का करीबी माना जाता था। वहीं, भारतीय मूल की लीसा नैंडी, जिनके पिता का जन्म कोलकाता में हुआ था, संस्कृति मंत्री के पद पर बनी हुई हैं और कैबिनेट का हिस्सा भी हैं। बिहार के मुजफ्फरपुर में जन्मे कनिष्क नारायण 12 वर्ष की उम्र में अपने परिवार के साथ वेल्स चले गए थे। उन्होंने ईटन कॉलेज, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की। जुलाई 2024 में वे लेबर पार्टी के सांसद के रूप में वेल ऑफ ग्लैमॉर्गन से चुने गए। सितंबर 2025 से विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विभाग में संसदीय अवर सचिव के रूप में कार्य करने के बाद 20 जुलाई 2026 को उन्हें नवगठित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस राज्य मंत्री बनाया गया। वह कैबिनेट ऑफिस और व्यवसाय, नवाचार, विज्ञान एवं व्यापार विभाग में संयुक्त रूप से जिम्मेदारी निभाएंगे। कौर पहली बार जुलाई 2024 में संसद पहुंचीं। उनके माता-पिता पंजाब से हैं और साउथैम्पटन में साड़ी की दुकान चलाते थे। उन्हें आवास, समुदाय एवं स्थानीय सरकार मंत्रालय में संसदीय अवर सचिव (समानता मंत्री) बनाया गया है। साथ ही वह गृह मंत्रालय में भी संसदीय अवर सचिव रहेंगी। उनके कार्यक्षेत्र में सुरक्षा, महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा तथा समानता से जुड़े विषय शामिल हैं। सितंबर 2025 से जुलाई 2026 तक वह कैबिनेट ऑफिस में संसदीय सचिव रहीं। मातृत्व अवकाश के बाद उन्होंने इस वर्ष फिर से सरकारी जिम्मेदारी संभाली।

मुझे गिरफ्तार नहीं करा पाएंगेः न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी पर बरसे नेतन्याहू, आईसीसी के आरोपों को बताया 'फर्जी'

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। ममदानी ने कहा था कि यदि नेतन्याहू संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क आते हैं तो उन्हें युद्ध अपराधों के आरोपों में गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इसके जवाब में नेतन्याहू ने कहा कि वह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक बैठक में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क जरूर जाएंगे। पिछले सप्ताह ममदानी ने कहा था कि न्यूयॉर्क सिटी के पास अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को लागू करने का कानूनी अधिकार नहीं है, लेकिन उन्होंने संघीय सरकार से इसे लागू करने की अपील की थी। फॉक्स न्यूज चैनल के कार्यक्रम 'संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स विद मारिया बार्टिरोमो' में नेतन्याहू ने कहा, 'एक मेयर को सभी न्यूयॉर्कवासियों-यहूदियों, ईसाइयों, मुसलमानों और अन्य समुदायों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। लेकिन वह एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।' गाजा में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को लेकर नेतन्याहू लगातार विवादों के केंद्र में रहे हैं। यह युद्ध 7 अक्टूबर 2023 को हमास के लड़ाकों द्वारा दक्षिणी इस्राइल पर किए गए घातक हमले के बाद शुरू हुआ था। इसके बाद इस्राइल ने गाजा में व्यापक सैन्य अभियान चलाया। बाद में ईरान के साथ संघर्ष और दक्षिणी लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के खिलाफ भी इस्राइल ने सैन्य कार्रवाई की। नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा लगाए गए युद्ध अपराधों के आरोपों को 'फर्जी' बताया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,